3 | राजधानी
जल्द मिलेगा पांचवां ओल्ड एज होम

6 | अभिमत
परीक्षा को उत्सव की तरह मनाएं

11 | विदेश
ह्यूस्टन में आसमान में जय श्री राम का बैनर लहराया

12 | स्पोर्ट्स
भारत के डेविस कप कप्तान बने जीशान

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 12 अंक 85
नई दिल्ली, बुधवार, 31 जनवरी, 2024
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

चीन हमारे पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा

राष्ट्रीय-10

झारखंड में राजनीतिक उथल-पुथल

राजेश कुमार। नई दिल्ली/रांची

ईडी सोरेन को कर सकती है गिरफ्तार, हेमंत की पत्नी संभालेंगी कमान

रांची में महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद विधायकों के साथ झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन।

बिहार के बाद अब पड़ोसी राज्य झारखंड राजनीतिक अनिश्चितता की ओर बढ़ रहा है क्योंकि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की पूछताछ से बच रहे हैं। उन्होंने मंगलवार को अपनी पार्टी के नेताओं और मंत्रियों के साथ एक बैठक बुलाई, जिसमें उनकी पत्नी की मौजूदगी से संकेत मिले कि सोरेन अपने परिवार को बैटन सौंप सकते हैं। ऐसी भी अटकलें हैं कि अगर सोरेन 31 जनवरी को पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश होते हैं तो उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है। पटना में बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव मंगलवार को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के सामने पेश हुए। उनके पिता और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के एक दिन पहले ईडी के सामने पेश हुए थे।

जांच एजेंसी के अधिकारियों द्वारा लगभग 30 घंटे तक सोरेन का पता लगाने में विफल रहने के बाद मंगलवार को झारखंड की राजधानी रांची में फिर से सामने आने के बाद सोरेन ने सस्पेंस खत्म कर दिया। रांची और दिल्ली में तनावपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम के बीच झामुमो प्रमुख की फिर से उपस्थिति हुई है। अपनी आधिकारिक कार में यात्रा करते हुए सोरेन अपने ठिकाने की गहन अटकलों के बीच मीडियाकर्मियों की ओर मुस्कुराए और हाथ हिलाया।

सोरेन ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेतृत्व वाले सत्तारूढ़ गठबंधन के विधायकों और मंत्रियों के साथ एक बंद कमरे में बैठक की अध्यक्षता की और सभी पार्टी विधायकों और उसके गठबंधन सहयोगियों कांग्रेस और राजद को अगले निर्देश तक राजनीतिक स्थिति के मद्देनजर राज्य की राजधानी में रहने के लिए कहा। इस जोरदार चर्चा के बीच सोरेन की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद थीं कि अगर उन्हें गिरफ्तार किया जाता है तो वह सरकार की बागडोर संभाल सकती हैं। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने दावा किया है कि कल्पना सोरेन पति हेमंत की जगह ले सकती हैं और इसके लिए ही गठबंधन के विधायकों को रांची में रहने का निर्देश दिया गया है। दुबे ने कहा कि हेमंत ने सभी सहयोगी विधायकों को 'अपने सामान के साथ' रांची पहुंचने के लिए बुलाया है। एक्स पर एक पोस्ट में दुबे ने सवाल किया कि जो आदमी फरार है वह राज्य के लोगों की रक्षा कैसे करेगा। उन्होंने कहा, 'मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी के इशारे पर गलत काम करने वालों को बड़ी सलाह, सीएम खुद को भगोड़ा साबित कर रहे हैं, जांच एजेंसी का सामना करने से भाग रहे हैं, दिन भर देश-विदेश में बेइज्जती झेल रहा आदमी अधिकारियों या राज्य के लोगों की रक्षा कैसे करेगा?'। 81 सदस्यीय विधानसभा में झामुमो के 30, कांग्रेस के 16, राजद के 1 विधायक हैं जबकि विपक्षी भाजपा के 25, झारखंड विकास मोर्चा के 3, ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन के 2 और अन्य के 4 विधायक हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में पूछताछ के लिए ईडी के अधिकारी सोमवार को उनके दिल्ली स्थित पते पर पहुंचे थे, लेकिन उनका पता नहीं चल सका। जिस चार्टर्ड प्लेन से उन्होंने रांची से दिल्ली तक का सफर किया वह दिल्ली एयरपोर्ट पर खड़ा है। उनके स्टाफ के कई लोगों के फोन बंद हैं। उनके ड्राइवर से भी पूछताछ की गई, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। एजेंसी ने सोमवार को दक्षिण दिल्ली में 5/1 शांति निकेतन भवन में उनके घर की तलाशी के बाद 36 लाख रुपये नकद और हरियाणा में पंजीकृत एक बीएमडब्ल्यू कार जब्त की, जिसे ईडी 'बेनामी' मानता है और कुछ 'संदिग्ध' दस्तावेज भी जब्त किए। सूत्रों ने कहा कि ईडी ने राज्य के अधिकारियों और केंद्रीय सुरक्षा बलों को अपनी टीम की संरचना के बारे में सूचित कर दिया है, जो 31 जनवरी को दोपहर 1 बजे से पहले रांची में एयरपोर्ट रोड पर अपने जोनल कार्यालय से सोरेन के आवास पर उनके कैंप कार्यालय में चले जाएंगे। पूछताछ वहीं से जारी रहेगी जहां 20 जनवरी को समाप्त हुई थी। सूत्रों के अनुसार सोरेन से लगभग 16-17 प्रश्न पूछे गए और उनका बयान धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत लिखित और ऑडियो-वीडियो प्रारूप में दर्ज किया गया। ईडी के जांचकर्ताओं ने उस दिन सीएम आवास पर करीब सात घंटे बिताए थे। मंगलवार को रांची पहुंचे सोरेन ने ईडी को सूचित किया है कि वह बुधवार को दोपहर एक बजे के आसपास राज्य की राजधानी में अपने आवास पर उनके सामने पेश होने के लिए तैयार हैं। सहयोग करने की इच्छा व्यक्त करते हुए, सोरेन ने जोर देकर कहा कि जांच का समय राजनीति से प्रेरित प्रतीत होता है, जिसका उद्देश्य उनकी सरकार के कामकाज को बाधित करना है।

ईडी के रांची कार्यालय को सोरेन द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है, 'आप अच्छी तरह से जानते हैं कि विधान सभा का बजट सत्र 2 और 29 फरवरी 2024 के बीच आयोजित किया जाएगा और नीचे हस्ताक्षरकर्ता अन्य पूर्व निर्धारित कार्यक्रमों के अलावा उसी की तैयारियों में व्यस्त रहेंगे। सूत्र ने बताया कि सोरेन आधी रात को यहां अपने आधिकारिक आवास पर पहुंचे। सीएमओ द्वारा एक्स पर साझा की गई तस्वीरों और वीडियो में बड़ी संख्या में विधायक और मंत्री बैठक में हिस्सा लेने से पहले सोरेन का अभिवादन करते नजर आए. बैठक में सीएम की पत्नी कल्पना सोरेन भी मौजूद रहीं। घटनाक्रम के बीच भाजपा ने दावा करना शुरू कर दिया कि मुख्यमंत्री 'भागे हुए' हैं। (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में सर्वदलीय बैठक के दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल, प्रह्लाद जोशी, अर्जुन राम मेघवाल।

बजट सत्र के सुचारु ढंग से चलने की उम्मीद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

संसद का बजट सत्र बुधवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा निचले और ऊपरी सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करने के साथ शुरू हो रहा है। सरकार ने विपक्षी दलों से कार्यवाही के सुचारू संचालन में सहयोग करने का आग्रह किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण अप्रैल-मई में होने वाले संभावित लोकसभा चुनाव से पहले बुधवार को अंतरिम बजट पेश करेंगी। नई सरकार कार्यभार संभालने के बाद पूर्ण बजट पेश करेगी। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने संसद में राजनीतिक दलों के नेताओं की बैठक में बताया कि सीतारमण जम्मू-कश्मीर के लिए भी बजट पेश करेंगी, जो राष्ट्रपति शासन के तहत है। जोशी ने कहा कि 9 फरवरी को समाप्त होने वाले 17वीं लोकसभा के संक्षिप्त सत्र का मुख्य एजेंडा राष्ट्रपति का अभिभाषण, अंतरिम बजट की प्रस्तुति और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जवाब के साथ राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर बहस है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई बैठक के दौरान विपक्षी नेताओं ने कई मुद्दे उठाए। कांग्रेस नेता के सुरेश ने कहा कि सत्र में पार्टी बेरोजगारी, उच्च मुद्रास्फीति, कृषि संकट और जातीय हिंसा प्रभावित मणिपुर की स्थिति का मुद्दा उठाएगी। तृणमूल कांग्रेस नेता सुदीप बंद्योपाध्याय ने कहा कि वित्त मंत्री को अंतरिम बजट में विभिन्न केंद्रीय (शेष पेज 9)

पूरे उत्तर भारत में कड़ाके की ठंड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पूरे उत्तर भारतीय क्षेत्र में न्यूनतम तापमान में भारी गिरावट के कारण आई कड़ाके की ठंड ने पहले से ही खराब दृश्यता से प्रभावित यात्रियों की मुसीबतें बढ़ा दी हैं। हाड़ कंपा देने वाली ठंड ने राज्यों में दैनिक जीवन को भी प्रभावित और बाधित किया। 40 दिनों की कठोर सर्दियों की अवधि जिसे 'चिल्ला-ए-कलां' के नाम से जाना जाता है, मंगलवार को समाप्त हो गई, जिसमें कश्मीर के मैदानी इलाकों में कोई बर्फबारी नहीं हुई और घाटी के ऊंचे इलाकों में सामान्य से कम बारिश हुई। जबकि 40 दिन की अवधि के अंत में घाटी के ऊंचे इलाकों में हल्की से मध्यम बर्फबारी हुई, अधिकांश चिल्ला-ए-कलां - जब बर्फबारी की संभावना अधिकतम और सबसे अधिक बार होती है। इस सर्दी में घाटी में लंबे समय तक शुष्क मौसम रहा और मैदानी इलाकों में बर्फबारी नहीं हुई। 40 दिनों की कठोर सर्दियों की अवधि के दौरान, क्षेत्र में शीत लहर चलती है और तापमान में काफी गिरावट आती है, जिससे जल निकाय और आपूर्ति पाइपों में पानी जम जाता है। 20 दिन की 'चिल्ला-ए-खुर्द' (छोटी ठंड) और 10 दिन की 'चिल्ला-ए-बच्चा' (बच्चों की सर्दी) के साथ 'चिल्ला-ए-कलां' की समाप्ति के बाद भी कश्मीर में ठंड की स्थिति जारी है।.

चंडीगढ़ मेयर चुनाव में भाजपा ने आप, कांग्रेस को दी शिकस्त

राजेश कुमार। नई दिल्ली/चंडीगढ़

आप और कांग्रेस को एक बड़ा झटका देते हुए भाजपा ने मंगलवार को चंडीगढ़ मेयर चुनाव में जीत हासिल की और तीन शीर्ष पदों पर कब्जा बरकरार रखा। आप और कांग्रेस ने सहयोगी के रूप में चुनाव लड़ा था। भाजपा उम्मीदवार मनोज सोनकर ने मेयर पद के लिए आप के कुलदीप कुमार को हराया, उनके प्रतिद्वंद्वी को मिले 12 वोटों के मुकाबले उन्हें 16 वोट मिले। आठ मत अवैध घोषित किये गये। भाजपा के उम्मीदवार कुलजीत संधू और राजिंदर शर्मा क्रमशः वरिष्ठ उप महापौर और उप महापौर पद के लिए निर्वाचित घोषित किए गए। आम आदमी पार्टी (आप) ने इस नागरिक चुनाव के लिए कांग्रेस के साथ गठबंधन किया था - जिसे तीन महीने से भी कम समय में लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन की पहली वास्तविक चुनावी परीक्षा के रूप में पेश किया गया था- लेकिन गठबंधन परिणाम देने में विफल रहा। इस हार ने विपक्षी समूह को और कमजोर कर दिया है, जो पहले से ही अपने दो सबसे बड़े सदस्यों - ममता बनर्जी की तृणमूल और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) के बाहर निकलने के बाद पतन के कगार पर है। पंजाब में आप और कांग्रेस ने संकेत दिया है कि वे लोकसभा चुनाव एक साथ लड़ने के लिए अनिच्छुक हैं, भले ही वे दोनों इंडिया समूह में हैं। लेकिन वे पंजाब और हरियाणा दोनों की राजधानी के रूप में कार्य करने वाले केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मेयर का चुनाव एक साथ लड़ने पर सहमत हुए। चंडीगढ़ में गठबंधन के हिस्से के रूप में आप ने मेयर पद के लिए चुनाव लड़ा, जबकि कांग्रेस ने दो अन्य पदों के लिए अपने उम्मीदवार उतारे। 35 सदस्यीय चंडीगढ़ नगर निगम में भाजपा के 14 पार्षद हैं। आप के 13 और कांग्रेस के सात पार्षद हैं। शिरोमणि अकाली दल का एक पार्षद है। हार के बाद आप और कांग्रेस ने भाजपा पर देश में लोकतांत्रिक व्यवस्था पर 'शर्मनाक तरीके से कब्जा' (शेष पेज 9)

चंडीगढ़ मेयर का चुनाव जीतने के बाद पार्टी पार्षदों के बीच भाजपा के मनोज सोनकर।

नक्सलियों के हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद, 15 घायल

पायनियर समाचार सेवा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों की सीमा पर मंगलवार को नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के दौरान दो कोबरा कमांडो समेत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कम से कम तीन जवान शहीद हो गए और 15 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि तीन शहीद जवानों में दो कोबरा की 201वीं बटालियन के और एक जवान सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन का है। उन्होंने कहा कि पुलिस को यह भी सूचना मिली है कि मुठभेड़ में कम से कम छह नक्सली भी मारे गए हैं। उन्होंने इस बारे में और कोई जानकारी नहीं दी। सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा) जंगल में युद्ध अभियान संचालित करने वाली एक इकाई है। पुलिस महानिरीक्षक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी. ने बताया कि यह घटना बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर स्थित टेकलगुडेम गांव के समीप उस वक्त हुई, जब सुरक्षाकर्मियों का एक संयुक्त दल तलाशी अभियान पर था। उन्होंने बताया कि सोमवार को राजधानी रायपुर से करीब 450 किलोमीटर दूर अंतर-जिला सीमा पर माओवादियों का गढ़ माने जाने वाले टेकलगुडेम में सुरक्षाकर्मियों का एक नया शिविर स्थापित किया गया था। (विस्तृत पेज 10)

भारत ने समुद्री डाकुओं से ईरानी पोत को बचाया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

समुद्री डाकुओं द्वारा जहाज पर हमला करने के बाद भारतीय नौसेना ने ईरानी ध्वज वाले मछली पकड़ने वाले जहाज और पाकिस्तानियों सहित चालक दल के 19 सदस्यों को बचाया। संयोग से पिछले 36 घंटों में सोमालिया के पूर्व में भारतीय नौसेना के युद्धपोत आईएनएस सुमित्रा का यह दूसरा ऐसा प्रयास था। पहले बचाव में सोमवार को एक ईरानी मछली पकड़ने वाली नौका इमान भी शामिल थी। अधिकारियों ने मंगलवार को यहां कहा कि इसी तरह की कार्रवाई में भारतीय नौसेना ने सेशेल्स रक्षा बलों और श्रीलंका नौसेना के सहयोग से श्रीलंकाई मछली पकड़ने वाले जहाज के अपहरण का जवाब दिया। यह कार्रवाई भी सोमालिया से दूर की गई।

विवरण देते हुए, उन्होंने कहा कि सोमालिया के मोगादिशु से लगभग 955 समुद्री मील पूर्व में श्रीलंकाई ध्वज वाले बहुदिवसीय मछली पकड़ने वाले ट्रॉलर लोरेंजो पुथा 04 पर अपहरण की घटना की सूचना मिली थी। 27 जनवरी को तीन समुद्री डाकू मछली पकड़ने वाली ट्रॉलर पर चढ़ गए और उसका अपहरण कर लिया। भारतीय नौसेना ने अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज का पता लगाने और उसे रोकने के लिए आईएनएस शारदा को तैनात किया। इसके अतिरिक्त आईएफसी आईओआर, नई दिल्ली में श्रीलंका और सेशेल्स अंतर्राष्ट्रीय संपर्क अधिकारियों के माध्यम से कुशल परिचालन समन्वय और सूचना साझा करने के परिणामस्वरूप सोमवार को सेशेल्स ईईजेड में एससीजीएस पुखराज द्वारा अपहृत मछली पकड़ने वाले जहाज को रोक दिया गया।

तीन समुद्री लुटेरों ने सेशेल्स तट रक्षक (एससीजी) के सामने आत्मसमर्पण कर दिया और चालक दल के सभी छह सदस्य सुरक्षित हैं तथा जहाज को माहे, (शेष पेज 9)

भारतीय नौसेना केआईएनएस सुमित्रा ने मछली मारने वाली पोत अल नईमी तथा उसके क्रू सदस्यों (19 पाकिस्तानी नागरिक) को 11 सोमाली समुद्री डकैतों से बचाया।

भाजपा की वॉकथॉन ने अभी नहीं पकड़ी रफ्तार

कुमार चेलप्पन। कोच्चि

केरल भाजपा के अध्यक्ष के सुरेंद्रन की वॉकथॉन, जो 27 जनवरी को कासरगोड से शुरू हुई, को अभी तक राज्य के मतदाताओं से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है। पद यात्रा (वॉकथॉन) आगामी लोकसभा चुनाव के लिए भाजपा के अभियान की प्रस्तावना है और यह प्रधानमंत्री द्वारा 3 जनवरी को त्रिशूर की यात्रा के दौरान गढ़ी गई थीम 'मोदी की गारंटी' पर केंद्रित है। सुरेंद्रन द्वारा संबोधित सभाओं में खराब भीड़ की प्रतिक्रिया ने इस तथ्य को रेखांकित किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बिना केरल भाजपा राज्य में एक बड़ा शून्य है। सार्वजनिक बैठक को सोमवार शाम को झटका लगा जब फिल्म अभिनेता सुरेश गोपी ने यात्रा के कन्नूर हिस्से को संबोधित करते हुए घोषणा की कि 2024 के लोकसभा चुनावों के नतीजे घोषित होने के तुरंत बाद (शेष पेज 9)

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के पद्चिह्नों की प्रेरणा यात्रा

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

महात्मा गांधी के विचार और दृष्टिकोण आज भी विश्व भर में शासन के लिए प्रासंगिक बने हुए हैं। दुनिया भर में वे जहां भी गए, उन्होंने जिस रास्ते का इस्तेमाल किया, उनके लाखों लाख अनुयायी उसकी स्मृतियों को संजोए हुए हैं,खासकर उनकी पुण्यतिथि या शहीद दिवस के रूप में जैसा कि मंगलवार को किया गया। ऐसी ही एक स्मृति है जिसके बारे में शायद ही कभी पढ़ा या जाना जाता हो। यह वह स्थान है जहां 16 अगस्त, 1908 को हमीदिया मस्जिद के बाहर महात्मा गांधी के नेतृत्व में 3000 मुसलमानों, हिंदुओं और ईसाइयों ने अपने पास और दस्तावेज जला दिए थे, जिन्हें सरकार द्वारा 'गैर श्वेत' के रूप में वर्गीकृत किया गया था। अंग्रेजों की दंडात्मक कार्रवाई में कारावास भी शामिल था। कड़ाही में जलाए गए विशाल अलाव ने दक्षिण अफ्रीका में मशाल को पहली बार जलाने और गांधी के सत्याग्रह, या निष्क्रिय प्रतिरोध, अभियान की शुरुआत को चिह्नित किया।

इस स्थान को वरिष्ठ आईएफएस अधिकारी अंजू रंजन ने दक्षिण अफ्रीका में महावाणिज्य दूत के रूप में अपनी पोस्टिंग (2019-2023) के दौरान 'सत्य' के रूप में बनाया है और अब यहां आगंतुकों की भीड़ उमड़ती है, जो दक्षिण अफ्रीका में उन स्थानों को देखने और उन्हें याद करने के लिए यात्रा करते हैं जहां गांधी ने समय बिताया था। अपने प्रारंभिक वर्षों में और चार दशक बाद भारत को स्वतंत्रता की ओर ले जाने के लिए उन्होंने खुद को बदल लिया। वर्तमान में भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद (आईसीसीआर), नई दिल्ली में उप महानिदेशक के पद पर तैनात अंजू ने कहा, 'मुझे उस स्थान के महत्व के बारे में पता चला जहां गांधीजी द्वारा पास जलाए गए थे। स्थानीय लोगों की मदद से मैं सत्य स्तंभ के साथ-साथ टॉल्स्टॉय फार्म को विकसित करने के लिए धन जुटाने में कामयाब रही।'

2002 बैच के भारतीय विदेश सेवा (आईएफएस) अधिकारी ने गांधी से संबंधित कई अन्य दृष्टिकोणों के अलावा पूरे टॉल्स्टॉय फार्म, पुस्तकालय के पुनर्निर्माण और पुनर्विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, 1970 के दशक में ऐतिहासिक महत्व के पूरे क्षेत्र में तोड़फोड़ की गई थी। जोहान्सबर्ग में टॉल्स्टॉय फार्म के पुनरुद्धार के अलावा अंजू ने 75 प्रमुख भारतीय समुदाय के लिए जागरूकता पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। टॉल्स्टॉय फार्म जोहान्सबर्ग नगरपालिका के दक्षिण-पश्चिमी कोने में जोहान्सबर्ग से 35 किमी दूर स्थित है। यह नाम इसलिए लिया गया क्योंकि गांधी रूसी लियो टॉल्स्टॉय के लेखन से प्रेरित थे, जिन्होंने आक्रामकता के (शेष पेज 9)

नई दिल्ली में राजघाट पर महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

लद्दाख में 477 समेत भारत में हैं 718 लुप्तप्राय हिम तेंदुएं

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

भारत 718 लुप्तप्राय हिम तेंदुओं का घर है। हिमालय क्षेत्र में 2019 और 2023 के बीच पांच वर्षों के दौरान किए गए अपनी तरह के पहले वैज्ञानिक सर्वेक्षण से पता चला है कि लद्दाख का उच्च ऊंचाई वाला क्षेत्र मायावी शाही बिल्लियों के लिए प्रमुख अभयारण्य के रूप में उभर रहा है, जहां वैयक्तिक रूप हिम तेंदुओं की संख्या 477 है। राज्य-वार जनसंख्या अनुमान से पता चलता है कि उत्तराखंड में 124, हिमाचल प्रदेश में 51, अरुणाचल प्रदेश में 36, सिक्किम में 21 और जम्मू-कश्मीर में 9 हिम तेंदुएं हैं। भारत में हिम तेंदुओं की बहुप्रतीक्षित स्थिति रिपोर्ट 2019 और 2023 के बीच हिम तेंदुए की जनसंख्या आकलन (एसपीएआई) कार्यक्रम से मिली है, जिसे केंद्रीय पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री, भूपेन्द्र यादव ने राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की बैठक में मंगलवार को जारी किया। अपनी मायावी और रहस्यमय प्रकृति के (शेष पेज 9)

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 31 जनवरी, 2024

जेवर एयरपोर्ट के पास हैरिटेज सिटी पर लगी मुहर

मथुरा जिले के राया कस्बे के आसपास 735 एकड़ जमीन पर शहर को विकसित करने की योजना

- यमुना प्राधिकरण के कार्यालय में चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में आयोजित 79वीं बोर्ड बैठक में मास्टर प्लान 2041 को पेश किया गया

जेवर एयरपोर्ट का प्रतीकात्मक फोटो।

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा शहर के पास स्थापित हो रहे जेवर एयरपोर्ट के चारों तरफबड़ी बड़ी योजनाओं की झड़ी लग गई है। यहां देश की सबसे बड़ी फिल्म सिटी बनाने का प्रस्ताव पहले ही पास हो चुका है। अब जेवर एयरपोर्ट के पास एक शानदार हैरिटेज सिटी बनाने के प्रस्ताव पर भी मुहर लगा दी गई है। जेवर एयरपोर्ट से सितंबर 2024 से फ्लाइट उड़ने लगेगी। इसके साथ ही जेवर एयरपोर्ट के चारों तरफ अनेक योजनाएं जमीन पर उतारी जा रही हैं। यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण तेजी से अनेक योजनाएं विकसित कर रहा है।

जेवर एयरपोर्ट के आसपास 50 किलोमीटर के दायरे में अनेक योजनाएं जमीन पर उतारी जा रही है। इसी कड़ी में 1250 करोड़ रुपये की लागत से मथुरा जिले के राया कस्बे के आसपास एक शानदार हैरिटेज सिटी बसायी जाएगी। जेवर एयरपोर्ट के बिल्कुल निकट स्थापित होने वाली हैरिटेज सिटी का विकास 735 एकड़ जमीन पर किया जाएगा। इस बाबत यीडा की बोर्ड बैठक में व्यापक चर्चा की गई। चर्चा के बाद जेवर एयरपोर्ट के पास हैरिटेज सिटी बसाने का प्रस्ताव पास कर दिय गया। जेवर एयरपोर्ट के पास विकास के कामों को और अधिक गति देने के लिए यीडा की बोर्ड बैठक में दर्जनों बड़े फैसले लिए गए हैं। हम आपको विस्तार से बताते हैं कि यीडा की बोर्ड बैठक में क्या क्या बड़े फैसले लिए गए हैं।

यमुना प्राधिकरण के कार्यालय में चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में आयोजित 79वीं बोर्ड बैठक में मास्टर प्लान 2041 को पेश किया गया, जिसे स्वीकृत करते हुए शासन के अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। इसके साथ ही मास्टर प्लान के लिए जो 55 गांव सम्मिलित हुए थे उनको भी शामिल किया गया है। साथ ही एविएशन हब के लिए 1000 एकड़ जमीन और बढ़ाने का निर्णय लिया गया है। राया हेरिटेज सिटी की डीपीआर को अप्रूव किया गया है और आगरा में एक नई इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाई जाएगी जो 1050 हेक्टेयर में होगी, जिसकी डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। बोर्ड बैठक में किसानों को राहत देने के कई प्रस्ताव पास किए गए है।

285.61 फीसदी अधिक राजस्व प्राप्त हुआ : यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने 79वीं बोर्ड बैठक में पारित हुए प्रस्ताव की जानकारी देते हुए बताया कि यमुना प्राधिकरण को राजस्व के रूप में पिछले सालों के मुकाबले 285.61: अधिक राजस्व प्राप्त हुआ। 2022.23 में 15 जनवरी 2023 तक कुल राजस्व 1784.63 करोड़ प्राप्त हुआ था, जिसके मुकाबले 2023.24 में 15 जनवरी 2024 तक प्राधिकरण को 5107.75 करोड़ का राजस्व प्राप्त हुआ है। सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बैठक में मास्टर प्लान 2041 प्रस्ताव को शासन के अनुमोदन के लिए भेज दिया गया है। इसके साथ ही 1000 एकड़ जमीन एविएशन हब के लिए बढ़ाई गई है। राया हेरिटेज सिटी की डीपीआर को अप्रूव किया गया है और आगरा में एक नई इलेक्ट्रॉनिक सिटी बसाई जाएगी जो 1050 हेक्टेयर में होगी जिसकी डीपीआर बनाने की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

किसानों को मिलेंगे प्लाट : सीईओ ने बताया कि यमुना एक्सप्रेसवे और ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर जोड़ने के लिए इंटरचेंज बन रहा है उसे बोर्ड बैठक में पास किया गया है। बोर्ड बैठक में किसानों को राहत देने के कई प्रस्ताव पास किए गए हैं।

इंटरचेंज से प्रभावित किसानों को सेक्टर 17बी में प्लॉट दिए जाने का निर्णय भी बोर्ड बैठक में लिया गया है। इसके साथ ही किसानों को यह भी छूट दी गई है कि अगर उनके परिवार से कोई गंभीर बीमारी से ग्रसित है तो वह अपने प्लॉट को बेच सकते हैं। इसके साथ ही किसानों को राहत देते हुए बोर्ड में किसानों के 7: प्लॉट पर जो ब्याज लगता था उसको खत्म कर दिया गया है।

संस्थागत भूखंड ई ऑक्शन से बाहर : सीईओ अरुणवीर सिंह ने बताया कि अब संस्थागत की श्रेणी में आने वाले 10 एकड़ से अधिक आकार के भूखंड जो डिग्री कॉलेज, पीजी कॉलेज, मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट, टेक्निकल इंस्टीट्यूट, स्पोर्ट्स कॉलेज, स्पोर्ट्स एकेडमी, मेडिकल कॉलेज व अस्पताल के लिए होंगे उन्हें ई ऑक्शन की परिधि से बाहर रखा जाएगा। यमुना एक्सप्रेस वे विकास प्राधिकरण 6 जनपदों जिनमें गौतमबुद्धनगर, बुलंदशहर, हाथरस, अलीगढ़, मथुरा और आगरा तक फैला हुआ है तथा प्राधिकरण के क्षेत्र में इन जनपदों की कुल 1149 राजस्व गांव अधिसूचित है।

चोला रेलवे स्टेशन तक बिछेगी नई रेल लाइन

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेटर नोएडा में बनाए जा रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को रेलवे से जोड़ने की दिशा में काम शुरू कर दिया गया है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से लेकर बुलंदशहर जनपद के चोला रेलवे स्टेशन और पलवल रेलवे स्टेशन तक नई रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। इस नई रेल लाइन के बनने से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की रेलवे से कनेक्टिविटी हो जाएगी।

ग्रेटर नोएडा के निकट जेवर में बन रहे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सितंबर 2024 से फ्लाइट उड़ान भरना शुरू कर देगी। फ्लाइट का संचालन करने के लिए विशेष तौर पर रुस से रडार मंगाया जा रहा है। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के निर्माण को समय से पूरा कराने के लिए 24 घंटे निर्माण कार्य किया जा रहा और काम को पूरा करने के लिए हजारों कर्मचारी रोजाना काम कर रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट को रेलवे से ?कनेक्टिविटी देने के लिए एयरपोर्ट से चोला रेलवे स्टेशन बुलंदशहर जनपद में स्थित और पलवल रेलवे स्टेशन से जोड़ने की कवायद की जा रही है। रेल मंत्रालय से 47 किलोमीटर लंबी रेलवे लाइन बिछाने के प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी है। इसके लिए डीपीआर बनाने का काम शुरू कर दिया है। प्रस्ताव के तहत 47 किमी लंबी नई रेलवे लाइन बिछाई जाएगी। इसमें करीब 20 किमी लंबी रेलवे लाइन चोला रेलवे स्टेशन से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट तक बिछेगी और 27 किमी लंबी रेलवे लाइन पलवल तक बिछायी जाएगी। आपको बता दें कि करीब तीन महीने पहले उत्तर प्रदेश के मुख्य सेक्रेटरी ने रेल मंत्रालय को शासन की ओर से 47 किमी लंबी नई रेलवे लाइन बनाने के लिए प्रस्ताव भेजा था। इस प्रस्ताव पर अब रेल मंत्रालय ने अपनी मुहर लगा दी है।

47 किमी की रेलवे लाइन बनने से दिल्ली.कोलकाता रेलमार्ग के चोला रेलवे स्टेशन से और दिल्ली.मुंबई रेलमार्ग में पलवल स्टेशन तक वाया जेवर एयरपोर्ट होते हुए कॉरिडोर बनाया जाएगा। नए रेलमार्ग के बनने से एनसीआर के निवासियों के दिल्ली, कोलकाता, मुंबई, हरियाणा, राजस्थान समेत तमाम राज्यों तक पहुंच आसान हो जाएगी। दिल्ली.कोलकाता रेलमार्ग के बराबर से डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर भी है। चोला रेलवे स्टेशन के पास यह नए रेलमार्ग से जुड़ जाएगा। न्यू दादरी में ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर मिल रहे हैं। इसका फायदा नोएडा एयरपोर्ट और उद्योगों को मिलेगा।

75 मीटर चौड़े दो एक्सप्रेसवे का भी होगा निर्माण

एक ओर जहां चोला रेलवे स्टेशन से जेवर एयरपोर्ट तक रेलवे लाइन बिछाई जाएगी, वहीं चोला से जेवर तक 75.75 मीटर चौड़े दो एक्सप्रेसवे भी बनाए जाने हैं। इनका प्रस्ताव पहले ही पास हो चुका है। इनमें एक एक्सप्रेसवे 20 किलोमीटर तथा दूसरा 16 किलोमीटर लंबा होगा। यमुना प्राधिकरण के सीईओ डॉ अरुणवीर सिंह ने बताया कि शासन से भेजे गए इस नई रेलवे लाइन के प्रस्ताव को अब रेल मंत्रालय ने मंजूर कर लिया है।

संक्षिप्त समाचार

योगी का सपना पूरा करेंगे बोनी कपूर और भूटानी ग्रुप

नोएडा। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ के ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म सिटी को डेवलप करने वाली कंपनी का चयन कर लिया गया है। फिल्म निर्माता एवं निर्देशक बोनी कपूर और भूटानी मिलकर सीएम योगी के सपने को पूरा करेंगे। दोनों ने आज जेवर एयरपोर्ट के पास बनने वाली फिल्म सिटी के लिए सबसे ज्यादा बिड लगाकर इस प्रोजेक्ट को हासिल किया है। सीएम योगी आदित्यनाथ का ड्रीम प्रोजेक्ट फिल्म सिटी कौन बनाएगा, इसका आखिरकार फैसला आज हो गया। जेवर एयरपोर्ट के पास बनने वाली इस यमुना फिल्म सिटी को प्रसिद्ध निर्माता एवं निर्देशक बोनी कपूर की कंपनी तथा भूटानी ग्रुप बनाएंगे। यमुना क्षेत्र की इंटरनेशनल फिल्म के सिटी के लिए बोनी कपूर व भूटानी ग्रुप ने हाईस्ट बिड देकर इस परियोजना को अपने नाम कर लिया है। यमुना प्राधिकरण के सेक्टर 21 में बेव्यू प्रोजेक्ट्स लिमिटेड कंपनी फिल्म सिटी विकसित करेगी। यह कंपनी बोनी कपूर की है। इसमें भूटानी ग्रुप भी शामिल है। पहला चरण 230 हेक्टेयर में विकसित होगा।

ग्रुप मेंबर की हत्या करने वाले शूटर मुठभेड़ में घायल

नोएडा। नोएडा में मंगलवार की सुबह नोएडा कमिश्नरेट पुलिस का 25 हजार रुपये के एक ईनामी बदमाश से आमना सामना हो गया। बदमाश के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। घायल बदमाश को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पकड़ा गया बदमाश कुख्यात कपिल मान गैंग का शूटर है और ग्रुप मेंबर सूरजमान की हत्या में वांछित चल रहा था। जानकारी के अनुसार, नोएडा के थाना सेक्टर 39 पुलिस द्वारा मंगलवर की सुबह सेक्टर 43 पर चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक बाइक सवार को रुकने का इशारा किया गया तो वह पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ने की कोशिश की तो बाइक सवार संदिग्ध ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी फायरिंग में पुलिस की गोली लगने से बाइक सवार घायल हो गया।

औचक निरीक्षण से दवा विक्रेताओं में मचा हड़कंप

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में मेडिकल स्टोर्स पर औषधियों की मानकों के अनुरूप पर्याप्त उपलब्धता एवं गुणवत्ता बनाए रखने के उद्देश्य से रबुपूरा स्थित दो मेडिकल स्टोर का खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा औचक निरीक्षण कर दो औषधियों के नमूने जांच के लिए लखनऊ प्रयोगशाला भेजा गया है। विभाग द्वारा की गई कार्रवाई की भनक लगते ही मेडिकल स्टोर्स संचालकों में हडकंप मच गया। इस दौरान अन्य मेडिकल स्टोर्स के संचालक मेडिकल स्टोर्स बंद कर भाग गए। औषधि निरीक्षक वैभव बब्बर ने बताया कि बदलते मौसम के चलते बुखार, खांसी एवं अन्य बीमारी में प्रयुक्त औषधि की गुणवत्ता एवं संबंधित क्रय विक्रय अभिलेखों की जांच के क्रम में रबुपूरा स्थित बाबा मेडिकल स्टोर से एक एंटीबायोटिक औषधि और कुणाल मेडिकल स्टोर से एक एंटीबायोटिक औषधि का नमूना जांच के लिए संग्रहित किया गया।

नोएडा में लाखों की ज्वैलरी व नकदी चोरी

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के सेक्टर.41 में चोरों ने एक मकान से लाखों रुपए के जेवरात व नगदी चोरी कर ली। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। सेक्टर.41 में रहने वाले रोहित दीवान ने बताया कि बीते 29 जनवरी को उनके भाई पंकज दीवान गोवा गए हुए थे। घर पर उनके बुजुर्ग पिता कृष्ण कुमार धीमान अकेले थे। शाम के समय कुछ अज्ञात चोर उनके घर में घुस गए और घर से लाखों रुपए की जेवरात तथा नकदी चोरी कर ले गए। चोरी की जानकारी मिलने पर उनके पिता ने उन्हें इस बारे में सूचना दी। चोर घर में रखे लाखों रुपए के जेवरात नकदी व अन्य सामान को चोरी कर ले गए हैं।

महिला ने घर में लगाई फांसी

नोएडा। थाना ईकोटेक.3 क्षेत्र के जलपुरा गांव में एक महिला ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने दरवाजा तोड़कर महिला के शव को फांसी के फंदे से उतरा और पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।थाना प्रभारी सरिता सिंह ने बताया कि सोमवार को सूचना मिली कि जलपुरा गांव में सोनी चौधरी कमरे का दरवाजा नहीं खोल रही है। पुलिस ने दरवाजा तोड़ा तो तो सोनी चौधरी फांसी के फंदे पर लटकी हुई थी।

कार में मिला दंपति का शव, पत्नी को गोली मारकर की आत्महत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस के मंगलवार तड़के पता चला कि मधुबन बापूधाम थाना के कमला नेहरूनगर कॉलोनी के पास एम्स नशामुक्ति केंद्र के पास एक महिला व पुरूष की हत्या कर दी गई है।

सुबह सवा सात बजे मिली उक्त सनसनीखेज सूचना के मिलते ही मौके पर एडिशनल सीपी दिनेश कुमार पीए डीसीपी सिटी जोन कुंवर ज्ञान्नजय सिंहए एसीपी कविनगर अभिषेक श्रीवास्तव व मधुबन बापूधाम थाने के एसओ अंकित तरार फोरेंसिक ओम के साथ घटनास्थल पर पहुंच गये। प्राथमिक जांच के बाद मृतक दंपत्ति की शिनाख्त विनोद चौधरी पुत्र उदयवीर सिंह व उसकी पत्नी दीपक चौधरी उर्फ दीपिका निवासी लिब्बाहेड़ी रूडकी हाल एच ब्लॉक महेंद्रा एंक्लेव के रूप में हुई। मौके से मृतक की एस क्रॉस कार, तमंचा, कारतूस व अन्य सामान बरामद हुए। यह जानकारी देते हुए डीसीपी सिटी जोन कुंवर ज्ञान्नजय सिंह ने बताया कि प्राथमिक जांच के दौरान जो बात सामने आई है उससे पता चला है कि मृतक विनोद चौधरी कुछ माह पहले तक किसी एमएनसी में जॉब करता था। वह कई माह से न केवल बेरोजगार चल रहा था बल्कि बीमारी की वजह से तनावग्रसत भी चल रहा था। डिप्रेशन में वह कहा करता था कि बीमारी से तड़फने से अच्छा तो यह है कि वह आत्महत्या कर ले। विनोद यह भी कहता था कि वह पत्नी दीपक चौधरी उर्फ दीपिका को भी मार देगा।

लिव इन पार्टनर की गला घोटकर हत्या करने के बाद शव ग्रेटर नोएडा में फेंका

नोएडा। गाजियाबाद में लिव इन रिलेशनशिप में रह रही एक महिला की गला घोटकर हत्या करने का सनसनीखेज मामला प्रकाश में आया है। मामूली विवाद में महिला के प्रेमी ने ही उसे गला घोट कर मौत के घाट उतार दिया। हत्या करने के बाद शव को ठिकाने लगाने के उद्देश्य से ग्रेटर नोएडा के थाना बादलपुर क्षेत्र में फेंक दिया। हत्यारे प्रेमी की निशानदेही पर पुलिस ने शव को बरामद कर लिया है। गाजियाबाद के थाना सिंहानी गेट में धौलाना हापुड़ निवासी 37 वर्षीय सत्ता उर्फसंजना पुत्री रामकृष्ण सिंह की संदिग्ध परिस्थितियों में लापता होने की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। प्रारंभिक जांच में गाजियाबाद की पुलिस को पता लगा कि संजना का अपने पहले पति से विवाद चल रहा था और वह उसे छोड़कर दादरी के लुहारली गांव निवासी अरुण के साथ लिव इन रिलेशनशिप में रह रही। दोनों गाजियाबाद के मिसलगढ़ी गांव में पति-पत्नी के रूप में किराये पर रह रहे थे।

डीएम आरके सिंह ने जनता के लिए खोला कार्यालय का गेट

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

डीएम आरके सिंह

चुनाव आयोग के निर्देश पर देर शाम उत्तर प्रदेश के कई आईएएस अधिकारियों के तबादले किए हैं। इसमें गाजियाबाद में तैनात डीएम आरके सिंह को कानपुर नगर का डीएम बनाया गया है।

डीएम आरके सिंह ने पांच जून 2021 को गाजियाबाद में जिलाधिकारी के रूप में पदभार ग्रहण किया था और करीब पिछले ड़ेढ साल से वह जीडीए वीसी का भी अतिरिक्त चार्ज संभाल रहे हैं। उनके कार्यकाल में जिले ने प्रदेश ही नहीं देश में भी कई बड़ी उपलब्धियों को छुआ है। वह एक ऐसे आईएएस अधिकारी रहे हैं जो सीधे जनता से संवाद करते थे। अपने कार्यालय में बैठने के दौरान कभी उनके दरवाजे बंद नहीं होते थे। आम जन सीधे अपनी फरियाद लेकर उनके पास पहुंचते थे। उन शिकायतों को सिर्फसुनने ही नहीं बल्कि उसका निस्तारण हुआ या नहीं इसकी मॉनीटिरिंग भी खुद डीएम आरके सिंह करते थे। कई बार तो खुद उन्होंने अपनी पॉकेट से लोगों को मौके पर इलाज, आने.जाने का खर्च दिया। कई छात्रों की साल भर की फीस भी उन्होंने अपने वेतन से दी। यही वजह रही कि उनके पास मिलने वालों का हमेशा तांता लगा रहता था। यहां तक की कर्मचारियों पर भी बेहद कम मौके पर गुस्सा जाहिर करते थे। उनके कार्यकाल में देश की सबसे तेज रेपिडएक्स ट्रेन का शुभारंभ पीएम मोदी द्वारा किया गया तो वहीं जिले के विकास के लिए एक लाख करोड का निवेश कराते हुए जिले स्तर पर ग्लोबल समिट का सफलतापूर्वक आयोजन भी कराया जिसमें उद्यमियों ने बडे पैमाने पर निवेश के लिए एमओयू साइन कराएं।

गाजियाबाद से है इंद्र विक्रम सिंह का पुराना नाता

डीएम इंद्र विक्रम सिंह

गाजियाबाद के नए जिलाधिकारी आईएएस इंद्र विक्रम सिंह को बनाया गया है। वर्ष 2010 बैच के आईएएस अधिकारी इंद्र विक्रम सिंह वर्तमान में अलीगढ़ में डीएम पद पर तैनात हैं। वहीं इंद्र विक्रम सिंह का गाजियाबाद से पुराना रिश्ता है। वो यहां वर्ष 2012 में एडीएम सिटी के पद पर भी तैनात रह चुके हैं। बुधवार को जिले का चार्ज लिए जाने की सम्भावना है। इंद्र विक्रम सिंह की छवि ईमानदार, कार्य के प्रति सख्त और व्यावहारिक व्यक्ति के रूप में जानी जाती है। इतना ही वह सोशल मीडिया पर भी खासे एक्टिव रहते हैं और आम जन से भी संवाद बनाए रखते हैं।

यमुना प्राधिकरण ने खरीदारों को दी राहत

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण से संबंद्ध बॉयर्स को बड़ी राहत प्रदान की है। यमुना प्राधिकरण के इस फैसले से करीब 15 हजार बॉयर्स को इसका लाभ मिल सकेगा। इसके अलावा यीडा ने किसानों के हक में भी निर्णय लिया है।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक सोमवार को थी। बोर्ड के चेयरमैन अनिल सागर की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में यमुना प्राधिकरण ने अमिताभ कांत कमेटी की सिफारिशों को स्वीकार कर लिया है। जिसके बाद बॉयर्स और बिल्डरों की समस्याओं का समाधान निकाला जाएगा। अमिताभ कांत की सिफारिश स्वीकार होने के बाद यमुना प्राधिकरण से जुड़े 14 हजार घर खरीददारों को लाभ मिल सकेगा। यमुना प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में लिए गए फैसलों के अनुसार, यीडा ने एसडीएस बिल्डर परियोजना में भूखंड खरीदारों को निर्माण कार्य के लिए निः शुल्क 31 दिसंबर 2024 तक का समय विस्तार दिया है। इसकी भरपाई बिल्डर से की जाएगी। श्मशान या अन्य कारणों से प्राधिकरण की बीएचएस योजना के 268 आवंटियों ने फ्लैट सरेंडर करने का अनुरोध किया था।

बीएचएस योजना की नीति में हुआ बदलाव

यमुना प्राधिकरण ने बीएचएस योजना की नीति में बदलाव किया है। बीमार और बुजुर्गों की समस्या को ध्यान में रखते हुए उन्हें बीएचएस योजना में यूनिट का तल, लोकेशन चुनने का मौका मिलेगा। आवेदन के समय ही इसका विकल्प देना होगा। एक से अधिक आवेदक होने पर लाटरी से फैसला होगा। यह नियम पहले आओ पहले पाओ योजना के लिए लागू होगा। जिन बुजुर्गों, बीमार, दिव्यांग को पूर्व योजना में ऊपरी तल के फ्लैट आवंटित हो चुके हैं। उन्हें निचले तल पर फ्लैट उपलब्ध होने पर बदलाव का मौका दिया जाएगा। यह लाभ केवल उन आवंटियों को ही मिलेगा, जिन्होंने अभी रजिस्ट्री नहीं कराई है। जिन आवंटियों को चेक लिस्ट जारी होने के बावजूद लीज डीड नहीं कराई है या कब्जा मिलने के बावजूद निर्माण कार्य नहीं कराया है। ऐसे आवंटियों को जून तक लीज डीड कराने या निर्माण कार्य करने पर कोई विलंब शुल्क नहीं लिया जाएगा। करीब 42 हजार आवंटियों को फायदा मिलेगा।

सार्वजनिक सूचना

जन साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सुधा विज, उक्त संपचि Shop on the Ground Floor "upto ceiling level", Property bearing part of said Municipal No. 1404 to 1406, bearing Shop Pvt. No. 11, Area Measuring 7.24 Sq. Mtrs., situated at Ward No. XIV, Pan Mandi, Kesar Market, Sadar Bazar, Delhi -110006, की बिक्री विलेख दिनांक 10.07.2023 पंजीकृत द्वारा प्रपत्र संख्या 7974 के द्वारा मालिक हैं! उपरोक्त संपचि मेरे मुवक्किल यानि मेसर्स सूर्योदय स्माल फाइनेंस बैंक द्वारा वित्तपोषित व बंधक प्रस्तावित है और स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा कुमारी वधवा के विधिक उत्तराधिकारी श्री मुकेश वधवा, श्री वीरेंदर वधवा व श्री जितेंदर वधवा और स्वर्गीय श्री चुन्नी लाल वधवा के विधिक उत्तराधिकारी श्री राज कुमार वधवा, श्री बलदेव राज वधवा, श्रीमती शुशील भुटानी व श्रीमती सुदेश बजाज और स्वर्गीय श्रीमती सुदेश बजाज के विधिक उत्तराधिकारी श्री पंकज बजाज, श्रीमती दीपिका मलिक को कोई आपत्ति नहीं है अगर श्रीमती सुधा विज उपरोक्त संपत्ति को बंधक करें !यदि किसी व्यक्ति (ओं) को इस संपत्ति में कोई आपत्ति या दवा हैं, तो हमे इस नोटिस की तारीख से 7 दिनों के भीतर निम्न पतेपर संपर्क करें ! अगर कोई दावा नहीं आया तो यह माना जाएगा की किसी का कोई दावा या हक इस प्रॉपर्टी में नहीं है।

राघव तिवारी, अधिवक्ता
830, पटियाला हाउस कोर्ट, नई दिल्ली 110001
Mob.:+91-8076188328

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को एतदद्वारा सूचित किया जाता है कि **श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री नंद किशोर** ने गांव सिकदरपुर, गली नबर 3 के आबादी में, पूर्वी रोहतास नगर, शाहदरा, दिल्ली में स्थित संपत्ति सं. 1/6272(हिस्सा) पर निर्मित, भूमि परिमाप 22.1/2 वर्ग गज, पुरानी संपत्ति सं. 1323/1-ए/2, खसरा नंबर 336 में से, **श्रीमती सरला कोशर पत्नी श्री के.के कोचर** के द्वारा **निष्पादित** जनरल पावर ऑफ अटॉर्नी दिनांक 30.07.1996 के माध्यम से मालिक है, सभी व्यक्तियों को एतदद्वारा सूचित किया जाता हैं कि **श्रीमती काजल और श्री करण** ने उक्त संपत्ति को एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड (पूर्व में फुलर्टन इंडिया क्रेडिट कंपनी लिमिटेड) के पास गिरवी रख दिया है। यदि किसी व्यक्ति के पास उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी भी प्रकार का विवाद है, तो कृपया अधोहस्ताक्षरी को नीचे दिए गए पते पर लिखित रुप में वर्तमान से 07 दिनों के भीतर सूचित करें। **दीपांशु शर्मा, अधिवक्ता**
एसजी एसोसिएट्स (लॉ फर्म)
एफएफ18, लोटस प्लाजा वैभव खंड, इंदिरापुरम, गाजियाबाद यूपी.
ईमेल:sgassociatespl@gmail.com,फोन:7011172764, 8130200837

ओके प्ले इंडिया लिमिटेड

सीआईएन : एल28219एचआर1988पीएलसी030347
पंजी. कार्यालय : 17-18, रोज-का-मेयो इंडस्ट्रियल एस्टेट, तहसील नूह, जिला मेवात, हरियाणा-122103
फोन : 011 4619 0000, फैक्स : 011 4619 0090
वेबसाइट : www.okplay.co.in ई-मेल : info@okplay.in

अ-साधारण सामान्य बैठक की सूचना

एतद्द्वारा सूचना दी जाती है कि ओके प्ले इंडिया लिमिटेड के सदस्यों की अ-साधारण सामान्य बैठक (ईजीएम) शुक्रवार, 23 फरवरी, 2024 को पूर्वा. 10.30 बजे, वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("ओएवीएम") के माध्यम से, ईजीएम की सूचना में सूचीबद्ध विशेष व्यवसाय के निष्पादन हेतु आयोजित की जाएगी। प्लॉट नंबर 17-18, रोज-का-मेयो इंडस्ट्रियल एस्टेट, तहसील नूह, जिला मेवात, हरियाणा-122103 स्थित कम्पनी का पंजीकृत कार्यालय उक्त बैठक का स्थान माना जाएगा।

ईजीएम का आयोजन कम्पनी अधिनियम, 2013 के सभी लागू प्रावधानों एवं तदधीन विरचित नियमों, के साथ पठित कार्पोरेट मंत्रालय ("एमसीए") द्वारा जारी जनरल सर्कुलर नंबर 14/2020 दिनांकित 08 अप्रैल, 2020, जनरल सर्कुलर नंबर 17/2020 दिनांकित 13 अप्रैल, 2020, जनरल सर्कुलर नंबर 22/2020 दिनांकित 15 जून, 2020, जनरल सर्कुलर नंबर 33/2020 दिनांकित 28 सितम्बर, 2020, जनरल सर्कुलर नंबर 39/2020 दिनांकित 31 दिसम्बर, 2020, जनरल सर्कुलर नंबर 10/2021 दिनांकित 23 जून, 2021, जनरल सर्कुलर नंबर 20/2021 दिनांकित 8 दिसम्बर, 2021, जनरल सर्कुलर नंबर 03/2022 दिनांकित 05 मई, 2022 तथा जनरल सर्कुलर नंबर 10/2022 दिनांकित 28 दिसम्बर, 2022 (सामूहिक रूप से "जनरल सर्कुलर्स") के अनुपालन में किया जा रहा है और भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने इसके सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी1/सीआईआर/पी/2020/79 दिनांकित 12 मई, 2020, सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी2/सीआईआर/पी/2021/11 दिनांकित 15 जनवरी, 2021, सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/सीएमडी2/सीआईआर/पी/2022/62 दिनांकित 13 मई, 2022 और सर्कुलर नंबर सेबी/एचओ/सीएफडी/पीओडी-2/सीआईआर/2023/6 दिनांकित 5 जनवरी, 2023 सामूहिक रूप से "सेबी सर्कुलर्स") के माध्यम से ईजीएम का आयोजन उसके स्थान पर सदस्यों की भौतिक उपस्थिति के बिना, वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग ("वीसी")/अन्य ऑडियो विजुअल मीन्स ("ओएवीएम") के माध्यम से करने की अनुमति दी है।

सदस्यगण आगे नोट करें कि उपरिवर्णित सर्कुलर्स के अनुसरण में, सदस्यगण केवल वीसी/ओएवीएम के माध्यम से ही ईजीएम में उपस्थित हो सकते हैं और भाग ले सकते हैं। ईजीएम से जुड़ने हेतु विस्तृत अनुदेश ईजीएम की सूचना में दिए गए हैं। कम्पनी ईजीएम के आयोजन की सूचना मंगलवार, 30 जनवरी, 2024 को इलेक्ट्रॉनिक विधि से प्रेषित कर चुकी है, जिनका ई-मेल पता कार्पोरेट मंत्रालय द्वारा जारी सर्कुलर के अनुसार, कम्पनी तथा/अथवा डिपॉजिटरी प्रतिभागियों के साथ पंजीकृत है। सेबी सर्कुलर्स के अनुसार, ईजीएम की कोई भौतिक प्रति किसी भी सदस्य को नहीं भेजी जाएगी। जिन सदस्यों ने अपना ई-मेल पता पंजीकृत नहीं करवाया है, उनसे अनुरोध है कि वे ईजीएम की सूचना और ई-वोटिंग के लिए यूजर आईडी और पासवर्ड इलेक्ट्रॉनिक विधि से प्राप्त करने के लिए अपना ई-मेल पता पंजीकरण के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाएं :

भौतिक धारण	कृपया आईएसआर-1, एसएच-13 तथा आईएसआर-2 (यदि हस्ताक्षर कम्पनी के रेकार्ड के अनुरूप नहीं हैं) एमएएस सर्विसेज लिमिटेड, टी-34, द्वितीय तल, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज-II, नई दिल्ली-110020 को भेजें।
डीमैट धारण	कृपया अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपैंट (डीपी) के साथ सम्पर्क करें और डीपी द्वारा सुझाई प्रक्रिया के अनुसार अपना ई-मेल पता पंजीकृत करवाएं। कृपया एनएसीएच द्वारा लाभांश का भुगतान, यदि कम्पनी द्वारा घोषित किया जाता है, प्राप्त करने के लिए अपना बैंक विवरण भी अद्यतन करवाएं।

सदस्यगण नोट करें कि ईजीएम की सूचना कम्पनी की वेबसाइट www.okplay.co.in पर, स्टॉक एक्सचेंज, जहां कम्पनी के शेयर सूचीबद्ध हैं, नामतः बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर उपलब्ध है तथा नैशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com पर भी यथासमय उपलब्ध होगी। उपरोक्त सूचना एमसीए तथा सेबी द्वारा समय समय पर जारी सर्कुलर्स के अनुसरण में कम्पनी के सभी सदस्यों की जानकारी और उनके हितार्थ जारी की जा रही है।

अधिनियम की धारा 108 के प्रावधानों और कम्पनी (प्रबंधन और प्रशासन) नियमावली, 2014, यथा संशोधित, के नियम 20 तथा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सूचीयन दायित्व और प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 44 और सामान्य बैठक पर सचिवीय मानक (एसएस-2) के अनुपालन में सदस्यों को ईजीएम की सूचना में सूचीबद्ध सभी प्रस्तावों पर उनका वोट एनएसडीएल द्वारा उपलब्ध कराई गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग सिस्टम (ई-वोटिंग) के माध्यम से डालने की सुविधा प्रदान की जाएगी। सदस्यों के वोटिंग अधिकार उनके द्वारा शुक्रवार, 16 फरवरी, 2024 ("कट-ऑफ तिथि") को कम्पनी की चुकता इक्विटी शेयर पूंजी में धारित इक्विटी शेयरों के अनुपात में होंगे।

रिमोट ई-वोटिंग सुविधा निम्नलिखित अवधि के दौरान उपलब्ध होगी :

रिमोट ई-वोटिंग अवधि का आरंभन	मंगलवार, 20 फरवरी, 2024 (पूर्वा. 9.00 बजे) (आईएसटी)
रिमोट ई-वोटिंग अवधि की समाप्ति	बृहस्पतिवार, 22 फरवरी, 2024 (अप. 5.00 बजे) (आईएसटी)

इस अवधि के दौरान, सदस्यगण अपना वोट इलेक्ट्रॉनिक विधि से डाल सकते हैं। तदुपरांत एनएसडीएल द्वारा रिमोट ई-वोटिंग मॉड्यूल वोटिंग के लिए निष्क्रिय कर दिया जाएगा। वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से ईजीम में उपस्थित जिन सदस्यों ने रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से प्रस्तावों पर अपना वोट नहीं डाला है और ऐसा करने हेतु प्रतिबंधित नहीं हैं, वे ईजीम के दौरान ई-वोटिंग सिस्टम के माध्यम से अपना वोट डालने हेतु ग्राह्य होंगे।

जो सदस्य ईजीम से पहले अपना वोट रिमोट ई-वोटिंग के माध्यम से डाल चुके हैं, वे भी वीसी/ओएवीएम सुविधा के माध्यम से ईजीम में उपस्थित हो सकते हैं/भाग ले सकते हैं, परंतु उनको दोबारा वोट डालने का अधिकार नहीं होगा।

कोई व्यक्ति, जो कम्पनी द्वारा इलेक्ट्रॉनिक विधि से ईजीएम की सूचना प्रेषण के बाद कम्पनी के शेयर अर्जित करता है तथा कम्पनी का सदस्य बनता है और विच्छेदन तिथि (कट-ऑफ तिथि) को शेयर धारक है, वह evoting@nsdl.co.in पर हेल्पडेस्क को अनुरोध भेजकर लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड प्राप्त कर सकता है। तथापि, यदि कोई व्यक्ति रिमोट ई-वोटिंग के लिए एनएसडीएल में पहले से पंजीकृत है, तब मौजूदा लॉगइन आईडी तथा पासवर्ड का इस्तेमाल वोट डालने के लिए किया जा सकता है।

ई-वोटिंग के संबंध में किसी पूछताछ की स्थिति में, सदस्यगण www.evotingnsdl.com के हेल्प सेक्शन के अंतर्गत सदस्यों के लिए बहुधा पूछे जाने वाले प्रश्न (एफएक्यू'ज) और सदस्यों के लिए ई-वोटिंग यूजर मैनुअल देखें अथवा टोलफ्री नंबर : 1800 1020 990/1800 224 430 पर कॉल करें। ई-वोटिंग के संबंध में किसी शिकायत के लिए, कृपया नामित ई-मेल आईडी evoting@nsdl.co.in पर सम्पर्क करें। श्री पुनीत कुमार पांडे, कार्यरत कम्पनी सेक्रेटरी को ईजीम के पहले रिमोट ई-वोटिंग/ईजीम के दौरान ई-वोटिंग प्रक्रिया के निष्पक्ष और पारदर्शी संचालन के लिए संवीक्षक नियुक्त किया गया है।

ईजीएम का विस्तृत विवरण कम्पनी की वेबसाइट www.okplay.co.in, एनएसडीएल की वेबसाइट www.evoting.nsdl.com तथा बीएसई लिमिटेड की वेबसाइट www.bseindia.com पर उपलब्ध है।

वास्ते ओके प्ले इंडिया लिमिटेड
हस्ता./-
स्थान : नई दिल्ली — मीनू गोस्वामी
तिथि : 30-01-2024 — कम्पनी सेक्रेटरी एवं अनुपालन अधिकारी

PUBLIC NOTICE

Be it known to all that my clients Sh. Pancham Singh S/o Late Sh. Gyan Singh And Smt. Kusuma Devi W/o Sh. Pancham Singh, Both R/o H-11, Gali No. 4, Surya Vihar, East Sadatpur, Musalmanan, North East, Delhi 110094 Have Disowned Their Son Namely Vinay Singh S/o Pancham Singh, R/o H- 11, Gali No. 4, Surya Vihar, East Sadatpur, Musalmanan, North East, Delhi 110094, Along With His Wife Namely Tina, from their all moveable and immovable properties, as they have become disobedient and further broken/severed all kinds of relationship with them because they have threatened to implicate my clients along with family members in false cases. Anybody dealing with them shall do the same at his own risk, cost and consequences and my clients and other family members shall not be responsible for any act and deed of them whether made at any point in time.

JYOTI GUPTA, (ADVOCATE) CH. NO. 555-556, WESTERN WING, TIS HAZARI COURTS, DELHI-110054

सार्वजनिक सूचना

सर्व साधारण को यह सूचित किया जाता है की मेरे मुवकिल्ल श्री वेद परकाश पुत्र स्वर्गीय रवि दत्त शर्मा व् उनकी पत्नी स्श्रीमती बीरमती देवी पता 1315/10 गोविन्द पूरी, नई दिल्ली, यह की उनका पुत्र परवेश ने संजना शाह के साथ लव मैरिज 9 साल पहले शादी की थी जिससे उनकी एक पुत्री सुहाना है जो वह दोनों मेरे मुवकिल से पिछले 3 साल से अलग पता 131 B दूसरी मंजिल गली नंबर 2 में रह रहे हैं
यह की वह दोनों परवेश व् संजना शाह मेरे मुवकिल की मान मर्यादा की इज्जत का खयाल नहीं रखते है व् अपनी मन मर्जी से चलती है व् बदचलनी पर उतर आते हैं व् दोनों मेरे मुवकिल को धमकी देती है की तुम्हे मुकदमे में फसा देंगे इसलिए मेरे मुव्किल परवेश व् संजना की आदतों से तंग आकर अपनी चल व अचल सम्पति से बेदखल करते है व् उनसे अपने सारे सम्बन्ध तोडते है. अगर उनसे से कोई लेनदेन य संबंध रखता है तो मेरे मुव्किल की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदार नहीं होगी.
दिनेश कुमार चावला अधिवक्ता, Ch. No. 123/124, TIS HAZARI COURTS, DELHI-110054

Public Notice

This is to inform the general public that **Mr. Ayush Mago** is the allotee of the Independent Floor No. B-5/30, having Carpet area of 80.082 Sq. Mtrs, on First Floor, along with a Parking Space No. B-5/30 A/SFP1, at DLF Garden City Enclave, Phase-02, Sector-93, Gurugram, Haryana.Agreement for Saledated 23.10.2023, wasexecuted by DLF Limited "Promoter and Sagardutt Builders and developers Pvt Limited and Other"Owners" in favour of Ayush Mago in respect of said property. Above said Ayush Mago has misplaced the Original Allotment Letter and payment receipts issued by DLF Limited in favour ofMr. Ayush Mago. Anyone who finds the above-mentioned documents, kindly handover the same to the Manager of **Kotak Mahindra Bank Limited, Gurgaon Branch. Mr. Ayush Mago** iscurrently in the process of mortgaging the aforementioned floor with **Kotak MahindraBankLimited**. Any objections or concerns regarding this transaction should be raised within a period of 15 days from the date of this public notice. Any objections submitted after the completion of this 15-day period will not be considered binding with respect to the said property or the interests of our client.
If anyone wishes to raise an objection, please do so within the stipulated 15-day period by contacting **Law Veritas:North (Advocates & Legal Consultants)at Office No. 11, 1st Floor, Building No. A-44/A, Sector-16, Noida, Uttar Pradesh-201301; Landline(s):+910120-3101683 / 4562809; e-mail: accounts@lvnorth.in**

डेल्टन केबल्स लिमिटेड

पंजी. कार्यालय : डेल्टन हाउस, 4801, भरत राम रोड, 24, दरियागंज, नई दिल्ली-1110002
वेबसाइट : www.deltoncables.com, ई-मेल : cs@deltoncables.com, सीआईएन : एल31300डीएल1964पीएलसी004255
31 दिसम्बर, 2023 को समाप्त तिमाही/नौ माह हेतु अलेखापरीक्षित वित्तीय परिणामों का विवरण
रू. लाख में

क्र. सं.	विवरण	तिमाही समाप्त 31-12-2023	नौ माह समाप्त 31 12 2023	तिमाही समाप्त 31-12-2022
		अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षित	अलेखापरीक्षि
1	परिचालन से कुल आय (शुद्ध)	10,967.46	26,907.65	6,768.83
2	अवधि हेतु शुद्ध लाभ (कर, अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों से पूर्व)	342.56	828.30	191.86
3	अवधि हेतु शुद्ध लाभ, कर से पहले, (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	458.50	944.09	191.86
4	अवधि हेतु शुद्ध लाभ, कर पश्चात, (अपवाद तथा/अथवा असाधारण मदों के बाद)	373.89	834.49	157.34
5	अवधि हेतु कुल समावेशी आय [जिसमें अवधि हेतु लाभ/(हानि) (कर पश्चात) तथा अन्य समावेशी आय (कर पश्चात) सम्मिलित हैं]	371.87	837.47	153.79
6	इक्विटी शेयर पूंजी (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रत्येक)	864.00	864.00	864.00
7	प्रति शेयर अर्जन (असाधारण मदों से पूर्व) (अंकित मूल्य रू. 10/- प्रत्येक)			
	(क) मूल (रू.)	4.33	9.66	1.82
	(ख) तनुकृत (रू.)	4.33	9.66	1.82

नोट्स :
(1) उपरोक्त विवरण सेबी (सूचीयन दायित्व और अन्य प्रकटीकरण अपेक्षाएं) विनियमावली, 2015 के विनियम 33 के तहत स्टॉक एक्सचेंज में प्रस्तुत किए गए अलेखापरीक्षित तिमाही वित्तीय परिणामों के विस्तृत प्रारूप का संक्षिप्त विवरण है। तिमाही/नौ माह हेतु वित्तीय परिणामों का पूर्ण प्रारूप स्टॉक एक्सचेंज की वेबसाइट (www.bseindia.com) तथा कम्पनी की वेबसाइट : (www.deltoncables.com) पर उपलब्ध है।
(2) उपरोक्त परिणाम कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 133 के तहत विनिर्दिष्ट अनुसार कम्पनीज (भारतीय लेखांकन मानक) नियमावली, 2015 के तहत अधिसूचित भारतीय लेखांकन मानक (आईएनडी एएस) के सिद्धांतों और प्रक्रियाओं के अनुसार तैयार किए गए हैं।
(3) उपरोक्त परिणाम लेखापरीक्षा समिति द्वारा पुनरीक्षित और तदुपरांत निदेशक मंडल द्वारा 30 जनवरी, 2024 को आयोजित उनकी बैठक में अनुमोदित किए गए हैं।

कृते एवं हिते निदेशक मंडल
हस्ता/-
विवेक गुप्ता
(प्रबंध निदेशक)
स्थान : फरीदाबाद
तिथि : 30-01-2024 — डीआईएन : 00035916

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 31 जनवरी, 2024

अनियमित जमा योजना की सुनवाई के लिए नामित कोर्ट

सीएम केजरीवाल ने हर जिले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की दो नामित अदालत के गठन के प्रस्ताव को दी मंजूरी

राजधानी में मंगलवार को प्रेसवार्ता को संबोधित करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल।

● प्रस्ताव को मंजूरी संसद द्वारा पारित अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम, 2019 की धारा 8 के तहत उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति पर दी गई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने हर जिले में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की दो नामित कोर्ट के गठन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है, ताकि अनियमित जमा योजना के मामलों का निपटान जल्द से जल्द किया जा सके। प्रस्ताव को मंजूरी संसद द्वारा पारित अनियमित जमा योजना प्रतिबंध अधिनियम (अनरेगुलेटेड डिपॉजिट स्कीम), 2019 की धारा 8 के तहत उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की सहमति पर दी गई है। अब मुख्यमंत्री ने इस प्रस्ताव की अधिसूचना जारी करने के लिए उपराज्यपाल को भेज दिया है।

अनियमित जमा योजना निषेध अधिनियम, 2019 अनियमित जमा योजनाओं (व्यवसाय के सामान्य पाठ्यक्रम में लिए गए जमाओं के अलावा) पर प्रतिबंध लगाने और जमाकर्ताओं के हितों की रक्षा करने और उससे जुड़े या उसके आनुषंगिक मामलों के लिए व्यापक तंत्र प्रदान करने के लिए एक अधिनियम है।

जमाकर्ताओं के हितों की करता है रक्षा : अधिनियम के अनुसार, 'जमा' का मतलब किसी जमाकर्ता द्वारा एडवांस, लोन या किसी अन्य रूप में प्राप्त धन राशि से है, चाहे उसका प्रतिफल लौटाने का वादा किसी निश्चित अवधि के बाद या नकद या वस्तु के रूप में या निर्दिष्ट सेवा के रूप में ब्याज, बोनस, लाभ या किसी अन्य रूप में किसी लाभ के साथ या उसके बिना हो।

इस तरह के जमा में बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 5 में परिभाषित किसी बैंक या सहकारी बैंक या किसी अन्य बैंकिंग कंपनी से लोन के रूप में प्राप्त राशि, सार्वजनिक वित्तीय संस्थानों या भारतीय रिजर्व बैंक या किसी क्षेत्रीय वित्तीय संस्थानों या बीमा कंपनियों के साथ पंजीकृत किसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी से ऋण या वित्तीय सहायता के रूप में प्राप्त राशि, किसी व्यक्ति द्वारा अपने रिश्तेदारों से लोन के रूप में प्राप्त राशि या किसी फर्म द्वारा अपने किसी साझेदार के रिश्तेदारों से लोन के रूप में प्राप्त राशि या किसी संपत्ति की बिक्री पर विक्रेता से खरीदार द्वारा क्रेडिट के रूप में प्राप्त राशि आदि शामिल नहीं है। अधिनियम के शुरू की तारीख से कोई भी जमाकर्ता प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से किसी अनियमित जमा योजना के परिप्रेक्ष्य में भागीदारी या नामांकन के लिए विज्ञापन जारी करना, संचालन करना, प्रचार करना या जमा स्वीकार नहीं करेगा।

अधिनियम के अनुसार, निर्दिष्ट न्यायालय के अलावा किसी अन्य न्यायालय का क्षेत्राधिकार नहीं होगा। इसके साथ ही इसके तहत किसी अपराध पर विचार करते समय या न्यायालय किसी अन्य अपराध पर भी विचार कर सकता है, जिसके साथ आरोपी उसी ट्रायल में आरोपित हो।

जल्द मिलेगा पांचवां ओल्ड एज होम

● पश्चिम विहार में सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा आवास

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

बेसहरा बुजुर्गों को जल्द ही विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस पांचवां ओल्ड एज होम जल्द मिलेगा। पश्चिम विहार में सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस इस ओल्ड एज होम का निर्माण कार्य लगभग पूरा कर लिया है। साबित्री बाई फूले सीनियर सिटीजन होम नामक इस ओल्ड एज होम को जल्द ही बेसहारा बुजुर्गों को लिए खोल दिया जाएगा। इस होम का औपचारिक रूप से संचालन के लिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने अपनी मंजूरी दे दी है और फाइल को एलजी के पास मंजूरी के लिए भेज दिया है। राजधानी दिल्ली में अभी चार ओल्ड एज होम संचालित हो रहे हैं, जहां 505 बेसहारा बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था है।

दिल्ली सरकार के समाज कल्याण विभाग द्वारा पश्चिम विहार में जल्द तैयार हो रहे होम में रहने वाले बेसहारा बुजुर्गों के लिए सभी आधुनिक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। समाज कल्याण मंत्री द्वारा इस ओल्ड एज होम का नाम साबित्री बाई फूले सीनियर सिटीजन होम दिया गया है। यहां वरिष्ठ नागरिकों की सुविधाओं का विशेष ध्यान रखा गया है। इस होम में रहने वाले बुजुर्गों को निःशुल्क आवास, भोजन, कपड़े, बिस्तर की सुविधाएं दी जाएंगी। साथ ही मनोरंजन के लिए टीवी, रेडियो और किताबें भी उपलब्ध कराई जाएंगी। होम में एक मनोरंज केंद्र होगा। इसके अलावा, बुजुर्गों के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखा जाएगा। उनकी देखभाल के लिए डॉक्टर और फिजियोथेरेपी समेत अन्य सुविधाएं भी मुहैया कराई जाएंगी। समाज कल्याण विभाग ने सावित्रीबाई फूल सीनियर सिटीजन होम का औपचारिक रूप से संचालन के लिए सीएम से अनुमति मांगी थी, जिसे उन्होंने स्वीकृति दे दी है।

समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित पहला ओल्ड एज होम साउथ पश्चिमी दिल्ली के बिंदापुर में 1974 में तैयार किया गया था, जहां 52 लोगों के रहने की क्षमता है। दूसरा ओल्ड एज होम उत्तरी दिल्ली के अशोक विहार में ज्योतिबा फूल ओल्ड एज होम 2019 में शुरू हुआ, जिसमें 36 लोगों के रहने की क्षमता है। तीसरा डॉ. बी.आर. अंबेडकर सीनियर सिटीजन होम पूर्वी दिल्ली के कांति नगर में संचालित हो रहा है, जहां 117 लोगों के रहने की व्यवस्था है। जबकि चौथा ओल्ड एज होम ताहिरपुर में है, जहां 300 बुजुर्गों के रहने के लिए विश्वस्तरीय सुविधाओं की व्यवस्था की गई है।

वृद्धाश्रम में मिलेगी यह सुविधाएं

वृद्धाश्रम में शौचालय और स्नान घर के साथ 50 हवादार कमरे हैं, मनोरंजन केंद्र, आधुनिक रसोई एवं भोजन एरिया, पार्किंग की सुविधा, सार्वजनिक घोषणा प्रणाली, निःशुल्क आवास भोजन, कपड़े और बिस्तर की सुविधा, केस वर्क और परामर्श सेवाएं, चिकित्सा देखभाल, फिजियोथेरेपी, भजन-कीर्तन कार्यक्रमों के साथ अन्य मनोरंजन सुविधाएं।

ओल्ड एज होम में रहने की पात्रता

ओल्ड एज होम में दिल्ली के गरीब, निराश्रित और वृद्ध लोग प्रवेश ले सकते हैं, जिन की आयु 60 वर्ष या उससे अधिक है। जिनके पास भरण-पोषण के लिए कोई साधन उपलब्ध नहीं है या देखभाल के लिए परिवार का कोई सदस्य नहीं है। इच्छुक व्यक्ति को कुछ दस्तावेजों व प्रमाणपत्रों के साथ समाज कल्याण विभाग मुख्यालय में सामाजिक सुरक्षा शाखा के उप निदेशक अथवा अधीक्षक को आवेदन करना होगा। आवेदन के साथ आयु प्रमाण पत्र, स्वास्थ्य प्रमाण-पत्र, दिल्ली में निवास का प्रमाण-पत्र या अधिवास प्रमाण पत्र की कॉपी संलग्न करनी होगी। आवेदन प्राप्त होने पर अधीक्षक एवं कल्याण अधिकारी तुरंत पात्रता के मूल्यांकन के लिए प्रक्रिया पूरी करेंगे, ताकि यह पता लगाया जा सके कि आवेदक पात्रता आवश्यकताओं को पूरा करता है या नहीं। सामाजिक जांच रिपोर्ट, कल्याण अधिकारी द्वारा क्षेत्र का दौरा करने के बाद तुरंत अधीक्षक को प्रस्तुत करेंगे। अधीक्षक अपनी टिप्पणियों व सिफारिशों के साथ जांच किए गए आवेदनों को प्रदेश और निर्वहन समिति, जिला समाज कल्याण अधिकारी और अधीक्षक के समक्ष निर्णय लिए रखेगा। इसके बाद आवेदकों को वरिष्ठ नागरिक निवास में रहने के लिए सूचित किया जाएगा।

जनगणना-2021 : प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को यथावत रखने की तारीख बढ़ी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● उपराजयपाल ने तिथि को 30 जून तक बढ़ाने पर लगाई मुहर

उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने जनगणना-2021 में देरी को देखते हुए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को यथावत रखने की तिथि 30 जून तक बढ़ाने को मंजूरी दे दी है। जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को यथावत रखने की तारीख 1 जनवरी से बढ़ाकर 30 जून करने के दिल्ली सरकार के राजस्व विभाग के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी गई है।

गृह मंत्रालय के रजिस्ट्रार जनरल इंडिया कार्यालय ने 6 सितंबर, 2019 को अपने पत्र के माध्यम से दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव से 31 दिसंबर 2019 से आगामी जनगणना-2021 के लिए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को यथावत रखने का आग्रह किया था। तदनुसार, एलजी ने इस संबंध में निर्देश दिए थे कि जनगणना के लिए प्रशासनिक इकाइयों की सीमाएं 31 दिसंबर, 2019 से यथावत रहेंगी। उपराज्यपाल कार्यालय के एक पत्र में कहा गया है, लेकिन कोविड-19 महामारी के कारण जनगणना-2021 में देरी हुई, जिसकी वजह से प्रशासनिक इकाइयों की सीमाओं को यथावत रखने की तारीख बढ़ा दी गई।

आप विधायकों के खरीद-फरोख्त मामले में भाजपा ने खोला मोर्चा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद अरविंद केजरीवाल ने भाजपा पर आरोप लगाया था कि भाजपा आम आदमी पार्टी के विधायकों को खरीदनेकी कोशिश की है। जिसके बाद विपक्ष ने केजरीवाल को चुनौती दी थी कि अगर उनके दावों में सच्चाई है तो वह पार्टी नेताओं के साथ पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा के सामने शिकायत दर्ज करवाएं और इसकी जांच की मांग करें। अब इस मामले में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की अगुवाई में भाजपा एक प्रतिनिधिमंडल पुलिस आयुक्त अरोड़ा से मुलाकात की और केजरीवाल द्वारा लगाये बेबुनियाद आरोप को लेकर शिकायत पत्र सौंपा।

पुलिस आयुक्त से मुलाकात के बाद वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि भाजपा नेताओं पर झूठे आरोप लगाना फिर चुप हो जाना या माफी मांग लेना केजरीवाल एवं उनके सहयोगियों की आदत है। इस बार उन्होंने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्णय लिया है। शिकायत पत्र में भाजपा ने सीएम के आरोपों की जांच व आरोप लगाने वाले आप नेताओं केजरीवाल, मंत्री आतिशी और विधायक दुर्गेश पाठक एवं दिलीप पांडे पर कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

संपत्ति विवाद में छह लोगों ने की युवक की बेरहमी से पिटाई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली के नरेला इलाके में संपत्ति विवाद को लेकर लोगों के एक समूह ने युवक को कथित तौर पर पीट दिया। इस घटना का एक कथित वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें छह लोग पीड़ित युवक को लाठियों से बेरहमी से पीटते नजर आ रहे हैं तथा महिला पीड़ित को बचाने की कोशिश कर रही है।

पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने कहा कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो में कुछ लोग नरेला बाजार इलाके में एक व्यक्ति को लाठियों से पीटते हुए दिखाई दे रहे हैं। यह घटना शुक्रवार की है। पीड़ित की पहचान होलंबी खुर्द गांव के निवासी दीपक के रूप में हुई है। उन्हें श्रद्धा अस्पताल में भर्ती कराया गया था और रविवार को अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद उन्होंने अपना बयान भी दर्ज कराया।

सिंह ने कहा, इस घटना में मामला दर्ज किया गया है। इसके बाद, प्राथमिकी में स्वेच्छा से गंभीर चोट पहुंचाने के लिए सजा भी जोड़ी गई। यह हमला दोनों पक्ष के बीच संपत्ति विवाद के कारण हुआ।

महात्मा गांधी के विचार आज भी हैं प्रासंगिक : गोयल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

महात्मा गांधी को पुष्पांजलि अर्पित करते विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल।

● विधानसभा परिसर में 76वीं पुण्यतिथि पर की पुष्पांजलि अर्पित

महात्मा गांधी की 76वीं पुण्यतिथि पर उन्हें याद कर पुष्पांजलि अर्पित की गई। विधानसभा परिसर में विधानसभा अध्यक्ष राम निवास गोयल ने उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी आज हमारे बीच में नहीं है लेकिन उनके विचार और उनकी सोच आज भी प्रासंगिक है। उन्होंने भारत की आजादी के लिए जो अहिंसा, सत्य और क्षमा का मार्ग अपनाया वह आज के समाज की जरूरत है। जहां समाज में हिंसा, तनाव, क्रोध, आक्रोश, वैमनस्य आदि बढ़ रहे हैं ऐसे समय में युवा पीढ़ी को महात्मा गांधी के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करना होगा।

गोयल ने कहा कि आज का दिन शहीदी दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। जिस बापू ने महात्मा बनने तक की प्रक्रिया को सहजता, सादगी और सरलता से अपनाया वह अनुकरणीय है। गांधी के विचार, जन सामान्य के प्रति उनकी सोच, हरिजनों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने का उनका सफल प्रयास, अपने दुश्मनों के प्रति भी क्षमा भाव रखना हमारे जीवन से लुप्तप्राय हो गए हैं। गांधी जीवनपर्यंत लोगों की सेवा में लगे रहें। साथ ही समाज में फैली कई कुप्रथाओं को भी समाप्त कराया।

संक्षिप्त समाचार

राजधानी में इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स के कार्यक्रम में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व अन्य सदस्य। कांफ्रेंस में अमेरिकी राजदूत एरिक गार्सेटी समेत कई गणमान्य लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के मजबूत संबंधों पर चर्चा की गई।

रामदेव की मोम की प्रतिमा का अनावरण

नई दिल्ली। योग गुरु रामदेव की आदमकद मोम की प्रतिमा का मंगलवार को दिल्ली में मैडम तुसाद न्यूयॉर्क में अनावरण किया गया। इस अवसर पर स्वामी रामदेव स्वयं भी मौजूद थे और उन्होंने कुछ योगाआसन भी किए। मर्लिन एंटरटेनमेंट्स ने कहा कि प्रशंसकों के लिए मोम की प्रतिमा उपलब्ध होगी। मोम की प्रतिमा का अनावरण दर्शकों के लिए एक उपहार और योगी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन है जो लाखों लोगों को प्रेरित कर रहे हैं। मैडम तुसाद न्यूयॉर्क के प्रवक्ता टियागो मोगोडोरो ने कहा कि स्वामी रामदेव की प्रतिमा आध्यात्मिक ज्ञान और स्वास्थ्य के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण का प्रतिनिधित्व करता है जिसके कारण दुनिया भर में उन्हें प्रशंसा और सम्मान मिलता है। वह योग और स्वास्थ्य चर्चा में उनके योगदान का सम्मान करते हुए बहुत गर्व महसूस करते हैं। (हम) यह आशा करते हुए कि उनकी उपस्थिति हमारे दर्शकों को आत्म-सुधार और समग्र स्वास्थ्य चर्चा को अपनाने के लिए प्रेरित करेगी।

शरजील इमाम की जमानत पर फैसला फरवरी में

नई दिल्ली। उच्च न्यायालय ने मंगलवार को एक निचली अदालत को राजद्रोह और गैरकानूनी गतिविधियों के आरोपों से जुड़े 2020 के सांप्रदायिक दंगों के मामले में जमानत की मांग करने वाले छात्र कार्यकर्ता शरजील इमाम की याचिका पर अगले महीने तक फैसला करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति सुरेश कुमार कैत और न्यायमूर्ति मनोज जैन की पीठ को इमाम के वकील ने सूचित किया कि उसकी याचिका निचली अदालत में फरवरी में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध है।

अमानतुल्ला ईडी के समन के खिलाफ पहुंचे कोर्ट

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के विधायक अमानतुल्ला खान ने धन शोधन मामले में दिन में उनकी उपस्थिति के लिए प्रवर्तन निदेशालय द्वारा उन्हें जारी किए गए समन के खिलाफ मंगलवार को उच्च न्यायालय का रुख किया। न्यायमूर्ति रेखा पल्ली की अध्यक्षता वाली पीठ जिसने एक अन्य पीठ द्वारा मामले की सुनवाई से अपने को अलग करने के बाद शाम को लगभग चार बजे मामले की सुनवाई की। पीठ ने याचिका पर बृहस्पतिवार को विचार करने के लिए सूचीबद्ध किया और इस वक्त पर किसी भी तरह का आदेश पारित करने से मना कर किया। ईडी की जांच दिल्ली वक्फ बोर्ड भर्ती में कथित अनियमितताओं से जुड़ी है।

केजरीवाल हार के बाद खेलते हैं विक्टिम कार्ड : सचदेवा

नई दिल्ली। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल राजनीति की रूदाली हैं जो हर चुनावी हार के तुरंत बाद इस तरह विक्टिम कार्ड खेलते हुए घड़ियाली आसूं बहाने लगते हैं मानों उन पर कोई व्यक्तिगत हमला हुआ है। सचदेवा ने कहा कि किसी भी नगर निगम के महापौर का चुनाव एक छोटा चुनाव होता है पर गत तीन सप्ताह से सांसद राघव चड्ढा सहित आम आदमी पार्टी नेताओं ने रोज बयान देकर इसे केवल अपनी पार्टी का ही नहीं बल्कि पूरे इंडिया गठबंधन का प्रतिष्ठा चुनाव बना लिया। अब आज जब आम आदमी पार्टी एवं कांग्रेस का संयुक्त प्रत्याशी चंडीगढ़ नगर निगम महापौर चुनाव हार गया तो राघव चड्ढा ही नहीं केजरीवाल भी रूदाली आलाप करने लगे हैं।

डीडीए ने जरूरत के अनुसार नहीं किया आवासीय क्षेत्रों का निर्माण : भारद्वाज

एमएसएमई समिट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● बोले दिल्ली सरकार नॉन कन्फॉर्मिंग इंडस्ट्रियल एरिया को कंफर्मिंग इंडस्ट्रियल एरिया बना रही

केजरीवाल सरकार के उद्योग मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली के सरकारी तंत्र में अलग-अलग सरकारी संस्थानों का हस्तक्षेप होने के कारण जिस आधार पर राष्ट्रीय राजधानी का विकास हुआ, सरकारी संस्थान उस स्तर पर खुद को कुशल नहीं बना पाए, जिसका नतीजा हम सबको आवासीय बाजार और औद्योगिक बाजार में दिखाई देता है। इसका एक नतीजा यह भी हुआ कि जितने आवासीय अपार्टमेंट की जरूरत थी, उस स्तर पर दिल्ली विकास प्राधिकरण लोगों के लिए आवासीय अपार्टमेंट नहीं बन पाई, जिसका नतीजा यह हुआ कि लोगों को जहां-जगह मिली वहीं पर रहने के लिए अपने इंतजाम किए और अनाधिकृत कॉलोनी का निर्माण किया। आज आधी से ज्यादा दिल्ली अनाधिकृत कॉलोनियों में रहती है।

इसी प्रकार से औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण नहीं कर पाई जिसके कारण लोगों ने व्यापार करने के लिए खुद जगह-जगह छोटे-छोटे औद्योगिक क्षेत्र का निर्माण कर लिया, जिसे आज नॉन कंफर्मिंग इंडस्ट्रियल एरिया के नाम से भी जानते हैं। सौरभ ने कहा कि आज दिल्ली में जो कुल औद्योगिक क्षेत्र हैं, उनमें से आधे से ज्यादा नॉन-कन्फॉर्मिंग इंडस्ट्रियल एरिया के अधीन आते हैं।

लिवर की बीमारी में गिलोय कारगर : बालकृष्ण

पीएनएस। नई दिल्ली/हरिद्वार

● बालकृष्ण का दावा, ब्रिटिश फार्मा ने भी माना उपयोगिता

आचार्य बालकृष्ण ने दावा किया है कि गिलोय के लिवर को स्वस्थ रखने की क्षमता (हेपटोप्रोटेक्टिव) और अन्य लाभकारी प्रभाव को अब यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) की फार्मा ने भी स्वीकार किया है, जिसे रॉयल फार्मास्यूटिकल सोसाइटी ऑफ ग्रेट ब्रिटेन के रिसर्च जर्नल 'जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्माकोलॉजी में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस द्वारा प्रकाशित किया है।

ब्रिटेन के जर्नल ऑफ फार्मेसी एण्ड फार्माकोलॉजी ने स्वीकार किया है कि गिलोय पर अनुसंधान में पाया कि यह लिवर को स्वस्थ रखने के साथ शरीर की कोशिकाओं का क्षरण रोकने तथा लिवर को सुरक्षा प्रदान करने में सहायक है। साथ ही गिलोय शरीर में रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि करता है। उन्होंने बताया कि गिलोय का प्रयोग लिवर को सुरक्षा प्रदान करने वाले पूरक खाद्य के रूप में किया जा सकता है।

इस अवसर पर आचार्य बालकृष्ण जी महाराज ने बताया कि गिलोय को परंपरागत रूप से रक्त शोधन व रोग प्रतिरोधक क्षमता की वृद्धि के लिए प्राचीनकाल से ही गिलोय प्रयोग किया जाता था। गिलोय एक हेपेटोप्रोटेक्टिव एजेंट है।

आचार्य बालकृष्ण ने दावा किया कि गिलोय कैंसररोधी, सूजनरोधी, रोगाणुरोधी, एंटीऑक्सीडेंट और अन्य गतिविधियाँ भी प्रदर्शित करता है। गिलोय को रासायनिक-मध्यस्थ हेपेटोटॉक्सिसिटी के इलाज के लिए कई पॉलीहर्बल फॉर्मूलेशन में एक सक्रिय औषधीय घटक पाया गया है।

बालकृष्ण ने कहा, पतंजलि ने सदैव आयुर्वेद को गौरव प्रदान किया है। पतंजलि अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों ने गिलोय पर अनुसंधान कर उसके प्रमाण के साथ प्रस्तुत किया। पतंजलि के प्रयासों से आज दुनियाभर के वैज्ञानिक आयुर्वेद का लोहा मान रहे हैं।

अपील : केंद्रीय बजट में मध्यम, छोटे व्यापारियों को भी मिले राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● आगामी केंद्रीय बजट में आर्थिक विकास पर जोर दिए जाने की कैट ने जताई उम्मीद

एक फरवरी को पेश होने वाले अंतरिम बजट का व्यापारियों को बेसब्री से इंतजार है। कारोबारियों ने अंतरिम बजट में खुदरा व्यापार एवं लघु उद्योगों सहित अर्थव्यवस्था के अन्य सेक्टरों में वृद्धि के लिए मजबूत नीतियों की घोषणा करने की उम्मीद जताई है। साथ ही कहा कि मध्यम और छोटे व्यापारियों को भी बजट में राहत मिले। इस मुद्दे पर व्यापारियों के संगठन से केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण को लिखा पत्र भी लिखा है। इस पत्र में उन्होंने कहा कि पिछले 9 सालों में मिडिल क्लास को कोई राहत नहीं मिली है। दिल्ली के लगभग 20 लाख व्यापारियों को बजट में राहत की आस है।

कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स को उम्मीद है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन एवं प्राथमिकताओं के अनुसार अंतरिम बजट में खुदरा व्यापार एवं लघु उद्योगों सहित अर्थव्यवस्था के सेक्टरों में वृद्धि के लिए नीतियों की घोषणा होगी। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने कहा कि बजट में आर्थिक विकास पर जोर दिए जाने की उम्मीद हैं तथा व्यापारों के लिए कर सुधार या प्रोत्साहन के माध्यम से खुदरा व्यापार को भी बढ़ावा दिये जाने की आशा है। व्यापारी उम्मीद करते हैं कि ऐसे कदम उठाए जाएँगे जो उपभोक्ता खर्च को बढ़ावा देने, व्यापार गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए एक साकारात्मक वातावरण पैदा करने में सहायक हों। इसके अलावा कहा कि बुनियादी ढांचा विकास का मुख्य क्षेत्र है, क्योंकि यह सीधे प्लॉजिस्टिक्स और सप्लाई चेन को प्रभावित करता है, इसलिए व्यापारिक समुदाय इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में अधिक धन आवंटन की आशा करता है, जो परिवहन को संघटित कर, लागतों को कम करते हुए देश की कुल व्यापार क्षमता को बढ़ावा दे सकते हैं। साथ ही ई-कॉमर्स नियमों और डिजिटल व्यापार नीतियों पर स्पष्टता का बड़ा इंतजार है। ऑनलाइन प्लेटफॉर्मों की बढ़ती महत्वपूर्णता के साथ, व्यापारिक समुदाय संतुलित प्रतिस्पर्धा के साथ वृद्धि के अवसरों को बनाए रखने के लिए एक विनियमन ढाँचा चाहता है जिसकी घोषणा बजट में हो

वहीं चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को एक पत्र लिखा है जिसमें राष्ट्रीय अवकाशों के सन्दर्भ में एक अधिसूचना जारी करने की मांग की है । सीटीआई चेयरमैन बृजेश गोयल और अध्यक्ष सुभाष खंडेलवाल ने मांग की है कि 5 प्रतिशत और 20 प्रतिशत के बीच 10 प्रतिशत का टैक्स स्लैब वापस लाया जाए। वृद्ध टैक्सपेयर को उनके टैक्स के आधार पर ओल्ड ऐज बेनीफिट मिलना चाहिए, टैक्सपेयर की वृद्धावस्था में पिछले सालों में दिये गये इनकम टैक्स के हिसाब से उसे सोशल सिक्योरिटी और रिटायरमेंट बेनिफिट दिये जाएं। तिमाही टीडीएस रिटर्न को खत्म कर दिया जाए और सारी डिटेल टीडीएस चालान के साथ ही ले ली जाए। मीडिल क्लास की चिंता है कि 9 साल से इनकम टैक्स में छूट की सीमा 2.5 लाख रुपये ही बनी हुई है। इसको 5 लाख कर देना चाहिए। इससे मिडिल क्लास के उन करोड़ों टैक्स पेयर्स को लाभ होगा जिन्हें टैक्स ना होने के बावजूद रिटर्न जमा करानी पड़ती है। सुगम व्यापार के लिए नकद पेमेंट की पुरानी लिमिट बहाल की जाए। छोटे कारोबारियों की पेमेंट बगैर तगादे के और जल्दी मिले इसलिए पिछले बजट में लेट पेमेंट करने वालों पर एडिशनल इनकम टैक्स का प्रावधान लाया गया था ।

ओवरलोड वाहनों की जांच के लिए खेड़की टोल पर लगाए जाएंगे वेट इन मोशन सेंसर

डीसी की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा समिति की मासिक बैठक में निर्णय

सड़क पर गड्ढों को भरने व जीर्णोद्धार कार्य को प्राथमिकता से करवाने के दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के लघु सचिवालय में सड़क सुरक्षा एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर गठित जिला स्तरीय कमेटी की बैठक लेते डीसी निशांत कुमार यादव।

खेड़की टोल प्लाजा पर जल्द ही वेट इन मोशन सेंसर (विमंस) इंस्टाल किए जाएंगे। जिसके माध्यम से टोल से गुजरने वाले वाहनों की भार क्षमता की जांच की जाएगी। निर्धारित नियमों के तहत टोल से गुजरने वाले ओवरलोड वाहनों से निर्धारित टोल राशि का दस गुना टोल लेने का प्रावधान है। यह निर्णय मंगलवार को डीसी एवं चेयरमैन जिला सड़क सुरक्षा समिति गुरुग्राम निशांत कुमार यादव की अध्यक्षता में सड़क सुरक्षा को लेकर बैठक में लिया गया। डीसी ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे जल्द ही इस व्यवस्था को गुरुग्राम-सोहना एक्सप्रेसवे व फरीदाबाद रोड पर भी इंस्टाल करे।

बैठक में सड़क सुरक्षा के लिहाज से ब्लैक स्पॉट, जहां दुर्घटना होने का अंदेशा हो, उनकी पहचान करके उन बिंदुओं को ठीक करने पर जोर दिया गया। इनमें विशेष रूप से राव गजराज सिंह मार्ग, विकास मार्ग, कादीपुर चौक से पटौदी चौक, हीरो होंडा चौक से हिमगिरी चौक, सेक्टर-22ए रोड, राजीव चौक, शंकर चौक व नरसिंहपुर आदि जगहों पर वाहन चालकों तथा पैदल यात्रियों के लिए सुरक्षित आवागमन का रास्ता बनाने पर चर्चा की गई। डीसी निशांत कुमार यादव ने पिछली बैठक के दौरान जिन विषयों को लेकर चर्चा की गई थी, उनके तहत कार्यों की समीक्षा भी की। जिला परिवहन अधिकारी एवं क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के सचिव जितेंद्र सिंह गहलावत ने एजेंडे के माध्यम से तमाम बिंदुओं पर जो कार्रवाई एवं अन्य गतिविधि की जा रही है उसके बारे डीसी को विस्तार से जानकारी दी।

बैठक में चर्चा के दौरान बताया गया कि सोहना एक्सप्रेसवे पर बीएसएफ कैम्प(भौंडसी) के पास एफओबी की डिमांड के तहत पिछली बैठक में एडीसी हितेश कुमार मीणा के दिशा निर्देश पर एनएचएआई, बीएसएफ के अधिकारियों व रोड सेफ्टी ऑफिसर ने संयुक्त विजिट की है। एनएचएआई के अधिकारियों ने बताया कि अभी वहां पर एफओबी की जरूरत है या नहीं, इसकी निरन्तर मोनिटरिंग की जा रही है। डीसी ने एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देश दिए कि आमजन की सुविधा के लिए अगले 15 दिनों के भीतर वहां टेबल टॉप सुविधा की व्यवस्था की जाए। यदि यह प्रयोग सफल नहीं होता है तो एनएचएआई वहां जल्द से जल्द एफओबी बनवाना सुनिश्चित करें। बैठक में सुरक्षित स्कूल वाहन पालिसी के तहत यह विषय भी आया कि जिला के विभिन्न स्कूलों में यातायात नियमों का उल्लंघन करते हुए सफेद रंग की बसों को इस्तेमाल में लाया जा रहा है। डीसी निशांत कुमार यादव ने इस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस विभाग को निर्देश दिए कि वे ऐसी स्कूल बसों को चिन्हित कर उनका चालान करना सुनिश्चित करें।

हर मतदाता अपने विवेक से करे मतदान: सुधीर सिंगला

चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत इंछापुरी गांव में पहुंचे विधायक

नव मतदाताओं से मुलाकात करके उन्हें किया जागरूक

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत इंछापुरी गांव में पहुंचे विधायक सुधीर सिंगला का सम्मान करते ग्रामीण।

गुरुग्राम के विधायक सुधीर सिंगला जी ने चलो गांव की ओर कार्यक्रम के तहत मंगलवार को पटौदी खंड के गांव इंछापुरी में नव मतदाताओं से मुलाकात की। इस दौरान विधायक ने नव मतदाताओं से वोट के सदुपयोग और इसकी ताकत के बारे में अपने विचार सांझा किये।

अपने संबोधन में विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हमारे भारतीय संविधान के अनुसार 18 साल की उम्र या इससे अधिक उम्र के नागरिक को मतदान का अधिकार है। चाहे व्यक्ति किसी भी जाति, धर्म में पैदा हुआ हो, उसे वोट देने का अधिकार हमारे संविधान ने दिया है। किसी भी लोकतांत्रिक देश में सबसे महत्वपूर्ण अधिकार वोट देने का अधिकार है। हमारे भारत में मतदान देश के नागरिकों का मौलिक अधिकार है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि गुरुग्राम जिला के चारों विधानसभा क्षेत्रों की मतदाता सूचियों का अंतिम प्रकाशन हो चुका है। इस सूची के हिसाब से जिला में कुल मतदाताओं की संख्या 13 लाख 84 हजार 625 हो चुकी है। जिनमें पुरुष मतदाताओं की संख्या 7 लाख 29 हजार 168 और महिला मतदाताओं की संख्या 6 लाख 55 हजार 457 है। इसमें युवाओं की संख्या अच्छी-खासी है। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि हर मतदाता को पूरी सोच-समझकर और विवेक के साथ निर्णय लेकर मतदान करना चाहिए। हमारे द्वारा किया गया मतदान हमारे क्षेत्र, हमारे जिला और देश का विकास, भविष्य तय करता है। उन्होंने यह भी कहा कि चुनावों में हमें शत-प्रतिशत मतदान करना चाहिए। तभी हम अपने देश का भविष्य बेहतर बना सकते हैं। विधायक सुधीर सिंगला ने कहा कि जब तक व्यक्ति योग्यता के नियमों को पूरा नहीं करता है तो उसे वोट का अधिकार नहीं मिलता। हर नागरिक को एक ही वोट डालने का यहां अधिकार है। वोटर वहीं पर वोट डाल सकता है, जहां पर उसका पंजीकरण होता है। हर एक मतदाता को उम्मीदवारों की पूरी जानकारी लेने का अधिकार है।

चुनाव 2024 देश के सपनों को नई उड़ान देने का चुनाव है : शर्मा

गुरुग्राम लोकसभा के चुनाव कार्यालय का किया उद्घाटन

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम लोकसभा के चुनाव कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर मंचासीन नेतागण।

लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन करते हुए पूर्व मंत्री प्रोफेसर रामबिलास शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 देश के सपनों को नई उड़ान देने का चुनाव है। भारत विकसित और विश्व गुरू बने, इसके लिए प्रचंड बहुमत से हरियाणा की 10 की 10 लोकसभा सीटों पर कमल खिलाकर नरेंद्र मोदी को तीसरी बार देश का प्रधानमंत्री बनाना है।

कार्यालय उद्घाटन से पहले मुख्य अतिथि राम बिलास शर्मा, केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह, लोकसभा क्लस्टर प्रभारी मनीष ग्रोवर, लोकसभा प्रभारी अजय गौड़, लोकसभा सहप्रभारी मनीष मित्तल सहित सभी नेताओं व कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल, प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब और प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी का वर्चुअल संबोधन भी सुना। जिला अध्यक्ष कमल यादव ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि राम बिलास शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में गुरुग्राम लोकसभा से भाजपा भारी मतों से विजयी हो इस हेतु हम सब कार्यकर्ताओं को अपनी पूरी ताकत के साथ लगना होगा और शक्ति केंद्रों तथा बूथ तक हमें जाकर काम करना होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने गांव चलो अभियान चलाया जिसमें सभी नेताओं, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारी 24 घंटों का प्रवास करेंगे और मोदी-मनोहर सरकार की उपलब्धियों को घर-घर लेकर जाएंगे।

जनता तीसरी बार मोदी को पीएम बनाने के लिए उत्साहित है- इंद्रजीत

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी करोड़ों-करोड़ों भारतीयों के हृदय की धडक़न बन चुके हैं। देश की जनता मोदी को चाहती है और तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिए उत्साहित है। उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता भाजपा को प्रचंड मतों से विजयी बनाने के मिशन में जुट जाएं। उन्होंने कहा कि मोदी-मनोहर सरकार ने सभी लोकसभा क्षेत्रों में अभूतपूर्व विकास कार्य किए हैं। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव में एकजुट होकर मोदी सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की लोगों को जानकारी दें और एक बार फिर से नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में सहयोग करें। आज पूरा विश्व मोदी की कार्यप्रणाली से प्रभावित है।

तीसरी बार भी पीएम पद की शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी: डॉ. डीपी गोयल

सेक्टर-17 माधव सेवा केंद्र से साथियों के साथ गुरुकमल कार्यालय पहुंचे डॉ. गोयल

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-17 स्थित माधव सेवा केंद्र से भाजपा कार्यालय के लिए रवाना होने से पूर्व साथियों के साथ डॉ. डीपी गोयल।

भाजपा प्रदेश कार्यालय गुरुकमल में मंगलवार को लोकसभा चुनाव कार्यालय का उद्घाटन हुआ। इस उद्घाटन समारोह में शिरकत करने के लिए रेलवे सलाहकार समिति के सदस्य डा. डीपी गोयल सेंकड़ों साथियों के साथ पहुंचे। इस दौरान डा. गजेंद्र गुप्ता, संदीप भारद्वाज, राजेश दत्ता, यूपी गुप्ता, गगन गोयल, बाली पंडित, महेंद्र भुक्कल, जेपी शर्मा, ईशु वाल्मीकि, रामकुमार गर्ग, सुशील राणा, सचिन चोपड़ा, ईशान, पार्थ तायल, अक्षय सामल, सत्यनारायण कादयान, विद्यानंद नूनीवाल, संदीप शर्मा, तिलकराज शर्मा, ऋषिप्रकाश शर्मा, हरीश अरोड़ा, राकेश तंवर, एसपी शर्मा समेत अनेक साथी मौजूद रहे।

इससे पूर्व सेक्टर-17 स्थित माधव सेवा केंद्र में साथियों के बीच डा. डीपी गोयल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हमेशा चुनावी मोड में रहती है। पार्टी का हर कार्यकर्ता वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में सक्रियता से काम करता है। यही भारतीय जनता पार्टी के राज आने का राज है। उन्होंने पार्टी के सम्मान में कहा कि भाजपा के हर कार्यकर्ता के लिए पार्टी एक मां की तरह है। जिसका सम्मान करते हुए हर कार्यकर्ता मजबूती से काम में जुटा है। उन्होंने कहा कि निकट भविष्य में लोकसभा चुनाव होने हैं। इन चुनावों को लेकर लोकसभा चुनाव कार्यालय बनाया गया है। उन्होंने कहा कि अब 2024 में तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शपथ लेंगे। उनके नेतृत्व में फिर से देश में भारतीय जनता पार्टी की मजबूत सरकार बनेगी। डा. डीपी गोयल ने कहा कि एनडीए के कार्यकाल में अनेक माइल स्टोन विकास के काम हुए हैं। अंतिम व्यक्ति के लिए सरकार ने योजनाएं लागू की हैं।

गुरुग्राम लोकसभा चुनाव कार्यालय के उद्घाटन अवसर पर कही यह बात

30 जनवरी 1948 की तारीख नहीं भूलेगा कभी देश: पंकज डावर

कांग्रेसियों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को दी श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

राष्ट्रपिता महात्मागांधी की फोटो पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित करते कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर व अन्य।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि कांग्रेस के कमान सराय स्थित कार्यालय में मनाई गई। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पंकज डावर के नेतृत्व में सभी कार्यकर्ता एकजुट हुए और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की फोटो पर पुष्प अर्पित करके उन्हे श्रद्धांजलि दी।

इस मौके पर पंकज डावर ने कहा कि इस देश के लोग 30 जनवरी 1948 की तारीख कभी नहीं भुला पाएंगे क्योंकि हमारे देश के नायक, देश को गुलामी की जंजीरों से बाहर निकालने वाले हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी को इसी दिन नाथूराम गोड़से ने सहयोगी नारायण आप्टे व अन्य षडयंत्रकारी लोगों की शह पर बिड़ला भवन में गोली मारकर उनकी निर्मम हत्या कर दी थी।

पंकज डावर ने कहा कि गांधी जी ने 1942 में अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन चलाया था। उनके विभिन्न आंदोलनों और अथक प्रयासों के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारा देश आजाद हुआ था। आज अगर देश की जनता खुली हवा में सांस भी ले रही है तो इसकी देन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ही है। इस मौके पर सूबे सिंह यादव, पर्ल चौधरी, जय सिंह हुड्डा, नरेश वशिष्ट, दिनेश शर्मा, सुनील प्रकाश, राजीव यादव, समीम खान, कृष्ण वाल्मीकि, गुरिन्द्रजीत सिंह, बालकिशन अरोड़ा, दीपक सिंह समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

डीसी समेत अधिकारियों ने शहीदों की स्मृति में रखा दो मिनट का मौन

गुरुग्राम में स्वतंत्रता आंदोलन के शहीदों की स्मृति में दो मिनट का मौन रखते अधिकारी।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान देने वाले शहीदों की स्मृति एवं महात्मा गांधी के बलिदान दिवस पर मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में डीसी निशांत कुमार यादव सहित विभिन्न विभागों के अधिकारियों व कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिला के शासकीय कार्यालयों सहित खंड स्तर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों में 2 मिनट का मौन रखकर स्वतंत्रता संग्राम में हुए शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर लघु सचिवालय के सभागार में एडीसी हितेश कुमार मीणा, डीसीपी ट्रैफिक वीरेंद्र विज, जिला परिवहन अधिकारी एवं सचिव, क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण जितेंद्र सिंह गहलावत, जीएम रोडवेज प्रदीप अहलावत, नगर निगम गुरुग्राम से संयुक्त आयुक्त विजय यादव, लोक निर्माण विभाग के एक्सईएन चरणजीत सहित अन्य विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में दो दिवसीय प्रथम पुस्तक मेले का आगाज

25000 से अधिक पुस्तकें प्रदर्शित की गईं, छात्रों में दिखी दिलचस्पी

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम विवि में दो दिवसीय पुस्तक मेले में पुस्तकों का अवलोकन करते विद्यार्थी।

गुरुग्राम विश्वविद्यालय में दो दिवसीय प्रथम पुस्तक मेले का मंगलवार को शुभारंभ हुआ। यूनिवर्सिटी के विवेकानंद केंद्रीय पुस्तकालय द्वारा आयोजित पुस्तक मेले का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो दिनेश कुमार ने किया।

कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि 31 जनवरी शाम 5 बजे तक चलने वाले मेले में पुस्तक प्रेमियों के लिए विभिन्न प्रकार के प्रमुख प्रकाशकों एवं वितरकों से 25 प्रतिशत छूट मिलेगी। लगभग 40 प्रमुख प्रकाशकों एवं वितरकों ने पुस्तक मेले में अपनी दुकानें प्रदर्शित की। इस मौके पर गुरुग्राम विवि के शिक्षकों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अपने ज्ञानवर्धन के लिए अपनी पसंदीदा पुस्तके खरीदी। इस मौके पर कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने कहा कि पुस्तकों की अपनी विशेष महत्ता है, जोकि शोधार्थियों और पाठकों के लिए शोध और अध्ययन में विशेष रूप से उपयोगी होती है। उन्होंने ज्ञान के संग्रह को पुस्तकालय में संग्रहित करने का सुझाव दिया कि पुस्तकालय में सदैव नवीन और अच्छे संकलन को संग्रहित करना चाहिए ताकि अच्छे पुस्तकालय का निर्माण हो सके। यहां से पुस्तक प्रेमियों को कुछ न कुछ अवश्य सीखने को मिलेगा। उन्होंने कहा कि पुस्तक मेले से पवित्र कार्य कोई नहीं है। उन्होंने मेले के आयोजक डॉ. विजय मेहता, अमित कुमार सहित पूरी टीम को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। इस मौके पर डीन अकादमी अफेयर्स डॉ. सुभाष कुंडू भी उपस्थित रहे ।

ISAMRA ने भारत से प्रदर्शन रॉयल्टी के लिए PPL UK के साथ एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय गायकों और संगीतकारों के अधिकार संघ (ISAMRA) ने भारत में अपने कलाकार सदस्यों की ओर से रॉयल्टी एकत्र करने के लिए पीपीएल यूके के साथ एक द्विपक्षीय समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और इसके विपरीत जहां पीपीएल यूके के क्षेत्र में ISAMRA कलाकार सदस्यों की ओर से रॉयल्टी एकत्र करेगा।

ISAMRA के सह-संस्थापक और सीईओ संजय टंडन ने बताया कि पीपीएल यूके के साथ ISAMRA की नई साझेदारी का मतलब है कि ISAMRA के सदस्यों को अब यूके क्षेत्र के लिए पीपीएल यूके से रॉयल्टी मिलनी शुरू हो जाएगी। द्विपक्षीय समझौते के तहत, यूके के कलाकारों को अब पीपीएल यूके के माध्यम से भारत में अपने रिकॉर्ड किए गए संगीत के उपयोग के लिए भुगतान मिलना शुरू हो जाएगा 2023 में, पीपीएल यूके ने द्विपक्षीय समझौते के परिणामस्वरूप 450 से अधिक कलाकारों को उनके संगीत के उपयोग के लिए राजस्व आवंटित किया, और इस वर्ष यह संख्या काफी हद तक बढ़ने की उम्मीद है। यह सौदा 2023 में ISAMRA (जिसे पहले ISRA के नाम से जाना जाता था) और भारतीय संगीत उद्योग (IMI) के बीच हुए समझौते का अनुसरण करता है, जो भारत में 200 से अधिक रिकॉर्ड लेबल का प्रतिनिधित्व करता है। समझौते की शर्तों के तहत, ISAMRA को PPL इंडिया (जो PPL UK से असंबद्ध है) द्वारा एकत्र की गई ध्वनि रिकॉर्डिंग से सार्वजनिक प्रदर्शन राजस्व का 25 प्रतिशत तक प्राप्त होगा, जिसे कलाकारों को वितरित किया जाएगा। अपने सबसे हालिया सार्वजनिक रूप से उपलब्ध परिणामों (2022) में, पीपीएल इंडिया ने 164 करोड़ रुपये (लगभग 15.5 मिलियन) एकत्र किए और आने वाले वर्षों में मजबूत वृद्धि का अनुमान लगाया क्योंकि बाजार संगीत लाइसेंसिंग आवश्यकताओं की गहरी समझ विकसित करता है।

अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले मोरारी बापू ने शेमारू के श्री राम भक्ति उत्सव नामक म्यूजिकल सीरीज का किया विमोचन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अयोध्या में राम मंदिर के उद्घाटन होने के बाद भी देश भर में जश्न का माहौल है। ऐसे में अपने जीवन को रामायण व सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित कर देने वाले और पिछले 60 सालों से अधिक समय से राम कथा का वाचन करते आ रहे श्री मोरारी बापू ने शेमारू की संगीतमयी प्रस्तुति श्री राम भक्ति उत्सव का विमोचन? किया। यह मधुर संगीतमयी श्रृंखला शेमारू भक्ति नामक यूट्यूब चैनल के अलावा अन्य प्रमुख प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध है। विमोचन के इस विशेष आयोजन के मौके पर रामचरित मानस के माध्यम से प्रभु राम की शिक्षा को प्रचारित-प्रसारित करने वाले मोरारी बापू खास तौर पर मौजूद थे। जिन्होंने अपनी उपस्थिति से वातावरण को और भी दिव्य बना दिया।

श्री राम भक्ति उत्सव नामक यह धार्मिक व दिव्य प्रस्तुति लोकप्रिय पारंपरिक गीतों और नये कलाकारों के गीतों से सजी एक विशिष्ट श्रृंखला है। इसमें जाने-माने गायक सुरेश वाडकर की आवाज़ के अलावा सचिन पिलगांवकर के स्वर भी सुनाई देंगे जिन्होंने पहली बार भक्ति से परिपूर्ण गीतों को अपनी आवाज़ दी है। उल्लेखनीय है कि इस म्यूजिकल सीरीज़ में अन्वेशा, दीपक पंडित, गोविंद प्रसन्न सरस्वती साधो बैंड, पृथ्वी गंधर्व, अवधेंदू शर्मा, जेजे विक जैसे कलाकारों की उम्दा कलाकारी भी देखने को मिलेगी। श्री राम भक्ति उत्सव पूरी तरह से विष्णु के सातवें अवतार के रूप में अपनी मान्यता रखने वाले मर्यादा पुरूषोत्तम राम को समर्पित श्रृंखला है जिनकी कहानी रामायण में चौपाइयों के माध्यम से प्रस्तुत की गयीं हैं। श्री शेमारू एंटरटेनमेंट लिमिटेड के प्रमुख (नॉन-बॉलीवुड कैटगरी) अर्पित मांकड़ ने इस ख़ास मौके पर कहा, शेमारू भक्ति हमेशा से ही अध्यात्म संबंधी कंटेट को इस अनूठे अंदाज़ में पेश करता आया है ताकि दुनिया भर के लोग सीधे पर इससे जुड़ाव महसूस कर सकें।

नगर परिषद पटौदी मंडी की वार्डबंदी का ड्राफ्ट तैयार

एडहॉक कमेटी की बैठक में ड्राफ्ट पर बनी सहमति

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मंगलवार को नगर परिषद पटौदी मंडी की वार्डबंदी का ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया है, जिसे मंजूरी के लिए मंगलवार 30 जनवरी को ही चंडीगढ़ भेज दिया जाएगा।

नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त एवं डिस्ट्रिक्ट म्यूनिसिपल कमिशनर डा. नरहरि सिंह बांगड़ की अध्यक्षता में मंगलवार को आयोजित एडहॉक कमेटी की बैठक में फाइनल ड्राफ्ट पर सहमति बनी तथा कमेटी के सभी सदस्यों ने हस्ताक्षर कर इसे मंजूरी के लिए चंडीगढ़ भेजने की सहमति जताई। नगर परिषद पटौदी मंडी में कुल 22 वार्ड बनाए गए हैं। बैठक में बताया गया कि वार्डबंदी के लिए गठित एडहॉक कमेटी के सदस्यों द्वारा दिए गए सुझाव व आपत्तियों का समाधान करते हुए वार्डबंदी का खाका तैयार किया गया तथा फाइनल ड्राफ्ट की मंजूरी के लिए मंगलवार को ही इसे चंडीगढ़ भेज दिया जाएगा। बैठक में बताया गया कि प्रत्येक वार्ड में 2790 जनसंख्या को एवरेज माना गया है। बैठक में पटौदी के एसडीएम संदीप अग्रवाल, नगर निगम गुरूगाम के संयुक्त आयुक्त संजीव सिंगला, नगर परिषद पटौदी मंडी के कार्यकारी अधिकारी सुशील भुक्कल, नगर पालिका के पूर्व चेयरमैन चंद्रभान सहगल मौजूद रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी वैज्ञानिक सोच की प्रथम सीढी : डॉ. रंजना अग्रवाल

एसडी कॉलेज के मॉडल प्लास्टिक का स्वास्थ्य पर प्रभाव को मिला प्रथम स्थान

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

राजकीय महिला महाविद्यालय सेक्टर-16ए फरीदाबाद में आयोजित दो दिवसीय अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी के दूसरे दिन विजेताओं की घोषणा की गई। जिसमें बॉटनी के मॉडल माइक्रो प्लास्टिक का स्वास्थ्य पर प्रभाव मॉडल को प्रथम स्थान मिला। वहीं जूलॉजी के आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का स्वास्थ्य क्षेत्र में भविष्य, मॉडल को प्रथम स्थान मिला।

महाविद्यालय के वेजिटेबल वेस्ट डायनेमो मॉडल, फिजिक्स का बेस्ट मॉडल चुना गया। प्रदर्शनी के समापन समारोह की मुख्य अतिथि एवं सीएसआईआर की निदेशक डॉ. रंजना अग्रवाल रही। उन्होंने सभी मॉडल का निरीक्षण किया तथा छात्राओं ने से उनकी प्रक्रिया एवं चुनौतियों पर सवाल जवाब भी किए। उन्होंने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनी वैज्ञानिक सोच की प्रथम सीढ़ी होती है, जो वर्तमान एवं भविष्य की चुनौतियों से अवगत कराती है।

विज्ञान प्रदर्शनी में जीजीडीएसडी कॉलेज पलवल के बॉटनी विभाग द्वारा निर्मित प्लास्टिक का स्वास्थ्य पर प्रभाव मॉडल को प्रथम स्थान मिला। वहीं जूलॉजी एवं मनोविज्ञान विभाग पंडित जवाहर लाल नेहरू कॉलेज फरीदाबाद के मॉडल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं स्वास्थ्य क्षेत्र तथा मानसिक तनाव एवं मेंटल हेल्थ मॉडल प्रथम स्थान पर रहे। केएल मेहता कॉलेज फरीदाबाद के रसायन विभाग का मॉडल क्वांटम डॉट्स एवं नैनो साइंस मॉडल को प्रथम स्थान मिला, वहीं डीएवी सेटेनरी कॉलेज फरीदाबाद के भूगोल व कंप्यूटर साइंस के मॉडल प्रथम स्थान पर रहे। सभी विजेता प्रतिभागियों को मुख्य अतिथि ने नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। प्राचार्य ने प्रदर्शनी के सफल आयोजन पर कनवीनर डॉ. पारूल राणा, को-कनवीनर डॉ. पूजा सिंह एवं लैब इंचार्ज, डॉ. वर्षा शर्मा, डॉ. नेहा अग्रवाल, संदीप विहान, केशव कुमार एवं डॉ. मीनू श्योराण के कार्यों की सराहना की।

उन्होंने बताया कि महाविद्यालय में दो दिवसीय अंतर जिला विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। जिसमें फरीदाबाद, पलवल, नूंह जिला के 14 महाविद्यालयों के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया है। प्रदर्शनी में 45 मॉडल प्रस्तुत किए गए हैं। अधिकतर मॉडल वर्तमान एवं भविष्य में एनर्जी, पॉल्यूशन, वेस्ट मैनेजमेंट एवं स्वास्थ्य पर आधारित हैं। उन्होंने बताया कि इस प्रदर्शनी में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मॉडल विश्वविद्यालय स्तर पर आयोजित होने वाली विज्ञान प्रदर्शनी में हिस्सा लेंगे।

आईटीआई पलवल में लगा प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता एवं रोजगार मेला

मेले में 125 छात्रों ने करवाया रजिस्ट्रेशन, 89 विद्यार्थियों को किया शॉर्ट लिस्ट

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

प्रशिक्षण एवं उद्यमशीलता निदेशालय भारत सरकार व कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग हरियाणा के आदेश अनुसार हरियाणा राज्य की नोडल आईटीआई में छात्रों को अधिक से अधिक शिक्षुता एवं रोजगार दिलाने के लिए प्रधानमंत्री राष्ट्रीय शिक्षुता एवं रोजगार मेले का आयोजन आईटीआई पलवल में किया गया।

इस राष्ट्रीय शिक्षुता एवं रोजगार मेले में फरीदाबाद व पलवल के औद्योगिक क्षेत्रों के विभिन्न उद्योगों ने भाग लिया। जिनमें मुख्यत: सुपर स्क्रूज प्राइवेट लिमिटेड मित्रोल, फ्लोवेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड दीघोट, हरियाणा वायर्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला, ट्रीनिटी टच प्राइवेट लिमिटेड पृथला, फिनिक्स कांटेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला, पाराशर हुंडई लिमिटेड पलवल, क्वेस कॉरपोरेशन गुरुग्राम, टोकाई इंपीरियल रबर प्राइवेट लिमिटेड पृथला, शिवानी लॉक्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला, मिताभी लैंप्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला, आकाश पैक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड सीकरी, शुभम फ्लैक्सिबल प्राइवेट लिमिटेड बल्लभगढ़, एंड्रिट्ज हाइड्रो प्राइवेट लिमिटेड पृथला इत्यादि शामिल रहे।

आईटीआई पलवल के प्रधानाचार्य सह नोडल अधिकारी सुधीर कुमार ने बताया कि इस शिक्षुता एवं रोजगार मेले में 125 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया। जिसमें विभिन्न कंपनियों द्वारा साक्षात्कार लेकर 89 आईटीआई पास छात्रों को शॉर्टलिस्ट किया गया और उन्हें उद्योगों में आने का समय दिया गया। इनमें से दो छात्रों को मौके पर ही नियुक्ति पत्र दिया गया। आईटीआई पलवल में रोजगार मेले का आयोजन किया गया है।

इन औद्योगिक इकाइयों ने किया शॉर्टलिस्ट

मेले में विभिन्न उद्योगों ने विद्यार्थियों को शॉर्ट लिस्ट किया। इन उद्योगों में सुपर स्क्रूज प्राइवेट लिमिटेड मित्रोल ने चार, फ्लोवेल एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड दीघोट ने छह, हरियाणा वायर्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने सात, ट्रीनिटी टच प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने तीन, फिनिक्स कांटेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने तीन, पाराशर हुंडई लिमिटेड ने चार, क्वेस कॉरपोरेशन गुरुग्राम ने 27, टोकाई इंपीरियल रबर प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने नौ, शिवानी लॉक्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने नौ, मिताभी लैंप्स प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने चार, आकाश पैक टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड सीकरी ने 10, शुभम फ्लेक्सिबल प्राइवेट लिमिटेड बल्लभगढ़ ने एक, एंड्रिट्ज हाइड्रो प्राइवेट लिमिटेड पृथला ने एक आईटीआई पासशुदा छात्र-छात्राओं को शॉर्टलिस्ट किया।

फरवरी से मिट्टी उठाने का कार्य बंद करेंगे

अर्थ मूवर्स एसोसिएशन की चेतावनी

माइनिंग और भूगर्भ विभाग से अलग करने की मांग

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

ऑल हरियाणा अर्थ मूवर्स एसोसिएशन ने मिट्टी उठाने के कार्य को माइनिंग व भूगर्भ विभाग से अलग करने की मांग को लेकर मंगलवार को हुडा चौक के समीप बैठक की। एसोसिएशन ने बैठक में सरकार के नए कानून को लेकर रोष व्यक्त करते हुए निर्णय लिया कि एक फरवरी से मिट्टी उठाने का कार्य बंद कर दिया जाएगा। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के नेता आनंद तोमर ने की।

बैठक को संबोधित करते हुए आनंद तोमर ने कहा कि वर्ष 2017 से पहले माइनिंग विभाग की कोई अनुमति नहीं लेनी पड़ती थी, जिसके बाद सरकार ने मिट्टी को माइनिंग के अधीन ला दिया है। उन्होंने कहा कि मिट्टी उठाने व डालने का कार्य किसान व मजदूर करते हैं। कुछ लोग ट्रैक्टरों द्वारा यह कार्य करते हैं, जिससे उनकी रोजी-रोटी चलती है। मिट्टी उठाने से कोई भी कार्बन उत्सर्जन नहीं होता और न ही मिट्टी उठाने के लिए ब्लॉस्ट किए जाते हैं।

उन्होंने कहा कि माइनिंग विभाग उन्हें बेवजह परेशान कर रहा है। इस कारण मिट्टी के कार्य से जुड़े लोगों की रोजी-रोटी का खतरा पैदा हो गया है। लाखों परिवार खेतों से मिट्टी उठाने के कार्य से जुड़े हैं। किसान पानी तथा अन्य समस्याओं के चलते अपने खेत को समतल करवाने के लिए मिट्टी उठवाता है। अगर किसी के पास अनुमति नहीं है तो माइनिंग विभाग भारी भरकम जुर्माना लगाता है। जिसके डर से कोई खेत से मिट्टी नहीं उठा पा रहा है। किसान अपनी मर्जी से अपने खेत को समतल नहीं करवा सकता। यदि किसान अपनी मर्जी से ऐसा करता है तो माइनिंग विभाग उस पर पांच से 20 लाख रुपये तक जुर्माना लगा देता है। इस कारण किसान यह जुर्माना नहीं भर पाता और उसका ट्रैक्टर या अन्य वाहन जब्त हो जाता है। इसी कारण कोई व्यक्ति अपने प्लॉट में मिट्टी नहीं डलवा पा रहा।

उन्होंने कहा कि मिट्टी उठाने के कार्य पर कोयला खानों, पहाड़ खानों जैसे नियम लागू हैं, जोकि गलत हैं। इस कार्य को इस विभाग से अलग किया जाए। उन्होंने कहा कि वह सरकार के फैसले के विरोध में एक फरवरी से पलवल में मिट्टी उठाने का काम बंद कर देंगे। बैठक में मुख्य रूप से दिनेश सौरोत, महेंद्र डागर, सतीश छाबड़ी, अशोक बैंसला, सूरज चंदीला, रिंकू डागर व वेद अटारी सहित काफी संख्या में इस कार्य से जुड़े लोग मौजूद रहे।

जवाहर नवोदय के लिए 10 फरवरी को परीक्षा

पलवल। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर पलवल में कक्षा नौवीं व 11वीं के रिक्त स्थानों को भरने के लिए समानांतर प्रवेश परीक्षा आगामी 10 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह परीक्षा गांव रसूलपुर में स्थित जिला के जवाहर नवोदय विद्यालय तथा गांव रसूलपुर में ही स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्थापित किए गए परीक्षा केंद्र पर आयोजित होगी। जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर के प्रधानाचार्य सुभाषचंद्र ने जानकारी देते हुए बताया कि कक्षा नौवीं में प्रवेश लेने के लिए 511 विद्यार्थी व कक्षा ग्यारहवीं में प्रवेश हेतु कुल 101 विद्यार्थी परीक्षा में बैठेंगे, जिसके प्रवेश पत्र सीबीएसई के द्वारा जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर के परीक्षा केंद्र पर कक्षा नौवीं के 240 विद्यार्थियों का तथा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रसूलपुर के परीक्षा केंद्र पर कक्षा नौवीं के 271 विद्यार्थियों की परीक्षा आयोजित की जाएगी। इसके अलावा 11वीं के सभी विद्यार्थियों की परीक्षा केवल जवाहर नवोदय विद्यालय रसूलपुर पलवल के परीक्षा केंद्र पर ही आयोजित होगी।

बीके स्कूल में पोस्टर मेकिंग स्पर्धा में दिया नशा मुक्ति का संदेश

पलवल। मंगलवार को बीके सीनियर सेकेंडरी स्कूल शिव विहार पलवल में सिविल सर्विस अस्पताल द्वारा नशा मुक्ति पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें तीसरी से बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में सना कक्षा छठी प्रथम स्थान, मोहन और गरिमा गोयल कक्षा सातवीं दितीय स्थान और भूदेव कक्षा आठवीं तृतीय स्थान पर रहने वाले बच्चों को सांत्वना पत्र देकर सम्मानित किया। कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर मिस प्रियंका और प्रभु दयाल ने बच्चों को नशा न करने की शपथ दिलाई और बताया कि नशे से हमें क्या नुकसान हो सकते हैं। अंत में प्रधानाचार्य सतीश कौशिष ने बच्चों को बताया कि नशा न केवल व्यक्ति का शारीरिक व मानसिक नुकसान करता है, बल्कि उसके परिवार को भी पतन की ओर धकेल देता है और बच्चों से कहा कि हमें नशे से दूर रहना चाहिए।

अबू-धाबी दुबई यात्रा पर सम्मेलन का आयोजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

22 जनवरी भारत के लिए ही ऐतिहासिक दिन नहीं था, उस दिन शब्द-यात्रा समूह ने अबू धाबी में अंतरराष्ट्रीय साहित्यिक सम्मेलन का आयोजन कर उस विदेशी धरती को भी राममय कर दिया। संस्था की अध्यक्ष शारदा मित्तल तथा सचिव महासचिव प्रीति मिश्रा ने इस कार्यक्रम की सफल परिकल्पना की थी, जिसमें भारत के विभिन्न प्रदेशों से 70 से अधिक लोगों ने भाग लिया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ डॉ. मीनाक्षी पांडेय के मंत्रोच्चार ने सभागार को सनातन की पावन स्वर लहरियों से भर कर दिया।

डॉ. विजया गोड़बोले, डॉ. मीनाक्षी पांडेय, वीणा अग्रवाल, पराग शर्मा, आभा सिंह, ज्योति श्रीवास्तव, कांति मिश्रा तथा कृष्णा आर्य ने राम स्तुति से कार्यक्रम का शुभारंभ किया। बहुत से लोगों ने श्रीराम पर कविताएं पढ़ीं। डॉ. पल्लवी मिश्रा ने सभी का स्वागत नमामि नमामि नृत्य के द्वारा किया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर एसके सिंह ने की। इस आयोजन में कुछ प्रवासी भारतीय भी शामिल हुए। कार्यक्रम का समापन ठुमक चलत रामचंद्र नृत्य नाटिका से हुआ, जिसमें डॉक्टर विजया गोडबोले ने गायन प्रस्तुत किया और नृत्य प्रस्तुति करने वाले कलाकार थे मिनी गुप्ता, चारू अग्रवाल, बेबी कषिका अग्रवाल जिसकी आयु मात्र दो वर्ष की थी।

उसने नृत्य के साथ जब घुटनों चलकर मां कौशल्या की ओर कदम बढ़ाए तो दर्शक आत्म विभोर हो गए। राम लला का अयोध्या में आगमन संयुक्त अरब अमीरात की धरती पर कुछ इस तरह से मनाया, मानो पूरा विश्व हमारे साथ इस उत्सव में शामिल हो। 26 जनवरी को समूह के कई सदस्य दुबई स्थित भारतीय दूतावास गये।

दूसरा बच्चा लड़का होने पर भी मिलेगा पांच हजार का मातृत्व लाभ

पलवल। उपायुक्त नेहा सिंह ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं क्रियान्वित की जा रही हैं। इनमें से मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना भी एक महत्वपूर्ण स्कीम है। महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से अब दूसरा बच्चा लड़का होने पर भी मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना के तहत पांच हजार रुपये का मातृत्व लाभ मिलेगा। नेहा सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि आठ मार्च 2022 के बाद जन्मे किसी भी परिवार जिसकी वार्षिक आय आठ लाख रुपये से कम हो, आयुष्मान कार्ड धारक, ई-श्रम कार्ड, बीपीएल राशन कार्ड, अनुसूचित जाति/जनजाति, मनरेगा जॉब कार्ड, आंगनबाडी वर्कर, आशा वर्कर, 40 प्रतिशत या उसके अधिक दिव्यांग, किसान सम्मान निधि योजना धारक को सरल पोर्टल के माध्यम से मुख्यमंत्री मातृत्व सहायता योजना का लाभ दिया जाना है। नेहा सिंह ने आह्वान करते हुए कहा कि योजना के तहत पात्र लाभार्थी महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा चलाई जा रही योजना के अंतर्गत लाभ लेने के लिए सरल पोर्टल पर आवेदन करें।

शहर की तर्ज पर हो रहा गांव फतेहपुर बिल्लौच का विकास : रावत

विधायक ने किया करीब डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पृथला विधानसभा क्षेत्र के विधायक नयनपाल रावत ने गांव फतेहपुर बिल्लौच में करीब डेढ़ करोड़ के विकास कार्यों का शिलान्यास किया। इस दौरान श्री रावत ने बस अड्डा से अनाज मंडी तक 78 लाख की लागत से बनने वाली सड़क व गली, 32 लाख की बस अड्डा से मुख्य जवां रोड तक की सड़क, 38 लाख से बनने वाली जवां मोड से पन्हेड़ा मोड तक सड़क का शिलान्यास किया।

इस मौके पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक नयनपाल रावत ने कहा कि क्षेत्र के बड़े गांव फतेहपुर बिल्लौच का विकास शहर की तर्ज पर किया जा रहा है, यहां लोगों को बुनयादी सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है। उन्होंने कहा कि अपने विधायक कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र के विकास को लेकर भरसक प्रयास किए। हालांकि कोरोना महामारी के चलते दो सालों तक विकास का पहिया थम गया था, लेकिन अब फिर से विकास को गति दी जा रही है। जो विकास कार्य अधूरे रह गए थे, उन्हें पूरा किया जा रहा है और लोगों की सभी समस्याओं को दूर करवाने के लिए प्रयास किए जा रहे है। पूरे क्षेत्र में सड़कों का जाल बिछाया जा रहा है और सभी सड़कों का नवीनीकरण का कार्य तेजी से चल रहा है।

इस दौरान विधायक नयनपाल रावत ने ग्रामीणों को 11 फरवरी को चंदावली कार्यालय पर आयोजित होने वाले कार्यकर्ता सम्मेलन के लिए निमंत्रण दिया और कहा कि वह इस सम्मेलन में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर क्षेत्र के विकास पर अपने विश्वास की मोहर लगाएं। लोगों की मांग पर विधायक नयनपाल रावत ने गांव में साढ़े 13 लाख की स्ट्रीट लाइट लगवाने की भी घोषणा की। इस अवसर पर सरोज सरपंच, ओमप्रकाश यादव, बाबूलाल चौहान, कृष्ण प्रजापति, खेमचंद सैनी, जयपाल चौधरी, योगेश गर्ग, जगदीश, कन्हैया, राजेश, शिवचरण आदि अनेक गणमान्य लोग मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

रोजगार कार्यालय में आज लगेगा रोजगार मेला

पलवल। जिला रोजगार अधिकारी शक्तिपाल ने बताया कि पलवल के रोजगार कार्यालय में मंगलवार 30 जनवरी को सुबह 10 बजे से दोपहर एक बजे तक एक रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें तुला अस्पताल पलवल, एवन ट्यूब टैक प्राइवेट लिमिटेड, टोकई इंपीरियल रबड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनियां भाग लेंगी। उन्होंने बताया कि इस रोजगार मेले में दसवीं, बारहवीं, चिकित्सा आहार विशेषज्ञ, प्रयोगशाला तकनीशियन, ऑपरेशन थियेटर तकनीशियन आदि प्रार्थी अपने रिज्यूम व फोटोग्राफ की दो-दो प्रतियां लेकर सुबह 10 बजे पलवल के रोजगार कार्यालय में उपस्थित होवें। उन्होंने सभी प्रार्थियों से आह्वान किया है कि वे निर्धारित तिथि व समय पर अपने समस्त दस्तावेजों के साथ आकर आयोजन का अधिक से अधिक लाभ उठाएं।

आक्रोश रैली को लेकर सर्व कर्मचारी संघ ने चलाया अभियान

पलवल। पुरानी पेंशन बहाल करने, खाली पड़े साढ़े तीन लाख पदों पर स्थाई भर्ती करने, कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने सहित विभिन्न मांगों को लेकर सर्व कर्मचारी संघ की चार फरवरी को रोहतक में होने वाली राज्य स्तरीय आक्रोश रैली में पलवल जिले से कर्मचारी बढ़ चढ़कर भाग लेंगे। इस रैली को लेकर जिले भर के कर्मचारियों में काफी उत्साह है। यह बात सर्व कर्मचारी संघ पलवल के जिला प्रधान राजेश शर्मा, सचिव योगेश शर्मा, देवी सिंह सहजवाल और हरकेश सौरोत ने कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कही। रैली की तैयारियों को लेकर मंगलवार सर्व कर्मचारी संघ के नेताओं नागरिक अस्पताल, सिंचाई विभाग, शिक्षा विभाग मार्केट कमेटी, पब्लिक हेल्थ पटवार एवं कानूनगो आदि विभागों सीट टू सीट संपर्क अभियान चलाया गया और कर्मचारियों को रैली में अधिक से अधिक संख्या भाग लेने का निमंत्रण दिया गया। कर्मचारी नेताओं ने कहा कि हरियाणा सरकार का कर्मचारियों के प्रति नकरात्मक और दोगला चेहरा है। सरकार जनता को गुमराह कर रही है। योगेश शर्मा ने बताया कि सरकार विभागों में नियमित भर्ती न करके कम वेतन पर कौशल रोजगार निगम के माध्यम से कर रही है एवं विभागों को बंद करने पर तुली हुई है। कौशल रोजगार निगम युआओं के साथ धोखा है। सरकार कौशल रोजगार निगम को जल्द से जल्द बंद करके दो साल से कार्यरत कर्मचारियों को नियमित करने की नीति बनाएं। उन्होंने कहा कि सरकार केंद्र की तर्ज पर सातवें वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार मकान भत्ते में वृद्धि करे और हरियाणा का अलग से वेतन आयोग का गठन किया जाए।

पुरानी मांगों को जल्द पूरा करे सरकार : राजेश शर्मा

पलवल। कर्मचारियों के लंबित मांग मुद्दों व सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा चार फरवरी को रैली की तैयारी को लेकर खंड पलवल के सभी कार्यालयों में सिट टू सीट कर्मचारियों से संपर्क किया। जिला प्रधान राजेश शर्मा की अध्यक्षता में जिला सचिव योगेश शर्मा, हरकेश सौरोत, जिला कोषाध्यक्ष देवी सिंह सहजवार, मैकेनिकल वर्कर्ज यूनियन के राज्य उपप्रधान राकेश तंवर ने बताया कि कच्चे कर्मचारियों को पक्का करवाने, पुरानी पेंशन बहाली, रेगुलरइजेशन की नीति बनवाने, विभागों के निजीकरण पर रोक लगाने व विभिन्न वर्गो के कर्मचारियों की वेतन विसंगतियों को ठीक करवाने, कौशल रोजगार निगम की समाप्ति आदि 15 सूत्रीय मांग पत्र को लेकर रोहतक में जोरदार रैली की जायेगी। रैली की तैयारियों को लेकर पब्लिक हेल्थ, पटवारी एसोसिएशन, स्वास्थ्य विभाग, आईटीआई, मार्केट कमेटी, वन विभाग में जत्थे गये। इसी तरह जिले के सभी ब्लॉकों में सर्व कर्मचारी संघ के खंड स्तर पर जत्थे चलाए गए।

वकील की बेटी अनमोल खरब ने जीता स्वर्ण पदक

फरीदाबाद। वकील की बेटी अनमोल खरब ने राजस्थान के जोधपुर में ऑल इंडिया सीनियर रैंकिंग टूनमिंट में एक बार फिर गौरव बढ़ाया है। उन्होंने महाराष्ट्र और दिल्ली की खिलाड़ियों को हराकर यह जीत हासिल की है। स्वर्ण पदक जीतने पर बार काउंसिल पंजाब एंड हरियाणा के पूर्व मनोनीत सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने उनके घर जाकर पौधे देकर स्वागत किया। जिला बार एसोसिएशन के पूर्व महासचिव व चेयरमैन कुंवर दलपत सिंह एडवोकेट ने अनमोल को इस जीत पर बधाई दी है। अनमोल ने क्वार्टर फाइनल में श्रुति मुंडाडा को 21-10, 21-18 से हराया। सेमिफाइनल में दिल्ली की भव्य ऋषि को 21-17, 18-21 व 21-9 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया था। फाइनल में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए 13- 21, 21-11 व 21-19 से महाराष्ट्र की खिलाड़ी अलीशा नायक को हराकर टूनर्नामेंट में खिताबी जीत हासिल की। बता दें, 16 वर्ष की आयु में अनमोल अंडर-16, 19 और सीनियर वर्ग की चैंपियन रही है। नोएडा की अकादमी से ले रहीं प्रशिक्षण।वशिष्ठ ने कहा अनमोल ने अपने बैडमिंटन करियर की शुरुआत सेक्टर-15 स्थित सामुदायिक भवन से की थी। इसके बाद जिला बैडमिंटन संघ की अकादमी में अभ्यास शुरू किया था। पिछले कुछ समय से बेहतर तैयारी के लिए नोएडा स्थित अकादमी में अभ्यास कर रही है। अनमोल फरीदाबाद की पहली ऐसी खिलाड़ी हैं, जो अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुई थी। वह 13 से 18 फरवरी तक मलेशिया में होने वाली एशिया बैडमिंटन चैंपियनशिप के लिए चयन हुआ है।

सरपंचों और ग्राम सचिवों को मानकों की दी जानकारी

पलवल। भारतीय मानक ब्यूरो फरीदाबाद ने मंगलवार को पलवल के लघु सचिवालय के सभागार में ग्राम पंचायतों के सरपंचों के साथ-साथ ग्राम सचिवों को प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी उपमा अरोड़ा ने की। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिला के समस्त सरपंचो व ग्राम सचिवों ने भाग लिया। डीडीपीओ उपमा अरोड़ा ने कहा कि हम जो वस्तु अपने खान-पान में शामिल कर रहे हैं उनके बारे में हमें जागरूक होना बहुत जरूरी है। कुछ भी प्रोडक्ट लेते समय हमें उस सामान की वैधता तथा वह सामान किन-किन खाद्य पदार्थों से मिलकर बना है अथवा वह सही मार्का है अथवा नहीं, इन सभी का ज्ञान होना चाहिए। इसके बारे में हमें खुद भी जागरूक होना है तथा अन्य लोगों को भी जागरूक करना है। इससे अन्य नागरिकों में भी जागरूकता का एक सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। बीआईएस की सलाहकार तुलिका झा ने प्रशिक्षण के दौरान ग्राम पंचायतों के सरपंचों और ग्राम सचिवों को भारतीय मानकों और गुणवत्ता पारिस्थितिकी तंत्र के बारे में विस्तार से जानकारी देकर जागरूक किया। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत स्तर पर विभिन्न कार्यक्रमों और योजनाओं के क्रियान्वयन के लिए भारतीय मानकों का उपयोग करने के लिए क्षमता निर्माण दिशा में कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बीआईएस केयर ऐप की भी जानकारी दी। बीआईएस के ग्रेजुएट इंजीनियर गुनदीप कश्यप ने बताया कि बीआईएस ऐप के माध्यम से प्रोडक्ट का आईएस नंबर अंकित करके संबंधित उत्पाद के निर्माण की गुणवत्ता का पता लगाया जा सकता है।

आतंकियों की हत्या

पाकिस्तान का दावा

पाकिस्तान में दो आतंकियों की हत्या पर इस्लामाबाद ने इसका आरोप भारतीय संपर्कों पर लगाया है। इस प्रकार पाकिस्तान अपनी आदत के अनुसार फिर भारत पर निशाना लगा रहा है। भारत-कनाडा विवाद से संकेत लेकर इस्लामाबाद ने भारत पर दो पाकिस्तानी नागरिकों की हत्या में षडयंत्र का आरोप लगाया है जो ज्ञात आतंकी थे। हालांकि, अब कनाडा से विवाद हल्का हो गया है और ओटावा ने भी स्वीकार किया है कि भारत जांच में सहयोग कर रहा है। आश्चर्य की बात नहीं कि पाकिस्तान कनाडा जैसी स्थिति पैदा करना चाहता है, लेकिन प्रमाणों की जांच करना तथा पाकिस्तान का झूठ उजागर करना जरूरी है। दो आतंकियों की कथित हत्या की गहराई से जांच करने के बजाय पाकिस्तान ने जल्दी से भारत की ओर उंगली उठा दी। ऐसा कर वह असली मुद्दों से ध्यान हटाना तथा एक समानान्तर विमर्श तैयार करना चाहता है ताकि अपने भू-राजनीतिक हितों के लिए जनता का दृष्टिकोण बदल सके। लेकिन यह गौर करना जरूरी है कि हर घटना का एक विशिष्ट संदर्भ होता है और इससे जटिल भू-राजनीतिक परिवर्तनों का अति-सरलीकरण नहीं किया जा सकता है। भारत ने इस मामले में स्पष्ट रूप से अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और इसके साथ ही उसने तथ्यों का पता लगाने के लिए पारदर्शी और निष्पक्ष जांच का अनुरोध किया है। नई दिल्ली ने इस्लामाबाद को चुनौती दी है कि वह अपने दावों के पक्ष में स्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत करे। यह पहली बार नहीं है जब पाकिस्तान ने अपनी समस्याओं का दोष भारत पर मढ़ने का प्रयास किया है। वह अक्सर बिना किसी प्रमाण के आरोप लगाता रहा है कि भारत बलूचिस्तान में विद्रोह को बढ़ावा दे रहा है।

नवीनतम आरोप को इस परिदृश्य के संदर्भ में देखा जाना चाहिए कि पाकिस्तान अपनी धरती पर आतकवादियों को पालता-पोसता रहा है।

याद रखा जाना चाहिए कि पाकिस्तान ने ओसामा बिन लादेन को 'सुरक्षित स्वर्ग' उपलब्ध कराया था। वर्तमान समय में पाकिस्तान के अस्तित्व पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है और वह अपनी कमियों का दोष दूसरों पर मढ़ने के लिए कुछ भी करने को तैयार है। पाकिस्तान में जो आतंकी उपद्रव मचा रहे हैं उनको स्वयं उसने ही तैयार किया है। ऐसे में अपने देश में कट्टरपंथियों को संतुष्ट करने के लिए किए जाने वाले 'नाटक' का उसे कोई लाभ नहीं होगा। पाकिस्तान का इतिहास है कि वह अपने आंतरिक मुद्दों से ध्यान हटाने तथा अंतरराष्ट्रीय संवेदना प्राप्त करने के प्रयास करता रहा है। भारत पर आरोप लगा कर पाकिस्तान स्वयं को बाहरी हमले से पीड़ित बताने का प्रयास कर रहा है। वह सुविधाजनक रूप से अपनी सीमाओं के भीतर मौजूद आतंक को अनदेखा करना चाहता है। चूंकि दुनिया पाकिस्तानी दावों की जांच करेगी, इसलिए इस्लामाबाद को कथित हत्याओं में भारत की संलिप्तता के जांच योग्य प्रमाण प्रस्तुत करने चाहिए। जब तक ऐसे प्रमाण नहीं दिए जाते हैं तब तक अंतरराष्ट्रीय समुदाय को जल्दी से पाकिस्तानी विमर्श स्वीकार करने से बचना चाहिए। इसके बजाय देशों तथा वैश्विक संगठनों को घटना की गंभीर और निष्पक्ष जांच पर जोर देना चाहिए। इस प्रकार वे सत्य उजागर करने तथा राजनीतिक लाभ के लिए तथ्यों की तोड़-मरोड़ से बचने में सहायक सिद्ध होंगे। भारत द्वारा दो आतंकियों की हत्या में संलिप्तता के आरोपों की गहन जांच होनी चाहिए। अंतरराष्ट्रीय समुदाय को वस्तुनिष्ठ होना चाहिए। पाकिस्तान का झूठ उजागर कर दुनिया क्षेत्रीय स्थायित्व में सहयोग कर देशों को उनकी कार्रवाइयों के लिए जिम्मेदार ठहरा सकती है। इस प्रकरण में सच्चाई और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता दक्षिण एशिया में जटिल भू-राजनीति को देखते हुए जरूरी है।

ग्रामीण भारत में बेहतर स्कूली शिक्षा

सरकार के समर्थन के बावजूद वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट-असर से संकेत मिलते हैं कि सभी राज्यों में शिक्षा सुधारों पर तेजी से अमल नहीं हो रहा है। इससे ग्रामीण भारत में स्कूली शिक्षा प्रभावित हो रही है।

जे.एस. राजपूत
(लेखक, शिक्षा क्षेत्र से संबद्ध हैं)

सरकार के समर्थन के बावजूद वार्षिक शिक्षा स्थिति रिपोर्ट से संकेत मिलते हैं कि सभी राज्यों में शिक्षा सुधारों पर तेजी से अमल नहीं हो रहा है। हाल ही में गैर-सरकारी संस्था 'प्रथम' द्वारा प्रकाशित 'ऐनुअल स्टेटस आफ एजुकेशन रिपोर्ट'-असर ने एक बार फिर शिक्षा के क्षेत्र में दिलचस्पी लेने वाले लोगों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। इससे भारत के भविष्य तथा ज्ञानवान समाज बनाने के उसके उद्देश्य पर भी ध्यान जाता है। पहली 'असर' रिपोर्ट 2005 में आई थी। उम्मीद की गई थी कि इससे न केवल शिक्षा व्यवस्था में कार्यरत लोगों, बल्कि पूरे भारत का ध्यान आकर्षित होगा और यह उनकी चिन्ता का विषय बनेगी। उस समय सरकारी स्कूलों की विश्वसनीयता और जनता में उनकी स्वीकार्यता बहुत कम हो गई थी जिसके कारण वित्तीय रूप से सक्षम लोग अपने बच्चों को निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने के सारे प्रयास करते थे। मजेदार बात है कि भारत में निजी स्कूलों को 'पब्लिक स्कूल' कहा जाता है। लेकिन असर रिपोर्ट के बावजूद शिक्षा में यह गिरावट जारी रही जिसके परिणामस्वरूप शहरों और कस्बों में निजी स्कूलों की प्री-स्कूल कक्षाओं में प्रवेश की भारी भीड़ लगने लगी।

लोग अपने बच्चों की शिक्षा के लिए मनमानी फीस देने को तैयार थे तथा महत्वाकांक्षी मध्यवर्गीय लोग अपने जरूरी पारिवारिक खर्च घटा कर भी बच्चों को अच्छे स्कूलों में शिक्षा दिलाना चाहते थे। इसके लिए बहुत से लोग कर्ज भी लेने को तैयार दिखते हैं। विडंबना है कि जनता के इस आकर्षण के बावजूद अनेक निजी स्कूलों में भी शिक्षा की गुणवत्ता मानकों के अनुसार ठीक नहीं कही जा सकती है। हालांकि, पिछले वर्षों में भारत में स्कूली शिक्षा में अनेक मोर्चों पर उल्लेखनीय प्रगति हुई है। लेकिन इसके बावजूद शिखा की गुणवत्ता, कौशल प्राप्ति तथा संस्थागत कार्य संस्कृति जैसे अनेक मोर्चों पर चिन्तायें भी उभर कर सामने आई हैं। पिछले कुछ दशकों की एक महान उपलब्धि यह है कि लड़कियों को शिक्षा दिलाने की सामाजिक स्वीकार्यता बहुत बढ़ी है और इसे ग्रामीण भारत में भी समान रूप से स्वीकार किया गया है। लेकिन इसके बावजूद लड़कों और लड़कियों की शिक्षा तथा उनको प्राथमिकता को लेकर खाई बरकरार है। वर्तमान रिपोर्ट से पता चलता है कि जहां 43.7 प्रतिशत लड़कों के पास स्मार्टफोन था, वहीं केवल 19.8 प्रतिशत लड़कियों को यह सुविधा मिल रही थी।

हालांकि, यह तथ्य प्रेरणादायक है कि 90 प्रतिशत बच्चों के घर में स्मार्टफोन थे। वर्तमान सर्वेक्षण भारत के 26 राज्यों के 28 जिलों में 14-18 वर्ष के ग्रामीण बच्चों में किया गया और इसमें 34,745 बच्चों को शामिल किया गया। 'बड़े होने' की गुणवत्ता का संकेत उन बच्चों के प्रतिशत से मिलता है जो भविष्य में अपने कामकाज की आकांक्षा प्रकट करते हैं। यह देख कर निराशा होती है कि कवेल 21 प्रतिशत ने इस सवाल का जवाब दिया कि वे आने वाले वर्षों में क्या बनना चाहेंगे। काम के प्रति सर्वाधिक पसंद के मामले में 13 प्रतिशत ने कहा कि वे पुलिस में जाना चाहते हैं, जबकि 11.4 प्रतिशत ने शिक्षक बनने की इच्छा जताई। विडंबना है कि केवल 1.4 प्रतिशत बच्चे ही कृषि संबंधी कार्य करना चाहते थे। अन्य अध्ययनों तथा बच्चों से संवाद के माध्यम से सुरक्षित रूप से यह नतीजा निकाला जा सकता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षक बनने की इच्छा माता-पिता और परिवारी सदस्यों की प्राप्त करने योग्य पसंद पर निर्भर है। हालांकि, पुलिस में नौकरी की इच्छा थोड़ा संदेह के दायरे में है क्योंकि जनता में व्याप्त सोच के आधार पर इसके लिए बहुत अधिक संसाधनों और साधनों की जरूरत होगी। शिक्षकों की नौकरी के लिए भी दृष्टिकोण में तेजी से बदलाव आ रहा है। सुनिश्चित नौकरी या नियमित रूप से भर्ती निश्चित नहीं है।

यदि किसी की मानदेय-आधारित शिक्षा-कर्मी के पद पर आकर्षक पदनाम के साथ भर्ती हो भी जाती है तो सालों तक उस पर अनिश्चितता की तलवार लटकी रहती है। यह भी एक तथ्य है कि शिक्षकों पर शिक्षा-नौकरशाहों की तलवार हमेशा लटकती रहती है। इससे शिक्षक की समय पर हाजिरी भले ही सुनिश्चित हो जाए, पर बच्चों को पढ़ाने में उसका मन लगना जरूरी नहीं है। हालांकि, अनेक शिक्षामित्र पूरी मेहनत से बच्चों को शिक्षा देने में अपने कौशल का प्रयोग करते हे ंऔर उनको बच्चों तथा उनके माता-पिता से समुचित सम्मान भी मिलता है। लेकिन इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि उनको नियमित वेतनमान और ग्रेड पर नौकरी में शामिल किया जाएगा।

इस संबंध में शिक्षा व्यवस्था से भी लोगों को बहुत उम्मीदें हैं। व्यवस्था से सभी लोगों को उम्मीद है कि वह ज्यादा उदार, प्रभावशाली, पारदर्शी, संवेदनशील तथा पढ़ने वालों के लिए सहायक होगी। नई शिक्षा नीति-एनईपी-2020 की घोषणा तथा उसके क्रियान्वयन का अब चौथा साल शुरू हो गया है। उम्मीद की जाती थी कि इससे होने वाले परिवर्तन जल्द ही दिखने लगेंगे। लेकिन यह तथ्य रेखांकित किया जाना चाहिए कि स्कूली शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार, खासकर ग्रामीण स्कूलों की शिक्षा में सुधार मुख्यत: राज्य सरकारों की प्राथमिकता पर निर्भर है। केन्द्र सरकार ने शिक्षा सुधारों के मामले में राज्यों की अनेक प्रकार से फौरन सहायता की है। इसमें अकादमिक व पेशेवर समर्थन के साथ वित्तीय योगदान भी शामिल है ताकि अतिरिक्त शिक्षकों की भर्ती के साथ ढांचागत संरचना में सुधार हो सके। लेकिन अनेक राज्यों ने शिक्षा को समुचित प्राथमिकता नहीं दी है। यह बात खासकर बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों के लिए सहीं है जहां शिक्षा सुधारों को तत्काल लागू करना जरूरी हो गया है। असर रिपोर्ट पर गौर करने से स्पष्ट होता है कि राष्ट्र को इस मुद्दे पर विचार करना चाहिए। हर बच्चे को अच्छी गुणवत्ता वाली शिक्षा देना और उसे आवश्यक कौशल प्रदान करना बहुत जरूरी हो गया है। इसमें सक्रिय पेशेवर कार्य के दौरान लगातार आवश्यक कौशल प्राप्त करना भी शामिल है। यह भी जरूरी है कि सभी लोग 'न्यू इंडिया' के निर्माण में शिक्षकों और स्कूलों की प्राथमिक भूमिका समझें।

वर्तमान समय में सभी लोग इसे नहीं समझ रहे हैं। अपनी बात स्पष्ट करने के लिए में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 से यह संदर्भ देना चाहूंगा-'सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2012 में गठित जस्टिस जे.एस. वर्मा आयोग के अनुसार, बहुसंख्य 20,000 टीईआई में से स्टैंड-एलोन संस्थान शिक्षक शिक्षण के प्रति गंभीर नहीं हैं, बल्कि वे एक कीमत लेकर डिग्रियां बांट रहे हैं। अब तक व्यवस्था में विकृतियां दूर करने के नियमित प्रयास नहीं किए गए हैं और हम गुणवत्ता मानक ही प्रभावी रूप से लागू कर सके हैं। वास्तव में इसका नकारात्मक असर उत्कृष्टता विकसित करने तथा क्षेत्र में खोजी क्षमताओं के विकास के मामले में पड़ा है। इसलिए क्षेत्र को तत्काल पुनर्जीवित करने के लिए एक नियामक तंत्र बनाने की आवश्यकता है।'

देश के ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा की असलियत उजागर करने वाली 'असर' रिपोर्ट पर व्यक्तियों तथा संस्थानों को गंभीरता से गौर करना चाहिए। यह रिपोर्ट उनके लिए प्रेरणादायक होनी चाहिए। खासकर ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूली शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए गतिशील, सटीक तथा सही सुधारों को फौरन लागू करना चाहिए। स्कूलों तथा यहां तक कि व्यावहारिक शिक्षा देने वाले संस्थानों में वर्तमान समय में प्रायोगिक कार्य पर जोर नहीं दिया जा रहा है। इनमें पालीटेक्निक व इंजीनियरिंग कालेज भी शामिल हैं। यह अत्यधिक चिन्ता का विषय है। इस विसंगति के कारण सैकड़ों इंजीनियरिंग व प्रबंधन संस्थान बंद हो चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद जमीनी स्तर पर ज्यादा सुधार नहीं दिख रहे हैं। किसी जीवन्त व संवेदनशील व्यवस्था में यह स्थिति पूरी तरह अस्वीकार्य है।

परीक्षा को उत्सव की तरह मनाएं

"भारतीय शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक सफलता को छात्र के समग्र मूल्य के साथ जोड़ने की प्रवृत्ति देखी गई है, जिससे अनजाने में उच्च दबाव का माहौल बन गया है।

प्रियंक कानूनगो
(लेखक, राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग के अध्यक्ष हैं)

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) के अध्यक्ष के रूप में, मैंने भारतीय शिक्षा प्रणाली की परिवर्तनकारी यात्रा को करीब से देखा है, खासकर परीक्षाओं के संदर्भ में। इस परिवर्तन के केंद्र में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी की परीक्षा पे चर्चा पहल है, जो परीक्षाओं के तनाव को कम करने का एक अग्रणी प्रयास है। हमें इस महत्वपूर्ण बदलाव को समझने और परीक्षा प्रक्रिया को तनावमुक्त करने के लिए एक सामाजिक आंदोलन की वकालत करने की आवश्यकता है।

पिछले कुछ दशकों में, भारतीय शिक्षा प्रणाली में शैक्षणिक सफलता को छात्र के समग्र मूल्य के साथ जोड़ने की प्रवृत्ति देखी गई है, जिससे अनजाने में उच्च दबाव का माहौल बन गया है। इस दृष्टिकोण के कारण छात्रों की चिंता और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं सहित नकारात्मक परिणाम सामने आए हैं। %परीक्षा पे चर्चा% एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में उभरी है, जो परीक्षाओं को ज्ञान और सीखने के उत्सव के रूप में देखकर इस दृष्टिकोण को फिर से परिभाषित करती है।

शैक्षिक क्षेत्र में अपने अनुभवों और बातचीत के माध्यम से, मैं इस सांस्कृतिक बदलाव के महत्व को समझ गया हूं। प्रधान मंत्री मोदी द्वारा शुरू किए गए वार्षिक संवाद केवल बातचीत नहीं हैं; वे राष्ट्रव्यापी शैक्षिक सुधार के उत्प्रेरक हैं। ये इंटरैक्शन विचारों और चिंताओं के आदान-प्रदान की अनुमति देते हैं, जिससे छात्रों के लिए एक सहायक और समझने योग्य वातावरण को बढ़ावा मिलता है।

परीक्षा पे चर्चा के मूल में समग्र शैक्षिक दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करना है। यह ग्रेड और अंकों पर पारंपरिक फोकस को चुनौती देता है, एक ऐसी प्रणाली की वकालत करता है जो समझ, आलोचनात्मक सोच और ज्ञान के व्यावहारिक अनुप्रयोग को महत्व देती है। इस परिवर्तन में माता-पिता और शिक्षक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कई भारतीय घरों में, यह गहरी धारणा है कि अकादमिक उत्कृष्टता ही सफलता का एकमात्र रास्ता है, जो अक्सर अन्य प्रतिभाओं और कौशलों पर भारी पड़ती है। इस मानसिकता को बदलना जरूरी है. हमें एक संतुलित दृष्टिकोण को बढ़ावा देने की आवश्यकता है जहां शैक्षणिक उपलब्धियों को स्वीकार किया जाए, लेकिन बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य या व्यक्तिगत विकास की कीमत पर नहीं।

इसके अलावा, भारतीय सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की मांग करता है जो अनुकूलनीय और समावेशी हो। परीक्षा पे चर्चा इस आवश्यकता को स्वीकार करती है और एक ऐसी शिक्षा प्रणाली का समर्थन करती है जो विविध प्रतिभाओं का पोषण करती है, आलोचनात्मक और रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करती है, जो भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए आवश्यक है।

हालांकि, ऐसी पहल की सफलता का असली पैमाना पूरे देश में इसकी स्वीकृति और कार्यान्वयन में निहित है। इसके लिए सरकार, शैक्षणिक संस्थानों, अभिभावकों और छात्रों के सहयोगात्मक प्रयास की आवश्यकता है। इन प्रयासों के अलावा, शिक्षा के उद्देश्य पर व्यापक संवाद की भी आवश्यकता है। शिक्षा केवल परीक्षा में अच्छे अंक लाने के बारे में नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक सर्वांगीण व्यक्तित्व के विकास के बारे में भी होनी चाहिए। इसमें भावनात्मक बुद्धिमत्ता, नैतिक मूल्यों और सामाजिक जिम्मेदारी की भावना का पोषण शामिल है। परीक्षा पे चर्चा इन व्यापक पहलुओं पर चर्चा शुरू करने, हमारी भावी पीढ़ियों के अधिक व्यापक विकास को सुनिश्चित करने का एक मंच हो सकता है।

इसके अलावा, नवीन शिक्षण पद्धतियों को एकीकृत करना सीखने के अनुभव को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इंटरैक्टिव और अनुभवात्मक शिक्षण विधियां शिक्षा को अधिक आकर्षक और कम डराने वाली बना सकती हैं।

परीक्षा पे चर्चा एक ऐसी शिक्षा प्रणाली की ओर एक यात्रा है जो व्यक्तिगत क्षमता का सम्मान और पोषण करती है। यह एक ऐसे युग की शुरुआत का प्रतीक है जहां परीक्षाएं एक बड़े, अधिक समृद्ध शैक्षिक अनुभव का हिस्सा हैं। हमारी सामूहिक जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करना है कि यह परिवर्तन हमारे शैक्षिक दर्शन में गहराई से शामिल हो। निरंतर प्रयासों और एकजुट दृष्टिकोण के साथ, हम परीक्षाओं को समझने के तरीके को फिर से परिभाषित कर सकते हैं, जिससे एक ऐसा भविष्य बन सकता है जहां हमारे बच्चे न केवल शैक्षणिक रूप से कुशल होंगे बल्कि भावनात्मक और नैतिक रूप से भी मजबूत होंगे।

इस संदर्भ में, इस तनाव मुक्त परीक्षा दृष्टिकोण के व्यापक निहितार्थों को संबोधित करना महत्वपूर्ण है। तनाव कम करने का मतलब केवल परीक्षा पैटर्न बदलना नहीं है; इसमें एक ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण शामिल है जो मानसिक कल्याण का समर्थन करता है और निरंतर सीखने को प्रोत्साहित करता है। इसमें घर और स्कूल दोनों जगह सहायक माहौल बनाना शामिल है, जहां बच्चे खुद को स्वतंत्र रूप से अभिव्यक्त कर सकें और बिना किसी हिचकिचाहट के मदद मांग सकें।

इसके अतिरिक्त, जीवन कौशल और भावनात्मक बुद्धिमत्ता को पाठ्यक्रम में शामिल करना आवश्यक है। आज की तेजी से बदलती दुनिया में, छात्रों को लचीलापन, अनुकूलनशीलता और सहानुभूति जैसे कौशल से लैस होने की आवश्यकता है। शैक्षणिक ज्ञान के साथ-साथ ये कौशल उन्हें जीवन की चुनौतियों का प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए तैयार करेंगे।

शिक्षकों, नीति निर्माताओं और हितधारकों के बीच निरंतर संवाद से शैक्षिक सुधार के लिए अधिक जानकारीपूर्ण और प्रभावी रणनीति बन सकती है। परीक्षा पे चर्चा खुले संचार और साझा सीखने की संस्कृति को बढ़ावा देने वाले ऐसे सहयोगी प्रयासों के लिए एक मॉडल के रूप में काम कर सकती है।

आप की बात

पाकिस्तान की असलियत

भारत ने आतंकी हाफिज सईद को फिर से प्रत्यर्पित करने की मांग की है। भारत में आतंकी गतिविधियां चलाने के लिए न केवल हाफिज सईद बल्कि दाऊद इब्राहिम, अजहर महमूद, छोटा शकील, टाइगर मेमन, अयूब मेमन, सैयद सलाउद्दीन समेत अनेक आतंकी जिम्मेदार हैं। पाकिस्तान दोनों देशों के बीच में प्रत्यर्पण संधि न होने का बहाना बना कर भारत की मांग ठुकरा देता है। हालांकि, सर्जिकल स्ट्राइक व एयर स्ट्राइक के बाद पाकिस्तान भारत में बड़ी आतंकी घटनायें करने में सफल नहीं हुआ है, पर वह दुनिया में खालिस्तान के नाम पर भारत-विरोध को बढ़ावा दे रहा है। वैसे दुनिया अब पाकिस्तान की असलियत समझ गई है और अधिकांश देश उसे आतंकवाद का गढ़ मानते हैं। लेकिन एफएटीएफ की कार्रवाई हल्की होने के कारण फिर पाकिस्तान में आतंकी-सरपरस्तों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। ऐसे में भारत को एक बार फिर पाकिस्तान पर एफएटीएफ का शिकंजा कसने के लिए राजनयिक प्रयास तेज करने चाहिए। अनुच्छेद 370 हटाने के बाद से अब कश्मीर घाटी की जनता भी भारत सरकार के साथ पूरी मजबूती से खड़ी है। अनेक देशों ने जम्मू कश्मीर में आमूल बदलाव को अपनी आंखों से देखा है। ऐसे में पाकिस्तान को दुनिया में अलग-थलग करने के प्रयास ज्यादा स्वीकार्य होंगे।

– **एमएम राजावत,** शाजापुर

समय पर न्याय

सुप्रीम कोर्ट की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर प्रधानमंत्री ने ईज़ आफ जस्टिस की अवधारणा प्रस्तुत की जिसके अनुसार समय पर न्याय मिलना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है। हर साल लंबित मुकदमों की संख्या बढ़ती जा रही है! सरकार शीघ्र न्याय के लिए प्रयास करती दिखती है, मगर मुकदमों की बढ़ती संख्या इन प्रयासों की व्यापकता पर सवाल खड़े करती है। अच्छी बात है कि न्यायालय में एआई, इंटरनेट प्रयोग और डॉक्यूमेंट की ई-फाइलिंग की जा रही है जिससे न्याय की गति तेज होगी। देश की बढ़ती जनसंख्या को देखते हुए सभी प्रकार के न्यायालयों की संख्या बढ़ाने के साथ ही उनमें खाली पदों की तुरन्त पूर्ति होनी चाहिए। भारत के प्रधान न्यायाधीश ने स्वयं ही न्यायालयों के अत्यधिक अवकाश पर विचार करने की बात कही है। सरकार ने ब्रिटिश काल के आपराधिक कानूनों को बदला है जिनके क्रियान्वयन पर समय पर न्याय मिलने में आसानी होगी। न्यायपालिका में सुधार के लिए बार या वकीलों के कामकाज, सेवाशर्तों तथा फीस के ढांचे में सुधार और पारदर्शिता की भी जरूरत है। अधीनस्थ न्यायालयों की ढांचागत संरचना तथा उनकी कार्यशैली में तुरन्त आमूल परिवर्तन की आवश्यकता है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

अदालतों पर बोझ

न्यायिक सुधारों एवं आधारभूत संरचनाओं में वृद्धि के बावजूद 2023 में लंबित मामलों की कुल संख्या 5 करोड़ से अधिक है। इनमें जिला व उच्च न्यायालयों में 30 वर्षों से अधिक समय से लंबित 169,000 से अधिक मामले शामिल हैं। ऐसे में कुछ हास्यास्पद मामलों को लाकर लोग अदालतों का बेशकीमती समय बर्बाद करने में थोड़ा भी नहीं हिचकते। अब अदालत इस बात पर निर्णय कर रही है कि बटर चिकन और दाल मखानी को सर्व प्रथम किसने बनाया था। दिल्ली की एक रेस्तरां श्रृंखला के मालिकों ने प्रतिद्वंद्वी ब्रांड के खिलाफ उच्च न्यायालय में मुकदमा दायर किया है। फैसला किसी के भी पक्ष में आए तो क्या लाखों होटलों में परोसे जाने वाले बटर चिकन पर उसे रॉयल्टी मिलने लगेगी। अदालतों पर ऐसे ही निरर्थक मामलों के बोझ के कारण देश के अनेक लोग अपने मानवाधिकार उल्लंघनों का समुचित और समय पर निदान नहीं प्राप्त कर पाते हैं। गरीब और निरक्षर लोग अक्सर विचाराधीन कैदियों के तौर पर ही सालों जेलों में बिताने पर मजबूर होते हैं। न्यायपालिका के विस्तार के दावों के बावजूद अधीनस्थ अदालतों में भारी संख्या में जजों की कमी से अदालतों पर बोझ और बढ़ता जा रहा है जिसका खामियाजा जनता भुगतती है।

जंग बहादुर सिंह, जमशेदपुर

भारत की प्रगति

पिछले 9 वर्षों में भारत में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं परन्तु सत्य है। डिजिटल लेनदेन के क्षेत्र में 2014 की तुलना में 100 गुना बढ़ोत्तरी हुई है। आईआईटी, आईआईएम और एम्स की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है। प्रतिदिन राजमार्ग निर्माण की दर लगभग 7 गुना बढ़ गयी है। वर्तमान सरकार का लक्ष्य 2047 तक भारत को पूर्ण विकसित राष्ट्र बनाने का है। वर्तमान प्रगति को देखते हुए ये सपना साकार होता नज़र आने लगा है। भारत सांस्कृतिक, आध्यात्मिक व भौतिक क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित करने के लिए उत्साह और उत्सुकता से आगे बढ़ रहा है। 22 जनवरी, 2024 को अयोध्या में भव्य राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर देश में नयी ऊर्जा का संचार हुआ है। यह भारत में सांस्कृतिक पुर्नजागरण का संकेत है कि उसने अपने इष्ट और आराध्य को पूरे हर्षोल्लास के साथ बिना किसी सरकारी योगदान के पूर्ण समृद्धिशाली ढंग से स्थापित किया है। देश रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बन रहा है। भारत की प्रगति का सबसे बड़ा प्रमाण लाखों-करोड़ों युवाओं की आंखों में दिखता है जो पूरी तरह आत्मविश्वास से भरे हैं।

– **मनोज पुरुषार्थी,** मेरठ

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फसलों के नुकसान का मुआवजा देने में लापरवाही पर सीएम योगी सख्त

● मुख्यमंत्री ने वंचित किसानों को तत्काल राहत प्रदान करने के दिए निर्देश

● अफसरों ने वंचित किसानों का दोबारा सर्वे कराकर शासन से की बजट की डिमांड

17 जिलों के एसडीएम से जवाब तलब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एक बार फिर लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया है। क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा देने में लापरवाही बरतने पर सीएम योगी ने नाराजगी जताते हुए 17 जिलों के अधिकारियों से जवाब तलब किया है। दरअसलए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में विभिन्न आपदाओं से क्षतिग्रस्त हुई फसलों के मुआवजे और अन्य राहत को लेकर समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने त्रुटियों के कारण फसलों के नुकसान के दोबारा सत्यापन में लापरवाही और मुआवजा नहीं देने पर नाराजगी जताई और अधिकारियों को ऐसे मामलों में तत्काल सत्यापन कराकर किसानों को मुआवजा राशि प्रदान करने के स्पष्ट निर्देश दिये हैं। मालूम हो कि फसलों के नुकसान का सत्यापन करने के बाद प्रदेश सरकार की ओर से किसानों को मुआवजा राशि व अन्य राहत प्रदान की जाती है लेकिन कुछ मामलों में तकनीकी कमियों के कारण कुछ किसानों की फसलों का सत्यापन पूर्ण नहीं हो सका। वहीं दोबारा उनका सत्यापन नहीं किया गयाए जिससे कुछ किसान सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली राहत और मुआवजा राशि प्राप्त नहीं कर सके। इसी को लेकर सीएम योगी ने सख्ती जताते हुए अधिकारियों से जवाब तलब करने के साथ ही वंचित किसानों को तत्काल मुआवजा देने के निर्देश दिये हैं।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समीक्षा बैठक में पाया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 और वर्ष 2022-23 में आपदाओं से क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित हजारों किसानों को डाटा फिडिंग के दौरान आधार, खाता संख्या और डुप्लीकेसी के कारण मुआवजे का भुगतान नहीं किया जा सका जबकि उन्होंने अधिकारियों को दोबारा सत्यापन करा मुआवजे से वंचित किसानों को सहायता राशि देने के निर्देश दिए थे। सीएम योगी के निर्देश के बाद भी प्रदेश के कई जिलों के अधिकारियों ने क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित किसानों का सर्वे नहीं कराया। इसकी वजह से समय से किसानों को मुआवजा नहीं मिल सका। इस पर उन्होंने नाराजगी जाहिर करते हुए कड़ी फटकार लगाई। इतना हीं नहीं उन्होंने लापरवाह 17 एडीएम एफआर से जवाब तलब करते हुए कड़ा एक्शन लेने के निर्देश दिए। सीएम योगी की नाराजगी के बाद हरकत में अधिकारियों ने अपने-अपने जिले में मुआवजे से वंचित किसानों का दोबारा सर्वे कराकर शासन से बजट की डिमांड की है। अपर मुख्य सचिव राजस्व सुधीर गर्ग ने बताया कि प्रदेश के विभिन्न जिलों से क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित वंचित किसानों को तत्काल मुआवजा देने के लिए डिमांड के अनुसार धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है। अभी तक 35 करोड़ से अधिक की धनराशि का भुगतान किया जा चुका है। साथ ही विभिन्न जिलों के जिलाधिकारियों को जल्द से जल्द मुआवजे से छुटे किसानों का सत्यापन कराकर धनराशि के डिमांड के निर्देश दिये गये हैं ताकि कोई भी किसान इससे वंचित न रह जाए।

अपर मुख्य सचिव राजस्व ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर 17 जिलों के एडीएम एफआर से लापरवाही पर जवाब तलब किया गया है। इनमें अलीगढ़, हाथरस, बाराबंकी, मऊ, बरेली, बदांयू, अंबेडकरनगर, शाहजहांपुर, महोबा, देवरिया, कुशीनगर, महाराजगंज, झांसी, ललितपुर, गाजियाबाद, बिजनौर और कौशांबी के एडीएम एफआर शामिल हैं। सभी एडीएम को एक हफ्ते में अपना जवाब शासन को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने बताया कि सभी एडीएम से जवाब मिलते ही रिपोर्ट मुख्यमंत्री के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी। सीएम योगी के निर्देश के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि बाढ़ए ओलावृष्टि और बेमौसम बारिश से 33 प्रतिशत से अधिक क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित किसानों को मुआवजा दिया जाता है। सीएम योगी के निर्देश पर किसानों को मुआवजा धनराशि सर्वे के 24 घंटे में डीबीटी के माध्यम से उनके खातों में भेजी जा रही है।

उन्होंने बताया कि वर्ष 2021-22 में प्रदेश के 75 जिलों के क्षतिग्रस्त फसलों से प्रभावित 1397480 से अधिक किसानों को 5083180715 रुपए से अधिक की सहायता धनराशि दी गई। वहीं वर्ष 2022-23 में 1044387 से अधिक किसानों को 4252241276 रुपए से अधिक की सहायता धनराशि दी गई जबकि वर्तमान वित्तीय वर्ष में जनवरी तक 187845 से अधिक किसानों को 808868299 रुपए से अधिक की सहायता धनराशि वितरित की जा चुकी है।

आत्मनिर्भर भारत के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं बापू के विचार: योगी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर जीपीओ स्थित उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस दौरान बच्चों ने बापू की पुण्यतिथि पर स्वरांजलि दी। इससे पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर बापू को याद किया। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर लिखा, 'मानवता के अप्रतिम प्रतीक राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।' पूज्य बापू के विचार 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत' के संकल्प की सिद्धि का मार्ग प्रशस्त करते हैं। उनकी दी गई शिक्षा में रामराज्य और विश्व शांति की कामना का भाव अंतर्निहित है। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक, मंत्री स्वत्रंतदेव सिंह, मेयर सुषमा खर्कवाल, एमएलसी महेंद्र सिंह आदि ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

गणतंत्र दिवस समारोह में यूपी की झांकी को मिला द्वितीय पुरस्कार

● 'विकसित भारत-समृद्ध विरासत' थीम पर सजाई गई थी झांकी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सीएम योगी के नेतृत्व में विकास के ट्रैक पर तेजी से दौड़ रहे उत्तर प्रदेश को एक बार फिर राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिला है। नई दिल्ली में कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस परेड 2024 में यूपी की मनोरम झांकी ने सभी का दिल जीत लिया। 'विकसित भारत-समृद्ध विरासत' की थीम पर सजाई गई उत्तर प्रदेश की झांकी को 75वें गणतंत्र दिवस पर द्वितीय पुरस्कार मिला है। मंगलवार को नई दिल्ली में उत्तर प्रदेश सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग के निदेशक शिशिर को भारत सरकार के रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट ने प्रशस्ति पत्र व स्मृति चिह्न प्रदान किया। 26 जनवरी को 16 राज्यों-केंद्रशासित प्रदेशों के साथ ही 9 अलग-अलग मंत्रालयों व विभागों की कुल 25 झांकियां निकली थीं। इसमें पीपुल्स च्वॉइस के आधार पर उत्तर प्रदेश ने दूसरा स्थान हासिल किया। अयोध्या में नवनिर्मित राम मंदिर की थीम पर सजाई गई उत्तर प्रदेश की इस झांकी ने सभी को मंत्र मुग्ध कर दिया। इसमें पांच वर्ष के रामलला को हाथों में धनुष लिए दर्शाया गया था। झांकी पर ऋषि-मुनियों के साथ सनातन परंपरा और महाकुंभ आयोजन का अद्भुत नजारा देखने को मिला। साथ ही रैपिड रेल, ब्रह्मोस मिसाइल के प्रदर्शन तकनीक के साथ ही आत्मनिर्भर होते यूपी की झलक पेश कर रहा था। उत्तर प्रदेश के लिए यह गौरव का क्षण है। उत्तर प्रदेश को गणतंत्र दिवस परेड में आकर्षक झांकी के लिए अनवरत पांचवें वर्ष सम्मानित किया गया। 2020 में यूपी की झांकी को द्वितीयए 2021 व 2022 में प्रथम पुरस्कार मिला था। 2023 में पीपुल्स च्वॉइस श्रेणी में द्वितीय व तृतीय पुरस्कार यूपी के खाते में आया। वहीं 2024 में भी पीपुल्स च्वॉइस श्रेणी में उत्तर प्रदेश की झांकी दूसरे स्थान पर रही।

पब्लिक सर्वेंट के लिए आने वाले समय में आएंगी बड़ी चुनौतियां: दुर्गा शंकर मिश्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● मुख्य सचिव से प्रांतीय सिविल सेवा के 47 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र से प्रांतीय सिविल सेवा (कार्यकारी शाखा) 2021 बैच के 47 प्रशिक्षु अधिकारियों ने भेंट की। मुख्य सचिव ने प्रशिक्षु अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश में बड़ी जिम्मेदारी मिली है। समानता के सिद्धांतों को कायम रखते हुए पक्षपात या भेदभाव के बिना कार्य करना होगा। आम नागरिकों को उनकी पृष्ठभूमि या संबद्धता की परवाह किए बिना समान अवसर देकर और उचित व्यवहार करके उनमें शासन के प्रति विश्वास जगाना होगा। उन्होंने कहा कि सिविल सेवा के अधिकारियों की एक अहम जिम्मेदारी होती है कि सरकारी योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक पात्र लोगों मिले, उनके जीवन में किस प्रकार से बदलाव लाया जाए, इस दिशा में गंभीरतापूर्वक कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि समय अब बदल रहा है, पब्लिक सर्वेंट के लिए आने वाले समय में बड़ी चुनौतियां आएंगी। आज के दौर में जन आकांक्षाएं तेजी से बढ़ रही है। सिविल सेवकों को अपने कार्यों, निर्णयों और सार्वजनिक संसाधनों के उपयोग की जवाबदेही खुद तय करनी होगी। उन्होंने कहा कि सिविल सेवकों को समाज के हाशिये पर पड़े, वंचित और कमजोर वर्गों के प्रति उत्तरदायी होना चाहिए। यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आवाज सुनी जाए और उनके अधिकारों की रक्षा की जाए। उन्होंने सिविल सेवा के अधिकारियों को अमृतकाल और 15 अगस्त, 2047 तक भारत को विकसित बनाने में पंचप्रण के महत्व के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि देश विकसित तभी होगा, जब प्रदेश विकसित होगा। इसी प्रकार प्रदेश तभी विकसित होगा, जब प्रत्येक जनपद और जनपद के गांव और शहर विकसित होंगे। गांव में क्या परिवर्तन लाया जा सकता है, इसपर कार्य करने की जरुरत है।

डीजीपी से मिले 11 प्रशिक्षु आईएफएस अफसर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डीजीपी विजय कुमार ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय में भारतीय विदेश सेवा (आईएसएफ) के 11 प्रशिक्षु अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट की। यह सभी प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारी प्रशिक्षण कार्यक्रम के अनुरूप पुलिस विभाग की कार्य प्रणाली से अवगत होने के लिए पुलिस मुख्यालय आए थे। डीजीपी ने भेंटवार्ता के दौरान प्रशिक्षु आईएफएस अधिकारियों को पुलिस कार्यप्रणाली के सम्बन्ध में जानकारी देते हुए उनके जिज्ञासा भरे प्रश्नों का उत्तर दिया गया तथा उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गयी। इस अवसर पर अपर पुलिस महानिदेशक//पुलिस महानिदेशक के जीएसओ सहित पुलिस मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे।

सपा ने शहीद दिवस के रूप में मनाई राष्ट्रपिता की पुण्यतिथि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की पुण्यतिथि आज समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय में 'शहीद दिवस' के रूप में सादगी से मनायी गयी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और सत्य अहिंसाए करुणा और सद्भाव के पुजारी को नमन किया। अखिलेश यादव ने कहा कि गांधी जी ने भारत की आजादी के संघर्ष का नेतृत्व किया और पूरे देश को जगा दिया। भाजपा ने गांधी के रास्ते को देखिये किधर मोड़ दिया। गांधी के रास्ते पर चलने और उनके सपनों को पूरा करने का हमें संकल्प लेना है।

विचारों के बिना नहीं बन सकता कोई भी समाज: अविनाश पाण्डेय

● प्रदेश के सभी 844 ब्लाकों से चलाई जा रही यात्रा का प्रदेश के सभी 75 जिला मुख्यालयों पर हुआ समापन

कांग्रेस मुख्यालय सहित पूरे प्रदेश में कार्यक्रम आयोजित कर बापू को दी गई श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की शहादत दिवस के मौके पर मंगलवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के तत्वावधान में प्रदेश मुख्यालय के साथ ही प्रदेश के सभी जनपदों के कांग्रेस मुख्यालयों पर कार्यक्रम आयोजित कर बापू को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर कांग्रेसजनों द्वारा राम धुन गाकर आजादी के महानायक को याद किया गया। इस अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं प्रभारी उत्तर प्रदेश अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राज ने हजरतगंज स्थित जीपीओ पर राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके अतिरिक्त भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में प्रदेश कांग्रेस द्वारा प्रदेश के सभी 844 ब्लाकों से चलाई जा रही यात्रा का आज प्रदेश के सभी 75 जिला मुख्यालयों पर समापन हुआ। लखनऊ में इस यात्रा का समापन प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय एवं प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की उपस्थिति में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर हुआ।

उत्तर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. उमा शंकर पाण्डेय ने बताया कि बापू के बलिदान दिवस पर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में एक विचार गोष्ठी 'महात्मा गांधी के जीवन का संदेश' आयोजित हुई। जिसमें विशिष्ट अतिथि के रूप में सुविख्यात गांधीवादी चिंतक, लेखक एवं प्रोफेसर राम पुनियानी, सुप्रसिद्ध इतिहासविद अशोक पाण्डेय एवं सुविख्यात सामाजिक चिंतक प्रो. रविकांत ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के महान व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर अपने विचार प्रस्तुत किए। संगोष्ठी का संचालन प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता डॉ. मनीष श्रीवास्तव हिंदवी ने किया।

इस मौके पर अपन अविनाश पाण्डेय ने कहा कि पूज्य बापू के विचार एवं उनके कार्यों को सुनकर आज हम सब गौरवान्वित हो रहे हैं। कोई भी समाज विचारों के बिना नहीं बन सकता है। हम यदि कभी कमजोर महसूस करते भी हैं तो यह तभी होता है जब हम भूल जाते है कि हमारा गौरवशाली इतिहास क्या है। हम अपने गौरवशाली अतीत की नीव पर एक बेहतरीन भविष्य के निर्माण के लिए यहां एकत्रित हुए हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी के विचारों से ओत प्रोत होकर जननायक राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा के माध्यम से दक्षिण से उत्तर और अब भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से पूरब से पश्चिम सम्पूर्ण भारत का भ्रमण कर जन भावनाओं को समझ रहे हैं और लोगों को गले लगाते हुए आत्मविश्वास से लबरेज होकर भारत की विविधता में एकता का बिगुल बजा रहे हैं। राहुल गांधी के इन विचारों से प्रत्येक कांग्रेसजन उत्साहित होकर उनका अनुकरण करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से प्रदेश को जोड़ने का कार्य कर रहे हैं। इसी श्रृखला में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अजय राय के नेतृत्व में निकाली गई 'यूपी जोड़ो यात्रा' की सराहना करते हुए उन्होंने प्रदेश कांग्रेस कमेटी को बधाई दी।

अजय राय ने कहा कि प्रदेश में तिरंगे को महत्व को घटाने का जो कुचक्र भाजपा एवं आरएसएस द्वारा किया जा रहा है उसे समझ कर ही कांग्रेस पार्टी ने 26 जनवरी से 30 जनवरी तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समर्थन में प्रदेश के सभी 844 ब्लाकों में ध्वजवंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसका आज प्रदेश के सभी जनपद मुख्यालयों पर समापन हो रहा है। उन्होंने कहा कि गांधी जो विचार छूट रहे हैं उन्हें गांव-गांव तक ले जाएंगे। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी पूरी ताकत से गांधी की हत्या करने वाली विचारधारा के लोगों को जवाब देगी और 2024 में हम उनकी चूले हिला देंगे। उन्होंने कहा कि हम आराम करने वाले नहीं हैं हम गांधी के लोग हैं जो विचारधारा के लिए शहादत देने से पीछे नहीं हटेंगे। हम वचनबद्ध एवं कटिबद्ध होकर गांधी जी के विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का काम करेंगे।

मतदान से लेकर वोट गिनवाने तक सतर्क रहें सपा कार्यकर्ता: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में बड़ी संख्या में एकत्र कार्यकर्ताओं को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण साबित होंगे। समाज के सभी वर्गों को समाजवादी पार्टी के पक्ष में मतदान करने के लिए पूरी ताकत के साथ जुट जाना है। समाजवादी पार्टी पीडीए को एकजुट करके भाजपा के एनडीए गठबंधन को हरायेगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि हर समाजवादी कार्यकर्ता और पदाधिकारी को मतदान से लेकर वोट गिनवाने तक सतर्कता बरतनी है। समय कम बचा है। बूथ स्तर तक जुटना है। इस बार दिन रात एक कर देना है और हर हालत में जीत हासिल करना है। भाजपा उत्तर प्रदेश से 2014 में केन्द्र की सत्ता में आई थी। 2024 में उत्तर प्रदेश से ही भाजपा सत्ता के बाहर जाएगी। भाजपा की पैसे की ताकत जनता के सामने टिक नहीं पाएगी।

यादव ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए आरक्षण आवश्यक है। भाजपा आरक्षण को साजिशन खत्म करना चाहती है। वह संविधान को भी बदलना चाहती है। 2024 के बाद लोकतंत्र पर खतरा है। भाजपा जनता को धोखा दे रही है। हालात अच्छे नहीं है। किसान, नौजवान, महिलाएं सभी परेशान है। महंगाई, बेरोजगारी, अन्याय, अत्याचार चरम पर है। समस्याओं का अंबार लगा है। इनके समाधान के लिए भाजपा के पास समय नहीं है। कानून व्यवस्था पूरी तरह चौपट है। हर तरफ अपराध का बोलबाला है।

यादव ने चेताया कि सन् 2022 का परिणाम सबको निगाह में रखना चाहिए। जनता ने तो समाजवादी पार्टी के पक्ष में फैसला कर लिया था लेकिन प्रशासनिक धांधली और सश्रा के दुरूपयोग से मतदाताओं को डरा धमका करए मतदाता सूची में गड़बड़ी करके जनता के निर्णय से खिलवाड़ किया गया। हमें इसलिए हर स्तर पर 2024 के चुनाव को गम्भीरता से लेना है। यादव ने कहा कि भाजपा सबसे बड़ी भूमाफ्रिया है। भाजपा सरकार में भ्रष्टाचार ही भ्रष्टाचार है। पूंजीपतियों का 10 लाख करोड़ का कर्ज माफ कर दिया गया जबकि किसानों और गरीबों का कर्ज माफनहीं हो रहा है। भाजपा की केन्द्र और राज्य की डबल इंजन सरकार है पर विकास क्यों नहीं हुआघ् उत्तर प्रदेश में निवेश आने के बड़े.बड़े दावे किए गए पर नौजवानों को नौकरी नहीं मिली। एक भी नया कारखाना नहीं लगा। एक यूनिट बिजली का उत्पादन नहीं हुआ।

अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य जनसामान्य के जीवन को बेहतर बनाना है। समाजवादी सरकार में जो विकास कार्य हुए उनकी प्रशंसा देश.विदेश तक हुई। समाजवादी पार्टी गैरबराबरी मिटाने और सामाजिक न्याय की स्थापना की दिशा में ठोस कदम उठाएगी। समाजवादी पार्टी का मानना है कि 2024 का चुनाव भारत के भविष्य का चुनाव है। लोकतंत्र और समाजवाद के साथ संविधान की सुरक्षा का भी यह अंतिम चुनाव होगा।

दुनिया के 12 इंटरनेशनल ट्रैवल व ट्रेड फेस्टिवल्स में 'ब्रांड यूपी' को प्रमोट करेगी सरकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी को मोस्ट फेवरिट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर देश-विदेश में प्रोजेक्ट करने की विस्तृत कार्ययोजना हुई निर्धारित

उत्तर प्रदेश को देश के फोस्ट फेवरिट डेस्टिनेशन के तौर पर स्थापित करने में लगी योगी सरकार पर्यटन के लिहाज से भी राज्य को मोस्ट फेवरिट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर देश-दुनिया में प्रोजेक्ट करने की तैयारी में है। उत्तर प्रदेश के आध्यात्मिक पर्यटन के साथ ही अन्य प्रमुख पर्यटन आकर्षण केंद्रों के प्रति देश-दुनिया में एक सकारात्मक रुचि उत्पन्न करने की मंशा से सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशन में एक विस्तृत कार्ययोजना के माध्यम से रूपरेखा तय की गई है। इसके अंतर्गत यह तय किया गया है कि दुनिया के प्रमुख 12 इंटरनेशनल ट्रेड फेयर्स, ट्रैवल फेयर्स व एक्सपो में उत्तर प्रदेश रोड.शोए कैंपेनिंग समेत तमाम माध्यमों से अपनी उपस्थिति दर्ज कराते हुए ब्रांड यूपी और डेस्टिनेशनल यूपी को प्रमोट किया जाएगा। इनमें जापान, इजरायल, चीन, अमेरिका, फ्रांस, सिंगापुर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, जर्मनी, इजरायल, रूस व यूएई प्रमुख हैं। वहीं देश समेत कुल 28 राष्ट्रों के लगभग 50 शहरों में विभिन्न आयोजनों के दौरान उत्तर प्रदेश को टूरिस्ट हब के तौर पर प्रोजेक्ट करने की भी विस्तृत रूपरेखा तय कर ली गई है। इन सभी कार्ययोजनाओं पर उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग ने कार्रवाई भी शुरू कर दी है तथा नेशनल व इंटरनेशनल रोड शो के आयोजन के दृष्टिगत इंटरनेशनल ब्रांड बिल्डिंग, मार्केटिंग, पब्लिसिटी व संचालन के लिए एजेंसी को आबद्ध करने की प्रक्रिया जारी है।

सीएम योगी के विजन अनुसार तैयार की गई विस्तृत कार्ययोजना में उत्तर प्रदेश को ब्रांड यूपी तथा मोस्ट फेवरिट टूरिस्ट डेस्टिनेशन के तौर पर देश.दुनिया में प्रोजेक्ट करने के लिए जो मास्टर प्लान तैयार किया गया है उसमें इंटरनेशनल ट्रेड शो, ट्रैवल फेयर्स व एक्सपो की प्रमुख भूमिका है। जिन इंटरनेशनल आयोजनों को इस प्रक्रिया के जरिए टारगेट किया जाएगा उनमें आईटीबी एशिया (सिंगापुर), आईएफटीएम टॉप आरईएस, पेरिस (फ्रांस), जेएटी, टोक्यो (जापान), डब्लयूटीएम लंदन (ब्रिटेन), यूएसटीओ, अमेरिका, एफआईटीयूआर मैड्रिड (स्पेन), एआईएमई मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया), आईएमटीएम तेल अवीव (इजरायल), एमआईटीटी मॉस्को (रूस), एटीएम दुबई (यूएई) व सीओटीटीएम बीजिंग (चीन) जैसे आयोजन मुख्य हैं। सभी चयनित इंटरनेशनल लोकेशंस पर प्रचार और ब्रांड विकास अभियान आयोजित करने के साथ ही भारतीय दूतावासों के साथ समन्वय स्थापित कर इस प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा।

कार्ययोजना के अनुसार, ब्रिटेन के लंदन, मैनचेस्टर, बर्मिंघम व ग्लासगो, स्पेन के मैड्रिड, बिलबाओ, बार्सिलोना, इटली के रोम, मिलान व जर्मनी के बर्लिन, म्यूनिख, फ्रैंकफर्ट में इंटरनेशनल रोड शो का आयोजन किया जाएगा। इसी प्रकार, पुर्तगाल के लिस्बन, नॉर्वे के ओस्लो, स्वीडन के स्टॉकहोम, फ्रांस के पेरिस, नीदरलैंड के हेग व फिनलैंड के हेलसिंकी में भी रोड शो व एग्जिबीशन स्टॉल्स लगाए जाएंगे। अमेरिका के प्रमुख शहरों सैन फ्रांसिस्को, लॉस एंजिल्स, न्यूयॉर्क व शिकागो में भी बड़े स्तर पर ब्रांड यूपी और उत्तर प्रदेश पर्यटन को प्रमोट किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, अर्जेंटीना के ब्यूनस आयर्स, ब्राजील के ब्रासीलिया, चीन के शंघाई, बीजिंग व ऑस्ट्रेलिया के सिडनी, मेलबर्न तथा ब्रिस्बेन में इंटरनेशनल रोड शो आयोजित किए जाएंगे। खाड़ी देशों में संयुक्त अरब अमीरात के दुबई, ओमान के मस्कट, कतर के दोहा, कुवैत के कुवैत शहर, लेबनान के बेरूत, रूस के मॉस्को, इज़राइल के तेल अवीव में भी इस प्रक्रिया को पूर्ण किया जाएगा। दक्षिण पूर्व देशों में सिंगापुर, थाईलैंड के बैंकॉक, जापान के टोक्यो, कंबोडिया के नोम पेन्ह, फिलीपींस के मनीला, वियतनाम के हनोई, इंडोनेशिया के जकार्ता, मलेशिया के कुआलालंपुर, साउथ कोरिया के सियोल, श्रीलंका के कोलंबो, भूटान के थिम्पू तथा नेपाल के काठमांडू में ब्रांड यूपी को प्रमोट करने के लिए विभिन्न प्रकार की गतिविधियों का सहारा लिया जाएगा। जिन वैश्विक शहरों में उत्तर प्रदेश पर्यटन व ब्रांड यूपी को प्रमोट करने की कार्य योजना बनाई गई है वहां इस बात को भी सुनिश्चित किया जाएगा कि मैक्सिमम फुटफॉल वाले स्थानों पर उत्तर प्रदेश की ब्रांडिंग हो सके। इन स्थानों पर चैनल पार्टनर्स, मीडिया हाउस के मालिकों, सभी प्रमुख हवाई अड्डों, रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, मेट्रो स्टेशनों, मेट्रो-सिटी में मीडिया आउटलेट के मालिकों से प्रस्ताव प्राप्त कर कार्य पूर्ण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त देश-विदेश में प्राइम और नॉनप्राइम टाइम स्थानए टीवी और रेडियो मीडिया हाउसए प्रिंटए डिजिटल और अन्य मीडिया स्रोत में व्यापक प्रचार और ब्रांडिंग अभियान को भी पूर्ण करने की तैयारी शुरू हो गई है। एजेंसी के माध्यम से पर्यटन विभाग के निर्देशानुसार चयनित राष्ट्रीय स्थानों पर वृहद स्तर पर प्रचार और ब्रांड विकास अभियान भी चलाया जाएगा।

नशा मुक्त न्याय पंचायत बनाने का शनेद्र सिंह ने दिलाया संकल्प

● मास्टर ट्रेनर नवीन ने मीना मंच की पावर एंजेल के दायित्वों से कराया अवगत

रूरा कानपुर देहात। अलावलपुर में माह जनवरी की बैठक का आयोजन हुआ। बैठक में जेण्डर इक्विटी एवं मीना मंच के कार्य एवं दायित्व के बारे में अवगत कराते हुए मास्टर ट्रेनर नवीन कुमार दीक्षित ने कहा कि अगले माह जेण्डर इक्विटी एवं कक्षा 6, 7, 8 में पावर एंजेल बनेगी इनके सशक्तिकरण पर प्रशिक्षण हर ब्लॉक में आयोजित किया जाना है। अध्यक्षता कर रहे शिक्षक संकुल शनेद्र सिंह तोमर ने मीना मंच की सुगम कर्ता एवं शिक्षकों को नशा मुक्त न्याय पंचायत बनाने का संकल्प दिलाते हुए कहा कि दीक्षा ऐप का प्रयोग पाठ्यक्रम के साथ करना बहुत सहज है। बाजपेई पुरवा के प्रभारी प्रधानाध्यापक योगेन्द्र सिंह यादव ने बताया कि दीक्षा एप के प्रयोग से बच्चों को पाठ दी गई जानकारी के अतिरिक्त भी कंटेंट दिखाकर समझा सकते हैं भूपेंद्र कुमार ने मीटिंग में संकुलों से एजेण्डा बिन्दु के अनुसार विद्यालय को निपुण बनाने के लिए पांच प्वाइंट टूल किट बताए परिहारनपुरवा की प्रभारी प्रधानाध्यापक सरला ने विद्यालय मे बच्चों की मौखिक पठन क्षमता बढाने के तरीकें बताए जिससे बच्चों की अभिव्यक्ति मे वृद्धि हुई। प्रा. सिठमरा के प्रधानाध्यापक अरविंद राजपूत ने नियमित उपस्थित बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। प्रभारी प्रधानाध्यापक अम्बियापुर प्रियंका ने इलेक्ट्रोलिसिस ऑफ वाटर एवं इलेक्ट्रिक सर्किट के बारे में जानकारी दी, प्रा वि अलावलपुर के प्रभारी प्रधानाध्यापक रामजी ने शब्द निर्माण कैसे करें, प्रा. वि. गेंदामऊ के प्रधानाध्यापक हरदीपक ने हेल्पिंग वर्ब का प्रयोग कैसे करें, प्रा वि अंगदपुर की शिखा तिवारी ने मात्राओं की डायरी, प्रा वि महाराजपुर के प्रधानाध्यापक रमेश चंद्र ने बादल और तितली कविता को पढ़ाने की रोचक विधि, उच्च प्रा वि गेंदामऊ के प्रभारी प्रधानाध्यापक प्रकाश मोहन मिश्र ने मिश्रित अक्षर, संख्याओं का ज्ञान, गणित मे 2 डी चित्र बच्चों को कैसे सझाएं इसका डिमंस्ट्रेशन दिया।

देशी शराब, बीयर व भांग की दुकानें ई-लाटरी के जरिए आवंटित

● नियमानुसार सभी प्रक्रियाएं करें पूर्ण सी. इन्दुमती

फतेहपुर। जिले की आबकारी दुकानों के व्यवस्थापन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में आवेदकों के समक्ष जिलाधिकारी सी. इंदुमती की अध्यक्षता में वर्ष-2024-25 हेतु देशी शराब की फुटकर दुकान छह, बीयर की दो व भांग की पांच फुटकर दुकानें ई-लाटरी के माध्यम से आवंटित की गयीं। शहर के ज्वालागंज पेट्रोल पंप के निकट बियर की दुकान आवेदक शिव सागर को धरोहर धनराशि 66 हजार रूपये में आवंटित की गई। टीवीएस एजेंसी के समीप बियर की दुकान आवेदक सोनू कुमार मौर्य को धरोहर धनराशि 54500 रूपये में आवंटित हुई। देशी शराब की दुकानों में खागा सब्जी मंडी की दुकान आवेदक सोनू कुमार मौर्य को धरोहर धनराशि 139200, पुरेताज महमदपुर की दुकान शिवसागर को 65 हजार, सेमरी की दुकान सावित्री को 64400 रूपए, गुनीर की दुकान उमा देवी को धरोहर धनराशि 58500 रूपए, लहंगी की दुकान ओमनारायण शुक्ला को धरोहर धनराशि 45100 रूपए व दुगरेई की दुकान तेज बहादुर सिंह को धरोहर धनराशि 41100 रूपए में आवंटित की गई। भांग की दुकानों में हथगांव की दुकान आवेदक दीपक कुमार साहू को धरोहर धनराशि 18400 रूपए में आवंटित की गई। खागा की दुकान राजेश कुमार को 18400 रूपए, थरियांव की दुकान दीपक सिंह को 17800.00 रूपए, बिंदकी की दुकान प्रभा देवी को 12600 रूपए व धाता की दुकान उमेश कुमार को धरोहर धनराशि 11200 में आवंटित की गई। डीएम ने आबकारी अधिकारी को निर्देशित किया कि नियमानुसार सभी प्रक्रियाओं को पूर्ण करें। पुलिस अधीक्षक, एडीएम (वित्त/राजस्व), एसडीएम सदर, बिंदकी, खागा, क्षेत्राधिकारी सदर, बिंदकी, जिला आबकारी अधिकारी, जिला सूचना विज्ञान अधिकारी सहित आबकारी निरीक्षक उपस्थित रहे।

एसपी की उपस्थित में बेसिक लाइफसर्पोट ट्रेनिंग का किया आयोजन

कानपुर देहात। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन व प्राणोदय द्वारा कार्डिययोपल्मोनरी रिससिटेशन तथा बेसिक लाइफसर्पोट ट्रेनिंग वर्कशाप का आयोजन रनियॉ के आईटीआई राकन में एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति की उपस्थित किया गया। इस मौके पर डाक्टरों द्वारा सीपीआर व बीएलआर के बारे मे जानकारी देते हुये बताया कि यह इमरजेंसी मेडिकल टेक्निक है जो लोगों को अस्पताल पहुॅचने से पहले या उन स्थितियों में दी जाती है, जहॉ चिकित्सा सुविधा तुरन्त उपलब्ध नहीं होती है एवॅ जिसके जरिए किसी व्यक्ति का दिल धडकना बॅद कर देता है तो किस प्रकार उसकी जान बचाई जा सकती है। एसपी द्वारा उक्त तकनीक का अभ्यास किया गया। इस कार्यक्रम में डा0 प्रदीप टॅडन, डा0 सुनीता, डा कुनाल सहाय, डा0 नन्दनी रस्तोगी आदि सम्मिलित हुए।

किसानों की मेहनत पर छुट्टा मवेशियों का झपट्टा

अमौली/फतेहपुर। किसानों की फसल अन्ना मवेशी उजाड़ रहे हैं। प्रशासन कागजों पर गोवंश पकड़ कर गोशाला में बंद करने का दावा कर रहा है लेकिन वास्तविकता कुछ और ही है। किसानों को रात-रात भर फसल को बचाने के लिए जागना पड़ रहा है। फिर भी अन्ना गौवंश से फसल बचाना मुश्किल हो रहा है।

सरकार किसानों की दोगुनी आय के साथ उन्हें किसान सम्मान निधि भेजकर प्रोत्साहित करने में लगी हुई है। वही किसान साल भर के लिए खाने पीने व अन्य साधनों के लिए इस समय सरसों, आलू, गेहूं, चना, मटर आदि की फसले तैयार कर रखवाली करने के किए जी जान से लगें हुए हैं लेकिन अन्ना गोवंश उन्हें बर्बाद कर रहे है। इसके लिए वह रात-रात भर जाग रहे हैं। इसके बाद अगर किसान कहीं चूक गया तो अन्ना गोवंश का झुंड खेत में घुसकर कुछ ही देर में फसल चट कर जाते हैं। इससे क्षेत्र के किसान दुखी हैं। राजनीतिक मंच के अखाड़े से गोवंशों को गौशाला में भेजने के दावे भी झूठे साबित हो रहे है। किसान बार बार गोवंश को पकड़वाने की मांग करते हुए निराश हो कर रह जाते है।

पांच गौशालाएं फिर भी समस्या का हल नहीं

अमौली/फतेहपुर। विकास खंड क्षेत्र में पांच अस्थायी व तीन स्थायी गौशाला बनाई गई है। करोड़ों रुपए का खर्च करने के बाद भी हरेक माह लाखों का बजट पास करा लिया जा रहा है। गौवंश को पकड़कर गौशाला में बंद करने का आदेश है लेकिन गोशालाओं में गोवंश बंद नहीं किए जा रहे हैं। इससे गोवंश किसानों की फसलें उजाड़ रहे हैं। ग्रामसभा मवई, दपसौरा, परसेढा, मदरी में अस्थायी गोशाला बनाई गई है।

लोनिवि की सड़को के रखरखाव की पांच साल तक की जिम्मेदारी ठेकेदारों को सौपी

● ठेकेदारों का लगा जबरदस्त झटका

हमीरपुर। शासन ने पहली मर्तवा लोक निर्माण विभाग(लोनिवि) से निर्मित की गयी ग्रामीण सड़को समेत हरेक श्रेणी की सड़कों को पांच साल तक अनुरक्षण करने का जिम्मेदारी लोनिवि से हटाकर ठेकेदार को दे दी गयी है। इससे ठेकेदारों को जबरदस्त झटका लगा है। लोनिवि से स्टेट हाईवे, एमडीआर, ओडीआर, विलेज रोड का निर्माण ठेकेदारो से कराया जाता है। स्टेट हाईवे की सड़को के ठेकेदार द्वारा अनुरक्षण करने की जिम्मेदारी चार साल का था मगर अब शासन ने बदलकर पांच साल तक कर दी है। मेजर डिस्ट्रिक्ट रोड (एमडीआर) ओडीआर (अदर डिस्ट्रिक्ट रोड) पांच साल का पहले ही था मगर शासन ने इसकी अनुरक्षण अवधि फिलहाल पांच साल ही रखी है। मगर इसमे भी बदलाव करने की तैयारी की जा रही है। इसी प्रकार विपेज रोड (ग्रामीण सडको) के मरम्मत की जिम्मेदारी ठेकेदार की आठ साल की गयी थी मगर अब समयावधि घटाकर पाच साल कर दी है। ठेकेदारों द्वारा नव निर्मित सड़को का अनुरक्षण अनिवार्य नही था मगर अब शासन ने पांच साल तक रखरखाव की जिम्मेदारी अनिवार्य कर दिया है। लोनिवि के सहायक अभियंता (एई) सतपाल सिंह ने मंगलवार को बताया कि जिले में 163 ग्रामीण सडके, तीन स्टेट हाईवे, एमडीआर सडके पांच व ओडीआर सड़के 19 है। शासन ने साफ कहा है कि निर्माण की गयी सड़कों की जमा सिक्योरटी पांच साल तक ठेके दार को नही दी जायेगी। यदि ठेकेदार द्वारा सड़क का अनुरक्षण नही किया गया तो उसकी सिक्योरटी से विभाग अनुरक्षण करायेगा और ठेकेदार के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। विभागीय अभियंताओं का कहना है कि नये नियम से विभाग के ठेकेदारों की संख्या घट जायेगी।

मोदी के नेतृत्व में भाजपा 400 के पार सीटें जीतकर हैट्रिक लगाएगी

फर्रुखाबाद। भाजपा सांसद एवं रेलवे संसदीय स्थाई सलाहकार समिति सदस्य मुकेश राजपूत ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में लड़ें जाने वाले 2024 लोकसभा चुनाव में भाजपा 400 से पार प्रचंड बहुमत से सीटें जीत कर हैट्रिक लगाएगी। राजपूत आज मंगलवार दोपहर वाद1. 20 बजे फर्रुखाबाद शहर के आवास विकास स्थित भाजपा जिला कार्यालय के समीप में आगामी 2024 लोकसभा केंद्रीय चुनाव कार्यालय के उद्घाटन में मंत्रो उच्चारण हवन पूजन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश के साथ ही, विश्व के लोकप्रिय नेता हैं। 2024 लोकसभा चुनाव उनके नेतृत्व मे400 से पार जीतने का लक्ष्य रखा गया इसे पार करके हम प्रचंड बहुमत के साथ जीत कर हैट्रिक लगाएंगे।श्री राजपूत ने कहा कि हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबो को लेकर, देश के 82 करोड़ लोगों को 5 किलो मुफ्त खाद्यान्न उपलब्ध कराने की अवधि 5 वर्ष बढ़ा दी है। इसके साथ ही आयुष्मान योजना के तहत गरीबों को मुफ्त इलाज की सुविधा तथा प्रत्येक पात्र परिवार में 6 से अधिक सदस्यों वाले लोगों को भी आयुष्मान भव के तहत लाभ पहुंचाया जा रहा है। प्रत्येक परिवार को छत देने का लक्ष्य पा लिया गया है फिर भी जो छूटे हुए लोग है को लाभ पहुंचाने के लिए सर्वे शुरू किया गया है

फर्रुखाबाद में सड़क व्यवस्था के प्रश्न पर उन्होंने बताया कि वर्ष 2014 से फर्रुखाबाद की सड़क व्यवस्था में रिकार्ड सुधार हुआ है जो सड़क 3 मी चौड़ी थी वहअव 5 मी चौड़ी हुई है, इसके अलावा एक्सप्रेस हाईवे नहीं था उसे हमने जोड़ने का प्रयास किया,प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के निर्देश पर फर्रुखाबाद से जाने वाला 730 सीसी रोड चुनाव से पहले चालू हो जाएगा।

एक अन्य प्रश्न के उत्तर में उन्होंने बताया कि प्रदेश के सभी जनपदों में आगामी लोक सभा चुनाव 2024 के लिए भाजपा ने केंद्रीय चुनाव कार्यालय 30 जनवरी एव 31 जनवरी 2024 को खोलने कार्य चुनाव घोषणा से पहले इसलिए शुरू किया कि जब टिकट घोषित होती है तब समय कम रहता है,यह हमारी चुनाव तैयारी पूरे प्रदेश एवं देश में चल रही है। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष रूपेश गुप्ता, जनपद शाहजहांपुर महानगरपालिका मेंयर अर्चना वर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश कटियार, सांसद पीआरओ अनूप मिश्रा के अलावा दूसरे जनपदों के भाजपा के बड़ीसंख्यामें पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

26 लाख रूपये कीमत की अवैध शराब बरामद

कानपुर देहात। मूसानगर पुलिस ने मॅगलवार को 301 पेटी अवैध ऑग्रेजी शराब बरामद की, बरामद की गयी अवैध शराब की अनुमानित कीमत 26 लाख रूपये ऑकी जा रही है। एसपी ने प्रेस कॉफ्रेस में मामले की जानकारी दी। एसपी बीबीजीटी एस मूर्ति ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर मॅगलवार को मूसानगर पुलिस ने राहुल पटेल निवासी पौतिया हमीरपुर को डीसीएम आयशर में लदी कुल 301 पेटी अवैध ऑग्रेजी शराब ओल्ड मॅक बरामद की, जिसमें 194 क्वार्टर की पेटियॉ, 85 पेटी हाफपेटी, 22 पेटी पुल्ल पेटी पथार गॉव पुलिया के पास मूसानगर पुलिस ने पकडी। आरोपी के खिलाफआबकारी अधिनियम की धाओं में मुकदमा पॅजीकृत कर जेल भेजा गया। गिरफ्तारी में व अवैध शराब की बरामदगी में पुलिसकर्मियों की प्रभावी भूमिका रही।

घायल की उपचार दौरान मौत

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के लोधीगंज एनएच-2 में विगत बीस दिन पूर्व डिवाइडर से बाइक टकराने से घायल हुए युवक की इलाज के दौरान घर पर ही मौत हो गई। बताते चलें कि ललौली थाना क्षेत्र के आबू मुहम्मदपुर बनरसी गांव निवासी स्व. बाबू का पुत्र भिखारी दस जनवरी को अपने मित्र के साथ रिश्तेदारी में गया था। वापस लौटते समय लोधीगंज के समीप अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से टकरा गई थी जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। जबकि उसका पुत्र घायल हुआ था। इलाज के बाद चिकित्सकों ने घर वापस भेज दिया था। चिकित्सक ने घायल को कानपुर के लिए रेफर कर दिया था। कानपुर में दस दिनों तक इलाज कराने के बाद परिजन उसे घर ले आये थे। घर पर ही उसका उपचार चल रहा था। बीस दिन बाद उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

पत्नी से झगड़ युवक ने लगाई फांसी

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम भोलापुर में पत्नी से लड़ने के बाद 30 वर्षीय एक युवक ने गांव के बाहर पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। भोलापुर गांव निवासी रामराज यादव का पुत्र संजय कुमार यादव का अपनी पत्नी सूमा देवी से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई जिस पर वह गांव से एक किलोमीटर दूर जंगल पहुंचकर चिल्वर के पेड़ में रस्सी का फंदा डाल फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। जानवर चरा रहे लोगों ने फांसी पर लटके संजय का शव देख परिजनों को जानकारी दी। रोते-बिखलते परिजन मौके पर पहुंचे। किसी ने इसकी सूचना क्षेत्रीय पुलिस को दे दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

खौलता दूध गिरने से मासूम झुलसी

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के कस्बा बहुआ मुहल्ला कृष्ण नगर में मंगलवार की सुबह खौलता दूध गिर जाने से तीन वर्षीय मासूम झुलस गई। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार कृष्ण नगर निवासी अब्दुल हमीद की पुत्री रहमती आज सुबह खेलते-खेलते किचेन में पहुंच गई तभी गैस में चढ़ा खौलता दूध अचानक उसके ऊपर गिर गया। जिससे वह बुरी तरह झुलस गई। चीख-पुकार सुनकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने तत्काल मासूम को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

ट्रेन से गिरकर युवक घायल

फतेहपुर। खागा व सतनरैनी स्टेशन के बीच मंगलवार की सुबह ट्रेन से गिरकर लगभग 30 वर्षीय अज्ञात युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे आरपीएफने घायल को सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी है। समाचार लिखे जाने तक युवक के नाम की जानकारी नहीं हो सकी।

राष्ट्रीय कृमि मुक्ति कार्यक्रम की डीएम ने की बैठक

लखीमपुर खीरी। जिले में 01 फरवरी को राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। इसके सफल क्रियान्वयन को लेकर डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जिला समन्वय समिति की बैठक आयोजित हुई। डीएम ने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य को बढ़ावाए पोषण में सुधार व उन्हें गुणवत्तापूर्ण जीवन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस कार्यक्रम का सफल संचालन महत्वपूर्ण है। एक फरवरी को 1.19 साल के सभी बच्चों, किशोर .किशोरियों को कृमि नियंत्रण की दवाई (एल्बेंडाजॉल) सभी स्कूल, आंगनवाड़ी केन्द्रों पर निःशुल्क खिलाई जाएगी। गैर.पंजीकृत और स्कूल ना जाने वाले बच्चों को भी यह दवाई नज़दीकी आंगनवाड़ी केन्द्र में खिलवाएं। राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस के दिन छूट गए बच्चों को मॉप अप दिवस 05 फरवरी को एल्बेंडाजोल की गोली खिलाई जाएगी।

भाई को छोड़कर घर जा रहे छात्र की मौत, साथी घायल

संडीला (हरदोई)। अत्यंत तेज गति से आ रही ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आकर छात्र की मौत हो गयी जबकि उसका दोस्त गंभीर रूप से घायल हो गया। कनौरा आंठ, थाना अतरौली निवासी उमेश अपने बड़े भाई रजनीश और दोस्त पुनीत के साथ मोटरसाइकिल से संडीला आया था। रजनीश को हरिद्वार जाना था। दोनों रजनीश को छोड़कर घर वापस लौटे। जब उनकी बाइक संडीला अतरौली मार्ग पर ग्राम मुसैला के पास पहुंची और उसने आगे जा रही ट्रैक्टर ट्रॉली को ओवरटेक करने की कोशिश की तो अनियंत्रित गति से जा रही इस ट्रैक्टर ट्रॉली चालक उसे नियंत्रित नहीं कर पाया और बाइक उसकी चपेट में आ गयी जिससे उमेश की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि पुनीत गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे सीएचसी में भर्ती कराया गया। मृतक उमेश अटल बिहारी इंटर कॉलेज ढिकुली में कक्षा 10 का छात्र था। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर ट्रॉली लेकर भागने में सफल रहा। एफआईआर दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्मार्टफोन युवाओं के शैक्षिक विकास में सहायक है: मयंक गुप्ता

स्मार्ट फोन वितरण के बाद मौजूद विद्यार्थी व प्रबन्धक।

● एबी महाविद्यालय में पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि नें वितरित किये स्मार्ट फोन

गुरसहायगंज (कन्नौज)। उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे युवाओं के शैक्षिक विकास के लिये स्मार्ट फोन सहायक हैं। इसके माध्यम से विद्यार्थी सभी प्रकार के कम्पटीशन में प्रतिभाग कर सकेंगे। भाजपा सरकार युवाओं को आत्मनिर्भर बनानें एवं डिजीटल भारत के निर्माण पर कार्य कर रही है। यह बात मंगलवार को नगर के मोहल्ला रामगंज स्थित अमतुन्ना बानो महिला महाविद्यालय में स्वामी विवेकानन्द सशक्तिकरण योजना के तहत छात्र-छात्राओं को स्मार्टफोन वितरित करनें के उपरान्त पालिकाध्यक्ष प्रतिनिधि मयंक गुप्ता नें कही। इस दौरान महाविद्यालय की प्रबन्धक रिजवाना सिद्धीकी नें कहा कि आज का युग तकनीकी शिक्षा से अधिक प्रभावित है। इसलिये छात्र-छात्राओं को स्कूली शिक्षा के साथ साथ तकनीकी ज्ञान का होना अति आवश्यक है। जिससे उनका चौमुखी विकास हो सके।

सीएसआर फंड से लगाई जा रहीं 20 ओपेन जिम

संवाददाता। लखीमपुर खीरी

आज केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनी के द्वारा गेल इण्डिया के सीएसआर फण्ड योजना के अन्तर्गत लोकसभा खीरी के नगर पंचायत/नगर पालिका/ विकासखण्डों में 20 ओपेन जिम लगाई जा रही है जिसमें आज संकटा देवी मंदिर के सामने स्थित सुभाष पार्क में ओपेन जिम का लोकार्पण किया।

केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष् ने संकटा देवी मंदिर के सामने स्थित सुभाष पार्क में गेल इण्डिया के सीएसआर फण्ड योजना के अन्तर्गत निर्मित ओपेन जिम का लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि ओपेन जिम का उद्देश्य यह है कि लोगों को सुबह टहलने के साथ.साथ कसरत करके स्वास्थ्य का लाभ ले सके। इस ओपेन जिम को जिलेवासियों को समर्पित कर रहा हूं। इस ओपेन जिम में सिट अप बेंच एबडोमिनल सिट अप, डबल

क्रास वॉकर, लेग प्रेस लेग सेपर, हेंड रोवर, क्रास ट्रेनर, एक्सरसाइज बार्स एवं पैरेलेल बार आदि उपकरणों को लगाया गया है।

इस कार्यक्रम में विधायक सदर योगेश वर्मा, नगर पालिका परिषद लखीमपुर अधिशाषी अधिकारी संजय कुमार, नगर पालिका परिषद लखीमपुर अध्यक्ष डा. इरा श्रीवास्तव, सांसद प्रतिनिधि अरविन्द सिंह संजय, सांसद प्रतिनिधि जितेन्द्र त्रिपाठी जीतू एड., सांसद प्रवक्ता अम्बरीष सिंह, अरविन्द गुप्ता, राजू अग्रवाल, एस.के. सिंह, संजय गिरि, वीरपाल मिश्रा, राहुल चौरसिया, सुरेन्द्र कश्यप, मयंक कश्यप, मधुकर मौर्या, सूरज पाण्डेय सहित भारी संख्या में व्यापारीगण मौजूद रहे।

बापू के बलिदान दिवस पर खून से खत लिखकर मांगी सड़क

● विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग का निर्माण न आरंभ होने से ग्रामीणों में बढ़ता जा रहा गुस्सा

सड़क निर्माण की मांग को लेकर प्रदर्शन करते ग्रामीण।

खागा/फतेहपुर। विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग निर्माण के लिए सड़क किनारे के गांवों में ग्रामीणों ने मंगलवार को खून से खत लिखकर शासन-प्रशासन के जिम्मेदारों को अपनी पीड़ा बताई। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर किसानों, व्यापारियों, युवाओं ने खून से खत लिखे। सड़क संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने अभिया का नेतृत्व किया।

लोकसभा चुनाव से पहले यदि ध्वस्त पड़ी सड़क का निर्माण नहीं होता है तो वोट के माध्यम से अनदेखी का जवाब दिया जाएगा। बताते चलें कि फतेहपुर लोकसभा क्षेत्र की पांच लाख आबादी को प्रभावित करने वाले विजयीपुर-गाजीपुर मार्ग निर्माण के लिए विगत वर्ष गांधी जयंती के दिन से सत्याग्रह आंदोलन आरंभ हुआ था। जिला प्रशासन के अधिकारियों ने लिखित आश्वासन के बाद 12 अक्टूबर को इसे समाप्त करवा दिया था। आंदोलन समाप्त हुए चार महीने का समय बीत चुका है। सड़क निर्माण की दिशा में कोई सकारात्मक पहल नहीं हो सकी। सड़क निर्माण आंदोलन से जुड़े गांवों के लोगों ने जनसूचना अधिकार को हथियार बनाया तो यहां पर भी अधिकारियों ने बचाव कर लिया। वांछित सूचनाएं देने से अधिकारी बच रहे हैं। संघर्ष समिति के पदाधिकारियों का दावा है कि सड़क निर्माण के लिए शासन से अवमुक्त होने वाले बजट का बंदरबांट किया जा चुका है। जवाब में इसी बात की पोल खुलने का अंदेशा अधिकारियों को सता रहा है। जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों की कारगुजारियों से नाराज ग्रामीणों ने झोपड़ी से लेकर घरों के ऊपर तक रोड नहीं तो वोट नहीं का बैनर लगाने का अभियान तेज कर दिया है। राष्ट्रपिता के बलिदान दिवस पर विजयीपुर, बहेरा-बरैची, मोगरिहापुर, नरैनी, लोधौरा, बहियापुर आदि गांवों में ग्रामीणों ने खून से खत लिखे। इन पत्रों को राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री तथा जिलाधिकारी कार्यालय को प्रेषित किया गया है।

अज्ञात युवक के शव की अंततः हुई शिनाख्त

संडीला (हरदोई)। क्षेत्र में लावारिस हालत में पाए गए एक युवक के शव की शिनाख्त सोशल मीडिया के माध्यम से अंततः हो गयी। मृतक कोलकाता से घर वापस लौट रहा था। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम आलमपुर खखरा में विद्यासागर, पूर्व प्रधान के खेत में एक अज्ञात युवक का शव पड़ा हुआ पाया गया था। इस युवक के बारे में हालांकि कुछ लोगों का यह कहना था कि उन्होंनें उक्त युवक को जीवित देखा था। हालांकि वह बहुत अधिक नशे में लग रहा था। युवक का शव मिलने की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेकर उसे पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा था। इस युवक का फ़ोटो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उसकी पहचान कोतवाली मल्लावां के अंतर्गत ग्राम नेवादा अटवारा निवासी अशोक के रूप में की गयी। मृतक के भाई लालता प्रसाद ने बताया कि अशोक कोलकाता की एक फैक्ट्री में काम करता था। वह 24 जनवरी को कोलकाता से ट्रेन द्वारा निकला। 25 जनवरी की सुबह तक उसकी उसके परिजन से बात होती रही लेकिन उसके बाद उसका फ़ोन पहुंच से बाहर हो गया। घरवालों ने उसके बारे में जानकारियां करने की कोशिश कीं और जब कहीं पता नहीं चला तो उसकी गुमशुदगी की सूचना पुलिस चौकी गंजमुरादाबाद पर उनके द्वारा दर्ज कराई गयी। इसी बीच 29 जनवरी को सोशल मीडिया पर उन्होंनें उसकी फ़ोटो देखकर उसकी पहचान करके पुलिस से संपर्क किया। अब सवाल यह उठता है कि अशोक आखिर आलमपुर खखरा तक कैसे पहुंचा। ग्रामीणों का यह कहना कि उन्होंनें उसे जीवित और नशे में चूर देखा तथाए अपने आप में कई सवाल खड़े करता है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि शव की पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने ली जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक, दिए निर्देश

लखीमपुर खीरी। स्वास्थ्य योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए मंगलवार शाम को डीएम महेंद्र बहादुर सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुईए जिसमें मुख्य रुप से सीडीओ अनिल कुमार सिंह, सीएमओ डॉ संतोष गुप्ता मौजूद रहे। बैठक के शुरू में सीएमओ डॉ. संतोष गुप्ता ने बैठक के एजेंडा बिंदु सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की अद्यतन स्थिति बताई। बैठक में जिला स्तर पर विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों, स्वास्थ्य संकेतको की अद्यतन स्थिति, प्रगति पर बिंदुवार समीक्षा हुई।

डीएम ने कहा कि पूरे स्वास्थ्य महकमे को फील्ड में एक्टिवेट करें व स्वास्थ्य संकेतको में बेहतर परफॉर्मेंस दिखाएं। सभी अधीक्षक लीडरशिप रोल लेते हुए अपने.अपने ब्लॉक में स्वास्थ्य संबंधी योजनाओं का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन सुनिश्चित कराते हुए डेली मॉनिटरिंग करें। मरीज व उनके तीमारदारों से चिकित्सक बेहतर व्यवहार करें। मरीजों को दिया जाने वाला भोजन की गुणवत्ता एमओआईसी स्वयं चेक करें। सीएचसी व पीएचसी

की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जाए। निर्देश दिए कि सभी पोर्टल्स पर फीडिंग को अपडेट रखा जाए, आपरेटर का समयबद्ध भुगतान भी सुनिश्चित कराया जाए। सभी एमओआईसी सुनिश्चित कराए कि सभी चिकित्सालियों से संस्थागत प्रसव की रिपोर्टिंग प्रॉपर हो। सभी आशा संगीनियों का नियमित, समयबद्ध भुगतान हो इसे सुनिश्चित कराए।

सीडीओ अनिल कुमार सिंह ने समीक्षा करते हुए कहा की जन्म मृत्यु पंजीकरणए आरसीएच सहित अन्य पोर्टल पर डाटा एंट्री ससमय शत.शत सुनिश्चित की जाए। उन्होंने ब्लॉकवार आयुष्मान गोल्डन कार्ड की समीक्षा कीए प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिए।

डीएम ने चिकित्सालयो में ओपीडी प्रगति, आयुष्मान भारत पीएम जन आरोग्य योजना के तहत आयुष्मान कार्ड वितरण, उसके सापेक्ष उपचारित लाभार्थियों की अद्यतन स्थिति, जन्म पंजीकरण, स्टिलबर्थ रेश्यो, जननी सुरक्षा योजना, पीएम मातृत्व वंदना योजना, संस्थागत प्रसव, राष्ट्रीय दृष्टिहीनता निवारण कार्यक्रम, राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम, वेक्टर जनित रोग, न्यूबॉर्न स्टेबलाइजेशन यूनिट, राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम, ईसंजीवनी आईपीडी, ओपीडी, संचारी रोग, कवच एप्लीकेशन से परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण सहित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की, जरूरी दिशा निर्देश दिये।

रेलवे में नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में तेजस्वी यादव से ईडी की पूछताछ

भाषा। पटना

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव से रेलवे में कथित नौकरी के बदले भूखंड घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के पटना स्थित कार्यालय में पूछताछ जारी है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री मंगलवार सुबह करीब 11.35 बजे ईडी कार्यालय परिसर में दाखिल हुए। उनसे पूछताछ शुरू हो गई है। इसी मामले में उनके पिता और राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद से ईडी के अधिकारियों ने यहां अपने कार्यालय में सोमवार को नौ घंटे से अधिक समय तक पूछताछ की थी।

केंद्रीय जांच एजेंसी ने 19 जनवरी को लालू प्रसाद और उनके बेटे तेजस्वी यादव से पूछताछ के लिए नया समन जारी किया था। इस मामले में राजद के दोनों नेताओं से पूछताछ के लिए दिल्ली से ईडी अधिकारियों की एक टीम रविवार को पटना पहुंची थी। राजद ने भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर देश में विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने का मंगलवार को आरोप लगाया।

राजद सांसद मनोज झा ने मंगलवार को बातचीत में आरोप लगाया, भाजपा ईडी, सीबीआई और आईटी विभाग का इस्तेमाल उन लोगों के खिलाफ करती है जिनसे वे डरते हैं। उन्होंने आरोप लगाया, यह स्पष्ट है कि दिल्ली के शासक अभी डरे हुए हैं और इसीलिए वे (विपक्षी दलों को) तोड़ने के लिए केंद्रीय जांच एजेंसियों का इस्तेमाल कर रहे हैं। झा ने दावा किया, भाजपा का शीर्ष नेतृत्व विपक्ष से डरता है। इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए बिहार के विधान परिषद सदस्य (एमएलसी) शक्ति सिंह यादव ने आरोप लगाया, भाजपा नेता 2024 के लोकसभा चुनाव से डरते हैं। यह सर्वविदित तथ्य है कि तेजस्वी यादव उस समय नाबालिग थे, जब कथित नौकरी के बदले भूखंड घोटाला मामला प्रकाश में आया था। वे उन पर इसलिए आरोप लगा रहे हैं क्योंकि वह लालू प्रसाद के बेटे हैं।

बिहार में पिछली महागठबंधन सरकार में तेजस्वी यादव द्वारा भारी संख्या में प्रदान की गई नौकरियों से भाजपा नेता डर गए हैं। राजद नेताओं के आरोपों को खारिज करते हुए, बिहार के नवनियुक्त उपमुख्यमंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा, जब लालू प्रसाद बिहार के मुख्यमंत्री थे, तब चारा घोटाला हुआ था। जब वह रेल मंत्री थे तो नौकरी के बदले जमीन घोटाला हुआ। फिर वे जांच एजेंसियों से क्यों डरते हैं... ईडी निश्चित रूप से मामले की जांच करेगी। नौकरी के बदले जमीन घोटाला 2004 और 2009 के बीच रेलवे में नौकरियों से संबंधित है।

भाजपा नेता की हत्या के मामले में पीएफआई से जुड़े 15 लोगों को मृत्युदंड

भाषा। केरल

केरल की एक अदालत ने दिसंबर 2021 में अलप्पुझा जिले में भाजपा की ओबीसी शाखा के नेता रंजीत श्रीनिवासन की हत्या के मामले में प्रतिबंधित इस्लामी संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) से जुड़े 15 लोगों को मंगलवार को मौत की सजा सुनाई। मामले में विशेष अभियोजक ने यह जानकारी दी। अतिरिक्त जिला न्यायाधीश, मावेलिक्कारा वी. जी. श्रीदेवी ने दोषियों को सजा सुनाई। अदालत ने कहा कि इस मामले में सभी आरोपियों को मौत की सजा देना 'पूरी तरह उचित' है। अदालत ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि जघन्य अपराध कर्फ्यू जोन यानी पीड़ित के घर में, उसकी मां, पत्नी और नाबालिग बच्चे की उपस्थिति में किया गया था .... यह सबकुछ अपराध की क्रूरता को दर्शाता है। मामले में दोषी करार दिए गए व्यक्तियों के नाम नैसम, अजमल, अनूप, मुहम्मद असलम, अब्दुल कलाम, सफ़ुद्दीन, मनशाद, जसीब राजा, नवास, समीर, नसीर, सकीर हुसैन, शाजी, शेरनस अशरफ और अब्दुल कलाम हैं।

मारे गए नेता के परिवार और भाजपा ने फैसले का स्वागत किया। पार्टी ने श्रीनिवासन को महान शहीद बताते हुए कहा कि उन्हें आज न्याय मिल गया। विशेष अभियोजक प्रताप जी. पडिक्कल के अनुसार, मामले में दोषी ठहराए गए कुल 15 व्यक्तियों में से 14 को मंगलवार को अदालत में पेश किया गया था। न्यायाधीश ने मौखिक रूप से कहा कि सजा उस दोषी पर भी लागू होगी जिसे आज पेश नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि बीमारी के कारण अस्पताल में भर्ती होने की वजह से एक दोषी को अदालत में पेश नहीं किया जा सका, जिसे पेशी के दौरान सजा सुनाई जाएगी।

अदालत ने मामले में 20 जनवरी को 15 लोगों को दोषी ठहराया था। फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए श्रीनिवासन के परिवार ने कहा कि वे इससे संतुष्ट हैं। श्रीनिवासन की पत्नी ने संवाददाताओं से कहा, यह एक असाधारण दुर्लभ मामला था और हमारी हानि बहुत बड़ी है। हम घटना की गहन और ईमानदार जांच करने के लिए अभियोजन और जांच अधिकारियों के प्रति अपना आभार व्यक्त करते हैं जिसके परिणामस्वरूप अंततः अधिकतम सजा हुई।

अभियोजन पक्ष ने दोषियों के लिए अधिकतम सजा का अनुरोध करते हुए कहा था कि पीएफआई के ए सदस्य एक प्रशिक्षित हत्यारा दस्ते से जुड़े थे और जिस क्रूर तथा वीभत्स तरीके से पीड़ित को उसकी मां, बच्चे और पत्नी के सामने मारा गया वह इसे दुर्लभ से दुर्लभतम की श्रेणी के अपराध के दायरे में लाता है। भाजपा ओबीसी मोर्चे के प्रदेश सचिव श्रीनिवासन पर 19 दिसंबर, 2021 को उनके परिवार के सामने पीएफआई और सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया (एसडीपीआई) से जुड़े कार्यकर्ताओं ने उनके घर में बेरहमी से हमला कर उनकी हत्या कर दी थी।

अभियोजक के अनुसार, अदालत ने पाया कि 15 में से आठ (अभियुक्त संख्या एक से आठ) आरोपी सीधे-सीधे मामले में शामिल थे। अदालत ने चार लोगों (अभियुक्त संख्या नौ से 12) को भी हत्या का दोषी पाया क्योंकि वे अपराध में सीधे तौर पर शामिल लोगों के साथ घातक हथियारों से लैस होकर घटनास्थल पर पहुंचे थे, जिनका उद्देश्य श्रीनिवासन को भागने से रोकना और उसकी चीखें सुनकर घर में प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति को रोकना था।

पडिक्कल ने कहा कि अदालत ने अभियोजन पक्ष की इस दलील को स्वीकार किया कि वे भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 149 (गैरकानूनी रूप से जुटे लोगों के समूह का प्रत्येक सदस्य सामान्य उद्देश्य के लिए किए गए अपराध का दोषी है) के तहत हत्या के साझा अपराध के लिए भी जिम्मेदार थे। अदालत ने इस अपराध की साजिश रचने वाले तीन लोगों (अभियुक्त संख्या 13 से 15) को हत्या का दोषी पाया। नतीजतन अदालत ने इस मामले के सभी 15 आरोपियों को हत्या का दोषी पाया।

उन्हें भारतीय दंड संहिता की विभिन्न अन्य धाराओं के तहत भी दोषी पाया गया। अदालत के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन ने कहा कि श्रीनिवासन को न्याय मिला है। उन्होंने कहा, आखिरकार सत्य की जीत हुई- महान शहीद रंजीत श्रीनिवासन को आज न्याय मिला... हम फैसले से खुश हैं और इसका तहे दिल से स्वागत करते हैं।

विपक्ष के चौदह सदस्यों का निलंबन रद्द, बजट सत्र में ले सकेंगे भाग

भाषा। नई दिल्ली

विपक्ष के 14 निलंबित सांसदों का निलंबन रद्द कर दिया गया है और अब वे बुधवार से आरंभ हो रहे बजट सत्र में भाग ले सकेंगे। सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। इन्हें शीतकालीन सत्र के दौरान निलंबित करने के साथ ही उनके मामले को विशेषाधिकार समितियों के पास भेज दिया गया था। जिन विपक्षी सांसदों का निलंबन रद्द हुआ है उनमें 11 राज्यसभा और तीन लोकसभा के हैं। राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने 11 विपक्षी सदस्यों के निलंबन रद्द करने का फैसला किया, हालांकि सदन की विशेषाधिकार समिति ने इन्हें विशेषाधिकार हनन और सदन की अवमानना का दोषी ठहराया था।

राज्यसभा के जिन सदस्यों का निलंबन रद्द हुआ है उनमें जेबी मैथर हिशाम, एल हनुमंतैया, नीरज डांगी, राजमणि पटेल, कुमार केतकर, जी सी चंद्रशेखर, विनय विश्वम, संतोष कुमार पी, एम मोहम्मद अब्दुल्ला, जॉन ब्रिटास और ए ए रहीम शामिल हैं। सूत्रों का कहना है कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी तीन सदस्यों अब्दुल खालिक, के. जयकुमार और विजय वसंत का निलंबन रद्द किया। ए तीनों कांग्रेस के सदस्य हैं। संसदीय कार्य मंत्री प्रह्लाद जोशी ने मंगलवार को कहा था कि इन सांसदों के संदर्भ में सरकार के आग्रह पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने सहमति जताई है।

दोनों सदनों में कुल 146 विपक्षी सांसदों का निलंबन हुआ था। इनमें से 100 लोकसभा सदस्य और 46 राज्यसभा सदस्य शामिल थे। इनमें 132 सांसदों का निलंबन शीतकालीन सत्र के लिए था, लेकिन 14 सांसदों के मामलों को दोनों सदनों की विशेषाधिकार समितियों के पास भेज दिया गया था। लोकसभा और राज्यसभा ने मिलकर 132 सांसदों को 21 दिसंबर को समाप्त हुए शीतकालीन सत्र की शेष अवधि के लिए निलंबित कर दिया था और इन 14 सांसदों का मामला संबंधित विशेषाधिकार समिति को भेज दिया था। बजट सत्र बुधवार से आरंभ होगा और यह नौ फरवरी तक चलेगा।

हिंदू पक्ष ने ज्ञानवापी मस्जिद के सीलबंद क्षेत्र में शिवलिंग के एएसआई सर्वे के लिए न्यायालय का रुख किया

नई दिल्ली। हिंदू महिला वादियों ने उच्चतम न्यायालय का रुख कर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) को उस शिवलिंग की प्रकृति और उसकी विशेषताओं का पता लगाने का निर्देश देने का अनुरोध किया है जिसके बारे में दावा किया गया है कि वह वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद में एक सीलबंद क्षेत्र में पाया गया है। चार हिंदू महिलाओं ने एक अलग याचिका में उच्चतम न्यायालय के 19 मई 2023 के आदेश को भी रद्द करने का अनुरोध किया है जिसमें उसने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के 12 मई 2023 के निर्देश पर शिवलिंग की आयु का पता लगाने के लिए कार्बन डेटिंग समेत वैज्ञानिक सर्वेक्षण करने पर रोक लगा दी थी। ए महिलाए वाराणसी की एक अदालत में लंबित मुकदमे की मूल वादी भी हैं। उन्होंने कहा कि शिवलिंग की असल प्रकृति उसके आसपास की कृत्रिमाआधुनिक दीवाराफर्श हटाकर और खुदाई कर पूरे सीलबंद इलाके का सर्वेक्षण तथा अन्य वैज्ञानिक पद्धतियों का इस्तेमाल करके पता लगाया जा सकता है।

वकील विष्णु शंकर जैन के जरिए दायर याचिका में कहा गया है कि एएसआई को अदालत द्वारा दिए गए समय के भीतर एक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया जाए। इसमें कहा गया है, उचित और प्रभावी जांच के लिए यह आवश्यक है कि एएसआई को शिवलिंग (जिसे मुस्लिमों ने एक फव्वारा होने का दावा किया है) की प्रकृति और उसकी विशेषताओं का पता लगाने के लिए उसके आसपास आवश्यक खुदाई और अन्य वैज्ञानिक पद्धतियों का इस्तेमाल करने का निर्देश दिया जाए।

याचिका में कहा गया है कि शिवलिंग की मूल संरचना और उससे जुड़ी विशेषताओं का पता लगाने के लिए खुदाई आवश्यक है। यह याचिका उच्चतम न्यायालय में तब दायर की गई है जब कुछ दिन पहले वाराणसी की जिला अदालत ने ज्ञानवापी मस्जिद परिसर की सर्वे रिपोर्ट सभी पक्षकारों को सौंपे जाने का आदेश दिया। जैन ने बाद में दावा किया था कि एएसआई के वैज्ञानिक सर्वे की रिपोर्ट में कहा गया है कि मस्जिद का निर्माण पहले से मौजूद हिंदू मंदिर की संरचना पर किया गया था।

दोनों याचिकाओं में महिला वादियों ने कहा कि वाराणसी की दीवानी अदालत के आदेश पर एक सर्वे किया गया जिसके दौरान 16 मई 2022 को एक तालाब में एक बड़ा शिवलिंग पाया गया।

वादियों ने कहा कि 16 मई 2022 को मिला शिवलिंग भगवान शिव के भक्तों और सनातन धर्म के अनुयायियों के लिए पूजा की एक वस्तु है। याचिका में कहा गया है, श्रद्धालुओं को भगवान की पूजा, आरती और भोग लगाने का पूरा अधिकार है और उन्हें ऐसे अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता है। इसमें कहा गया है कि मामले में प्रमुख मुद्दा यह है कि 16 मई 2022 को मिली वस्तु शिवलिंग है या फव्वारा, जिसका केवल वैज्ञानिक जांच से ही पता चल सकता है। याचिका में कहा गया है कि एएसआई प्रमुख प्राधिकरण है जो पूरे सीलबंद इलाके का वैज्ञानिक सर्वेक्षण कर सकता है जिससे मामले में सच्चाई का पता चल सकता है। हिंदू कार्यकर्ताओं का दावा है कि इस स्थान पर पहले एक मंदिर था और 17वीं शताब्दी में मुगल सम्राट औरंगजेब के आदेश पर इसे ध्वस्त कर दिया गया था।

क्विक न्यूज

मेडिकल कॉलेजों में संकाय सदस्यों के लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य : राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग

नई दिल्ली। राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग (एनएमसी) ने मेडिकल कॉलेजों में संकाय सदस्यों (फैकल्टी) को कॉलेज समय के दौरान निजी प्रैक्टिस में शामिल होने से रोक दिया है और उनके लिए 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। इस कदम से फर्जी संकाय सदस्यों (घोस्ट फैकल्टी) की समस्या से निपटने में मदद मिलेगी। चिकित्सा नियामक ने पिछले सप्ताह स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों के लिए आवश्यकताओं के न्यूनतम मानक-2023 (पीजीएमएसआर-2023) दिशानिर्देश जारी किए। दिशानिर्देश में कहा गया, संकाय सदस्य पूर्णकालिक होगा और कॉलेज समय के दौरान निजी प्रैक्टिस में संलग्न नही होगा। संकाय सदस्यों की अपेक्षित संख्या के लिए कुल कार्य दिवसों की कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति अनिवार्य होगी। दिशानिर्देशों में यह भी निर्धारित किया गया है कि पूरे वर्ष अस्पताल के 80 प्रतिशत बिस्तरों पर आंतरिक रोगी देखभाल की आवश्यकता वाले रोगियों की भर्ती होनी चाहिए और स्नातकोत्तर प्रशिक्षण प्रदान करने वाले विभाग में कुल बिस्तरों का न्यूनतम 15 प्रतिशत गहन देखभाल इकाई (आईसीयू) बिस्तराउच्च निर्भरता इकाई (एचडीयू) बिस्तर विशेष रूप से उस विभाग का होना चाहिए। दिशानिर्देशों में कहा गया है कि अस्पताल भवन एक सेवा प्रदाता के रूप में अस्पताल की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए मौजूदा राष्ट्रीय भवन मानदंडों और अस्पतालों के लिए विभिन्न स्थानीय वैधानिक नियमों के अनुरूप होगा, जिसमें प्रशासन, पंजीकरण, रिकॉर्ड भंडारण, बाह्य रोगी और आंतरिक रोगी क्षेत्र, ऑपरेशन थिएटर, आईसीयू, रेडियोलॉजी और प्रयोगशाला सेवाएं और आपातकालीन क्षेत्र आदि शामिल हैं।

अधिक से अधिक वृक्षों की सुरक्षा करना राज्य की जिम्मेदारी

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि यह सुनिश्चित करना राज्य की जिम्मेदारी है कि अधिकतम संख्या में पेड़ों को काटे जाने से बचाया जाए। न्यायालय ने केंद्रीय अधिकार प्राप्त समिति (सीईसी) से ताज ट्रेपेजियम जोन (टीटीजेड) में एक सड़क परियोजना के निर्माण के लिए 3,874 पेड़ों को काटने का वैकल्पिक समाधान तलाशने को कहा। टीटीजेड लगभग 10,400 वर्ग किमी में फैला है और उप्र के आगरा, फिरोजाबाद, मथुरा, हाथरस और एटा जिलों और राजस्थान के भरतपुर जिले में फैला हुआ है। शीर्ष अदालत ताज महल और उसके आसपास के क्षेत्र के संरक्षण पर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही है। न्यायमूर्ति अभय एस. ओका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने उप्र सरकार को आगरा-जलेसर-एटा सड़क के प्रस्तावित संरेखण का एक स्केच प्रदान करने का निर्देश दिया और सीईसी से यह बताने को कहा कि क्या कुछ पेड़ों को बचाना संभव है। शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 12 मार्च को तय की और उत्तर प्रदेश सरकार से यह सुनिश्चित करने को कहा कि मंडल वन अधिकारी कुछ पेड़ों के स्थानांतरण की व्यवहार्यता पर एक रिपोर्ट दें।

यूजीसी ने वेबसाइट से अनारक्षण मसौदा दिशा निर्देश हटाए

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने मंगलवार को अपनी वेबसाइट से उस मसौदा दिशानिर्देश को हटा दिया, जिसमे एससी, एसटी और ओबीसी श्रेणियो के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नही होने पर आरक्षित पदों के अनारक्षण का सुझाव दिया गया था। इस मुद्दे को लेकर हाल मे विवाद हो रहा है। आयोग के अध्यक्ष एम. जगदीश कुमार ने हालांकि कहा, दिशानिर्देशो को वेबसाइट से हटा दिया गया है क्योंकि हितधारको के लिए अपनी प्रतिक्रिया देने की समय अवधि समाप्त हो गई है। यूजीसी के मसौदा दिशानिर्देशों पर रविवार को विवाद खड़ा हो गया, जिसमें कहा गया है कि उच्च शिक्षण संस्थानो मे अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) उम्मीदवारो के लिए आरक्षित किसी भी रिक्ति को अनारक्षित घोषित किया जा सकता है, अगर इन श्रेणियो के पर्याप्त उम्मीदवार उपलब्ध नही है। कांग्रेस ने इसे आरक्षण खत्म करने की साजिश करार दिया। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्पष्ट किया कि एक भी पद अनारक्षित नही किया जाएगा और केंद्रीय शैक्षिक संस्थान (शिक्षक संवर्ग मे आरक्षण) अधिनियम, 2019 के लागू होने के बाद आरक्षण के बारे मे अस्पष्टता की कोई गुंजाइश नही है।

एनआईए ने राजस्थान पीएफआई षड्यंत्र मामले में तीन के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने मुस्लिम युवाओ को कट्टरपंथी बनाने और 2047 तक भारत में इस्लामी शासन स्थापित करने को उन्हे लड़ने के लिए हथियारो का प्रशिक्षण देने से संबंधित मामले में प्रतिबंधित पीएफआई के तीन कार्यकर्ताओ के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया है। पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) की गैरकानूनी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियो पर रोकथाम की कार्वाई करते हुए राजस्थान पीएफआई षड्यंत्र मामले मे वाजिल अली, मुबारक अली और शमशेर खान के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया गया है। इससे पहले एनआईए ने तीन अन्य आरोपियो आसिफ, सादिक सर्राफ और मोहम्मद सोहेल के खिलाफ आरोप-पत्र दायर किया था।

छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को नोटिस जारी किया

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन पर हाल के विधानसभा चुनावों में विधायक के रूप में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के निर्वाचन को चुनौती देने वाली याचिका पर उनको नोटिस जारी किया है। न्यायमूर्ति पार्थ प्रतिम साहू द्वारा सोमवार को जारी आदेश की प्रति मंगलवार को उपलब्ध हुई। यह याचिका भाजपा सांसद विजय बघेल ने दायर की थी, जिन्होंने पाटन सीट से भूपेश बघेल के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ा था और हार गए थे। याचिकाकर्ता के वकील टी.के. झा ने कहा, विजय बघेल ने दलील दी कि 15 नवंबर को पाटन निर्वाचन क्षेत्र में शाम पांच बजे के बाद जुलूस निकालकर भूपेश बघेल ने जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 के प्रावधान का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, याचिकाकर्ता ने भूपेश बघेल के निर्वाचन को रद्द करने और उन्हें छह साल तक चुनाव लड़ने से रोकने की मांग की है।

पंजीकृत सड़क निर्माण मजदूरों को सवैतनिक मातृत्व अवकाश दें: सरकार

नई दिल्ली। महिला एवं बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि सरकार ने नियोक्ताओं को पंजीकृत सड़क निर्माण महिला मजदूरों को दो बच्चों तक 26 सप्ताह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश देने को कहा है। ईरानी ने कहा कि नियोक्ता दो से अधिक बच्चों और गोद लेने या किसी दूसरी महिला के गर्भ में भ्रूण विकसित करने के लिए अपने अंडाणु का इस्तेमाल करने वाली माताओं (कमीशनिंग मदर) को 12 सप्ताह का सवैतनिक मातृत्व अवकाश दे सकते हैं।

ईरानी ने कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी पर एक परामर्श जारी कर यह घोषणा की। श्रम मंत्रालय और महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने इस पर एक संयुक्त परामर्श जारी किया है। उन्होंने कहा, देशभर में महिला निर्माण मजदूरों के लिए मेरे हाथ में जो परामर्श है उसमें उन्हें नियोक्ताओं द्वारा 26 सप्ताह का मातृत्व अवकाश देने का प्रावधान है। यह एक क्रांतिकारी कदम है। यह केवल कागजी कदम नहीं है बल्कि अधिकारी महिलाओं को ऐसी सुविधाएं देने के बारे में सक्रियता से विचार करें।

बच्चे के जन्म के अलावा इस परामर्श में गर्भपात पर भी ध्यान दिया गया है। इसमें कहा गया है कि अगर निर्माण क्षेत्र में किसी महिला का गर्भपात होता है तो वह गर्भपात वाले दिन से छह सप्ताह के लिए मातृत्व अवकाश के बराबर सवैतनिक अवकाश की हकदार है। परामर्श के अनुसार, महिला निर्माण मजदूरों का वेतन उन्हें ऑनलाइन माध्यम से दिया जाए ताकि उनके सुपरवाइजर द्वारा उनसे धोखाधड़ी करने की गुंजाइश न हो। इस परामर्श में नियोक्ताओं द्वारा रात की पाली के दौरान महिला मजदूरों के लिए सुरक्षित और उनके अनुकूल माहौल देने की आवश्यकता पर जोर दिया गया है। साथ ही उन्हें खासतौर से रात के समय घर से लेने और घर छोड़ने की सुविधा देने पर भी जोर दिया गया है।

मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया के प्रति जागरूक करेंगी कठपुतलियां

सिद्धार्थनगर। कठपुतलियां सिर्फ मनोरंजन का साधन नहीं बल्कि स्वस्थ रहने को जागरूकता भी फैला सकती हैं। भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद तथा इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसायटी ओर से जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डायट में पांच दिवसीय ऐसी ही कार्यशाला का आरंभ हुआ। वेक्टर जनित रोगों जैसे मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया, एंसेफलाइटिस, स्क्रब टायफस आदि से बचाव के लिए लोक माध्यमों से विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार तथा गांव आउटरीच कार्यक्रम में 30 शिक्षक प्रतिभाग कर रहे हैं। डायट के वरिष्ठ प्रवक्ता और कार्यशाला संयोजक अनुराग श्रीवास्तव ने बताया कि सभी प्रतिभागी पटकथा लेखन, उसका नाट्य रूपांतरण, कठपुतली निर्माण और उसका संचालन सीखेंगे। बाद में ये सभी आउटरीच कार्यक्रम के तहत विज्ञान कठपुतली नाटकों का

ग्रामीण क्षेत्रों में मंचन करेंगे। विज्ञान संचारक संतोष त्रिपाठी ने बताया कि विभा वाणी के राज्य समन्वयक डॉ. वीपी सिंह, इंडियन साइंस राइटर्स एसोसिएशन के तारिक बदर, कठपुतली कलाकार श्रीनारायण श्रीवास्तव व सोनाली मौर्य सही कई विशेषज्ञ प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे। पहले दिन सभी प्रतिभागियों को मलेरिया, डेंगू, चिकनगुनिया आदि वेक्टर जनित रोगों पर निबंध और पटकथा लिखकर लाने को कहा गया, जिसे बाद में पुतुल नाटक के रूप में परिवर्तित किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में डायट के वरिष्ठ शिक्षक फुरकान अहमद, मोहम्मद यूनुस, धर्मेंद्र कुमार, हरिओम सिंह, अनिल कुमार बिंद, महेंद्र कुमार यादव, मंजुला यादव, सरोज सिंह और श्रवण कुमार विशेष रूप से उपस्थित थे।

पेज 1 का शेष

झारखंड में...

राज्य भाजपा प्रमुख बाबूलाल मरांडी ने भी एक विज्ञापन निकाला, जिसमें श्री सोरेन के बारे में जानकारी मांगी गई और विश्वसनीय जानकारी के लिए 11,000 रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई। ईडी ने इस मामले में अब तक 14 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें 2011 बैच की आईएएस अधिकारी छवि रंजन भी शामिल हैं, जो राज्य के समाज कल्याण विभाग के निदेशक और रांची के उपायुक्त के रूप में कार्यरत थीं। मामले में झारखंड भूमि राजस्व विभाग के एक कर्मचारी भानु प्रसाद प्रसाद को भी एजेंसी ने गिरफ्तार किया था। इससे पहले दिन में, राज्य में 'बिगड़ती कानून-व्यवस्था' पर बार-बार नाराजगी व्यक्त करने वाले राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने स्थिति का जायजा लेने के लिए मुख्य सचिव लालबियाक्तलुआंगा खियांग्ते और पुलिस महानिदेशक अजय कुमार सिंह को राजभवन में बुलाया। बैठक के बाद, डीजीपी ने कहा, 'कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य भर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है, जिसमें अतिरिक्त 7,000 पुलिसकर्मियों की तैनाती भी शामिल है।'

बजट सत्र...

योजनाओं के कारण पश्चिम बंगाल के लंबित बकाए को शामिल करना चाहिए। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि एक मुख्यमंत्री को राज्य का केंद्रीय बकाया समय पर आवंटन की मांग के लिए धरने पर बैठना पड़ा है। समाजवादी पार्टी के नेता एसटी हसन ने पूजा स्थल अधिनियम को मजबूत करने के लिए कदम उठाने की मांग की, जो 15 अगस्त, 1947 को मौजूद धार्मिक स्थलों की स्थिति को स्थिर कर देता है और रखरखाव सुनिश्चित करते हुए उनके रूपांतरण पर रोक लगाता है। हसन की यह मांग वाराणसी में ज्ञानवापी मस्जिद को हिंदू समुदाय को सौंपने की मांग के मद्देनजर आई है।

चंडीगढ़ मेयर...

करने का आरोप लगाया और इसे लोकतंत्र के लिए काला दिन करार दिया, जबकि भाजपा ने आरोपों को खारिज कर दिया। आप और कांग्रेस ने पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह पर आरोप लगाया कि उन्होंने गिनती के दौरान मतपत्रों पर कुछ निशान बना दिए, जिससे वे अवैध हो गए। उन्होंने तर्क दिया कि 'अमान्य' मतपत्रों ने संतुलन को भाजपा उम्मीदवार के पक्ष में झुका दिया। जीत के लिए अपनी पार्टी इकाई को बधाई देते हुए, भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा ने कहा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में 'इंडिया' ब्लॉक के उम्मीदवार की हार से पता चला है कि न तो उनका अंकगणित काम कर रहा है और न ही उनकी केमिस्ट्री काम कर रही है। नड्डा ने एक्स पर लिखा, 'मेयर चुनाव जीतने के लिए चंडीगढ़ भाजपा इकाई को बधाई।' भाजपा प्रमुख ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र शासित प्रदेशों में 'रिकॉर्ड विकास' हुआ है। विपक्षी एकता पर कटाक्ष करते हुए नड्डा ने कहा, 'इंडिया गठबंधन ने अपनी पहली चुनावी लड़ाई लड़ी और फिर भी भाजपा से हार गया, इससे पता चलता है कि न तो उनका अंकगणित काम कर रहा है और न ही उनकी केमिस्ट्री काम कर रही है।' जबकि केजरीवाल ने भाजपा पर चंडीगढ़ मेयर चुनाव के दौरान 'गुंडागर्दी' करने का आरोप लगाया और चुनाव के दौरान हुई घटनाओं की श्रृंखला को 'लोकतंत्र के लिए काला दिन' कहा। यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए आप के राष्ट्रीय संयोजक ने कहा कि पूरे देश ने देखा कि चंडीगढ़ मेयर चुनाव में क्या हुआ। यह लोकतंत्र के लिए काला दिन है। सभी ने देखा कि कैसे उन्होंने वोट चुराए और जबरन अपने उम्मीदवार को जिताया। मुद्दा यह नहीं है कि मेयर कौन बनता है, बल्कि देश नहीं हारना चाहिए और लोकतंत्र नहीं हारना चाहिए। मेयर आते हैं और जाते हैं, पार्टियां आती हैं और जाती है। उन्होंने कहा, 'आप-कांग्रेस गठबंधन के पास स्पष्ट बहुमत था और यह सीधा चुनाव था। आठ वोट या कुल वोटों का 25 प्रतिशत अवैध घोषित कर दिया गया। यह किस तरह का चुनाव था? मेयर चुनाव परिणाम से पता चलता है कि कुछ गड़बड़ है और बड़े पैमाने पर, वे राष्ट्रीय चुनावों में किसी भी हद तक जा सकते हैं।' केजरीवाल ने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाला केंद्र विपक्षी नेताओं को निशाना बनाने, पार्टियों को तोड़ने और सरकारों को गिराने के लिए चरम कार्रवाइयों का सहारा ले रहा है।

एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'लोकतांत्रिक व्यवस्था पर निर्लज्ज, बेशर्म कब्जा। चंडीगढ़ में मेयर चुनाव जीतने के लिए विपक्षी वोटों को अवैध घोषित करना दिखाता है कि लोकतांत्रिक जनादेश को खत्म करना भाजपा की दूसरी प्रकृति है।' पहले उन्होंने अचानक चुनाव स्थगित कर दिया, और फिर इस पर कब्ज़ा करने का एक तरीका ईजाद किया। यह उन सभी के लिए एक चेतावनी है जो यह सोचकर भ्रमित हैं कि मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा 2024 में जीतने पर लोकतंत्र को कार्य करने देगी।' 24 जनवरी के अपने आदेश में उच्च न्यायालय ने चंडीगढ़ प्रशासन को 30 जनवरी को सुबह 10 बजे मेयर चुनाव कराने का निर्देश दिया था। इसने चुनाव स्थगित करने के प्रशासन के 18 जनवरी के आदेश को 'अनुचित, अन्यायपूर्ण और मनमाना' करार देते हुए रद्द कर दिया था। उच्च न्यायालय ने यह भी निर्देश दिया था कि वोट डालने आने वाले पार्षदों के साथ किसी अन्य राज्य का कोई समर्थक या सुरक्षाकर्मी नहीं होगा। अदालत ने कहा था कि चंडीगढ़ पुलिस पार्षदों को सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। सदन के पांच साल के कार्यकाल के दौरान हर साल तीन पदों के लिए चुनाव होते हैं। कांग्रेस ने 2022 और 2023 में मतदान से परहेज किया था, जिसके कारण चुनावों में भाजपा की जीत हुई थी। महापौर का चुनाव गुप्त मतदान के माध्यम से किया जाता है। इस साल के चुनाव के लिए - इस कार्यकाल के लिए तीसरा - मेयर की सीट अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित की गई है। आप नेता राघव चड्ढा ने कहा कि वे दोबारा चुनाव की मांग को लेकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाएंगे।

भारत ने..

सेशेल्स ले जाया जा रहा है। ईरानी जहाज से जुड़ी नवीनतम कार्रवाई के बारे में जानकारी देते हुए नौसेना के अधिकारियों ने कहा कि सोमालिया के पूर्व और अदन की खाड़ी में समुद्री डकैती रोधी और समुद्री सुरक्षा अभियानों के लिए तैनात आईएनएस सुमित्रा ने जहाज अल नईमी के संकट कॉल पर तुरंत प्रतिक्रिया दी।

भाजपा की...

समान नागरिक संहिता एक वास्तविकता बन जाएगी। जबकि राज्य में भाजपा समूह प्रतिद्वंद्विता (पार्टी के एक दिग्गज के अनुसार, केरल भाजपा में नेताओं की तुलना में अधिक समूह हैं) और नेताओं के बीच आपसी अविश्वास जैसे कई मुद्दों के कारण चुनाव प्रचार में देर से आती है। शोभा सुरेंद्रन (सुरेंद्रन से कोई संबंध नहीं) को नेतृत्व पदानुक्रम के आसपास भी अनुमति नहीं है, हालांकि वह पार्टी मामलों में सक्रिय हैं। केरल में लोकसभा की 20 सीटें हैं, लेकिन पार्टी की 20 सीटों में से एक भी सीट जीतने की संभावना कम दिखती है क्योंकि केरल भाजपा में कोई प्रभावी नेता नहीं हैं। इसने राज्य के पार्टी प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर को यह दावा करने से नहीं रोका है कि भाजपा राज्य से कम से कम पांच सीटें जीतेगी।

राष्ट्रपिता...

उचित जवाब के रूप में अहिंसा की वकालत की और गरीबों और श्रमिक वर्ग के साथ न्यायसंगत व्यवहार की आवश्यकता को रेखांकित किया। इस प्रकार गांधीजी के कारण फार्म का नाम टॉल्स्टॉय फार्म रखा गया। सीजी जोहान्सबर्ग के रूप में उन्होंने वंदे भारत उड़ानों को भी सफलतापूर्वक संभाला और कोविड लॉकडाउन के दौरान दक्षिण अफ्रीका में फंसे भारतीयों को निकालने में मदद की।

लद्दाख...

लिए 'पहाड़ों के भूत' के रूप में जाने जाने वाले हिम तेंदुए लंबे समय से प्राचीन और कठोर परिदृश्यों का प्रतीक रहे हैं जिनमें वे रहते हैं। अपनी तरह के इस पहले सर्वेक्षण के निष्कर्षों ने न केवल उनकी लुप्तप्राय स्थिति पर प्रकाश डाला, बल्कि जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता के संदर्भ में हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र के स्वास्थ्य का संकेतक होने के नाते, उनके नाजुक आवासों को संरक्षित करने के महत्व पर भी जोर दिया। ट्रांस-हिमालयी क्षेत्र में लगभग 1,20,000 वर्ग किलोमीटर में फैले सर्वेक्षण का व्यापक मूल्यांकन भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) के नेतृत्व में सभी हिम तेंदुए रेंज वाले राज्यों, प्रकृति संरक्षण फाउंडेशन, मैसूर और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ के सहयोग से किया गया था। इस अध्ययन से पहले भारत में हिम तेंदुए की सीमा काफी हद तक अपरिभाषित थी।

चीन हमारे पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा: जयशंकर

भारत को प्रतिस्पर्धा से नहीं डरना चाहिए : विदेश मंत्री

भाषा। मुंबई

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि यह स्वीकार करना जरूरी है कि चीन भारत के पड़ोसी देशों को प्रभावित करेगा और भारत को ऐसी प्रतिस्पर्धी राजनीति से नहीं डरना चाहिए। भारतीय प्रबंधन संस्थान, मुंबई में छात्रों के साथ संवाद सत्र में मालदीव से तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हर पड़ोसी देश में समस्याएं हैं, लेकिन अंततः पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। जयशंकर ने कहा कि क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव को लेकर प्रतिस्पर्धा है, लेकिन इसे भारतीय कूटनीति की विफलता कहना

गलत होगा। उन्होंने कहा, हमें समझना चाहिए, चीन भी एक पड़ोसी देश है और कई मायनों में, प्रतिस्पर्धी राजनीति के तहत इन देशों को प्रभावित करेगा। मुझे नहीं लगता कि हमें चीन से डरना चाहिए। मुझे लगता है कि हमें यह मानना चाहिए वैश्विक राजनीति एक प्रतिस्पर्धी खेल है। आप अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करें, मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूंगा। जयशंकर ने कहा कि एक प्रमुख अर्थव्यवस्था होने के नाते, चीन संसाधनों का इस्तेमाल करके चीजों को अपने तरीके से आकार देने की कोशिश करेगा। उन्होंने कहा, मैं आज कहना चाहता हूं...हमें प्रतिस्पर्धा से डरना नहीं चाहिए। हमें प्रतिस्पर्धा का स्वागत करना चाहिए और कहना चाहिए कि मुझमें प्रतिस्पर्धा करने की क्षमता है। मालदीव में इंडिया आउट अभियान के बारे में एक सवाल पर जयशंकर ने भारतीय कूटनीति पर 'भरोसे' करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हर देश के पड़ोस में समस्याएं होंगी। समस्याएं तो होंगी। हमारा काम अनुमान लगाना, आकलन करना और प्रतिक्रिया देना है। अंत में पड़ोसियों के एक-दूसरे के साथ संबंध रहते हैं। उन्होंने बताया कि राजनीति में तीखे रुख अपनाए जाते हैं और कूटनीति हमेशा उन तीखे रुख से नहीं चलती। उन्होंने कहा, आखिरकार, पड़ोसियों को एक-दूसरे की जरूरत होती है। इतिहास और भूगोल बहुत शक्तिशाली ताकतें हैं। इससे कोई बच नहीं सकता। इस महीने की शुरुआत में, मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से कहा था कि वह 15 मार्च तक मालदीव में तैनात सभी भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुला ले।

भारत ने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष के लिए द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन किया

मुंबई। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत दशकों पुराने इजराइल-फलस्तीन संघर्ष को समाप्त करने के लिए द्विराष्ट्र समाधान का समर्थन करता है। उन्होंने कहा कि अक्टूबर की शुरुआत में यहूदी देश के अंदर हमास के हमलों के बाद गाजा पट्टी में युद्ध भड़क उठा है जिसकी समाप्ति का कोई संकेत नहीं दिखता। जयशंकर ने कहा कि पश्चिम एशिया में संघर्ष को समग्र तरीके से देखा जाना चाहिए। उन्होंने करीब चार महीने पहले इजराइल में हमास के घातक हमलों को आतंकवादी हमला करार दिया। भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम), मुंबई के छात्रों के साथ बातचीत में एक सवाल का जवाब देते हुए, जयशंकर ने कहा, यह निश्चित रूप से भारत का और बहुत बड़ी संख्या में देशों का विचार है कि द्विराष्ट्र समाधान ही कारगर हो सकता है जहां इजराइल के साथ फलस्तीन राष्ट्र होना चाहिए।

रेलवे भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक मामले में आरआरबी के पूर्व अध्यक्ष को पांच साल की जेल

नई दिल्ली। हैदराबाद में सीबीआई की एक विशेष अदालत ने 2010 में 1,936 सहायक स्टेशन मास्टर और सहायक लोको पायलट की भर्ती के लिए प्रश्नपत्रों के लीक होने के सिलसिले में रेलवे भर्ती बोर्ड-मुंबई के तत्कालीन अध्यक्ष सतेंद्र मोहन शर्मा और नौ अन्य को पांच साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सीबीआई मामलों के लिए प्रधान विशेष न्यायाधीश (हैदराबाद) ने जिन लोगों को सजा सुनाई है, उनमें आसन-मैंगलोर रेल विकास निगम के पूर्व मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ए के जगन्नाधम भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि अदालत ने शर्मा पर 1.75 लाख रुपए और जगन्नाधम पर 1.31 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया है।

क्विक न्यूज

ईडी ने शिवसेना-यूबीटी नेता संजय के भाई से पूछताछ की

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने मंगलवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के खिचड़ी घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में शिवसेना-उद्धव बालासाहेब ठाकरे (शिवसेना-यूबीटी) के नेता और सांसद संजय राउत के छोटे भाई संदीप राउत से पूछताछ की। संजय राउत के साथ संदीप पूर्वाह्न करीब 11.30 बजे दक्षिण मुंबई के बैलार्ड एस्टेट स्थित कार्यालय में जांच एजेंसी के सामने पेश हुए। मामले के विवरण के अनुसार, बीएमसी द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान शहर में फंसे प्रवासी श्रमिकों को खिचड़ी पैकेट उपलब्ध कराने के ठेके में नियमों का उल्लंघन किया गया था। ईडी ने इस मामले में आदित्य ठाकरे के करीबी सहयोगी और युवा सेना के पदाधिकारी सूरज चव्हाण को गिरफ्तार किया है। ईडी ने आरोप लगाया कि सूरज ने एक वरिष्ठ राजनेता और बीएमसी अधिकारी से निकटता के कारण फोर्स वन मल्टी सर्विसेज को अनुबंध हासिल करने में मदद की और इस लेनदेन में गलत तरीके से 1.35 करोड़ रुपए का लाभ कमाया। ईडी कार्यालय के बाहर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए संदीप राउत ने कहा कि उन्होंने अतीत में कुछ भी गलत नहीं किया और भविष्य में भी कोई गलत काम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, मैं ईडी अधिकारियों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दूंगा।

राधा रतूड़ी होंगी उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव

देहरादून। अपर मुख्य सचिव राधा रतूड़ी उत्तराखंड की पहली महिला मुख्य सचिव होंगी। आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस संबंध में अपनी मंजूरी दे दी है। वर्ष 1988 बैच की भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी रतूड़ी, सुखबीर सिंह संधु का स्थान लेंगी जिनका कार्यकाल बुधवार को समाप्त हो रहा है। नवंबर, 2000 में अस्तित्व में आए उत्तराखंड में शीर्ष प्रशासनिक पद पर पहुंचने वाली रतूड़ी पहली महिला है। अपने लंबे प्रशासनिक करियर के दौरान रतूड़ी ने अविभाजित उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड दोनों राज्यों में कई महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां संभाली। उत्तराखंड के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है जब पति और पत्नी दोनों शीर्ष पदों तक पहुंचे हो। उनके पति अनिल रतूड़ी भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी रहे हैं जो प्रदेश में पुलिस महानिदेशक की जिम्मेदारी संभालने के बाद नवंबर 2020 को सेवानिवृत्त हुए। छात्र जीवन से लिखने का शौक रखने वाली रतूड़ी ने पहले पत्रकारिता में हाथ आजमाया। अपने करियर की शुरुआत में कॉलेज पत्रिका के संपादकीय बोर्ड में शामिल रहीं रतूड़ी दो साल तक इसकी संपादक भी रहीं। मुंबई से 1985 में इतिहास में स्नातकोत्तर की उपाधि लेने के बाद रतूड़ी ने जन संचार का कोर्स किया तथा थोड़े समय के लिए इंडियन एक्सप्रेस अखबार और इंडिया टुडे पत्रिका में काम किया।

झारखंड के स्कूल में शिक्षक ने प्रेम प्रसंग को लेकर दो सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की

रांची। झारखंड के गोड्डा जिले में एक सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने प्रेम प्रसंग को लेकर अपने दो सहकर्मियों की कथित रूप से गोली मारकर हत्या कर दी और बाद में खुद को भी गोली मारकर बुरी तरह घायल कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर पोरैयाहाट के अपग्रेडेड हाई स्कूल में पूर्वाह्न करीब 11 बजे घटी। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने पीटीआई-भाषा को बताया, दो शिक्षकों के शव स्कूल के एक कमरे में खून से लथपथ मिले जिनमें एक महिला थी। वहीं आरोपी शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने गोली चलने की आवाज सुनी तो वे वहां पहुंचे और कमरे को अंदर से बंद पाया। इसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचित किया। पुलिस मौके पर पहुंची और दरवाजा तोड़ दिया लेकिन तब तक दोनों शिक्षकों की मौत हो चुकी थी जिनके सिर में गोली लगी थी। आरोपी शिक्षक ने अपने सिर के दाईं ओर गोली मारकर खुदकुशी की कोशिश की। प्रथमदृष्टया, यह प्रेम प्रसंग का मामला लगता है। ग्रामीणों और विद्यार्थियों के अनुसार दोनों पुरुष शिक्षकों के कथित रूप से महिला शिक्षक से प्रेम संबंध थे।

बीएचएल ने तीसरी तिमाही के परिणाम की घोषणा

मुंबई। द इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) की सहायक कंपनी, बनारस होटल्स लिमिटेड (बीएचएल) ने 31 दिसंबर, 2023 को समाप्त होने वाली तीसरी तिमाही के वित्तीय परिणाम की घोषणा की। बनारस होटल्स लिमिटेड (बीएचएल) के अध्यक्ष, डॉ. अनंत नारायण सिंह ने कहा, घरेलू यात्रा और शहर में होने वाले कार्यक्रमों में वृद्धि के कारण हमने उच्च मांग दर्ज की। बीएचएल ने लगातार तीन तिमाहियों के दौरान आय में 20 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की, जिससे दिसंबर 2023 को समाप्त होने वाली नौ महीने की अवधि में दर्ज पीएटी (कर पश्चात मुनाफा) अब तक का उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। बीएचएल ने एक नए विंग का निर्माण शुरू कर दिया है, जिसमें 100 अतिरिक्त कमरे और एक रेस्तरां शामिल है। नवीकरण के पहले चरण में, ताज गंगा ने अपने नए स्विमिंग पूल का परिचालन शुरू कर दिया है। ताज नदेसर पैलेस, वाराणसी अपने परिसर में अतिरिक्त इन्वेंटरी की संभावना तलाश रहा है। ब्रांड फाइनेंस की ब्रांड वैल्यू रिपोर्ट इंडिया 2023 ने ताज को विभिन्न क्षेत्रों और उद्योगों में भारत का सबसे मजबूत ब्रांड करार दिया है।ज़ ताज नदेसर पैलेस, वाराणसी को प्रतिष्ठित कोंडे नास्ट ट्रैवलर रीडर्स च्वाइस अवार्ड्स 2023 में भारत के बेहतरीन होटलों की सूची में शामिल किया गया है।

गुजराती फूड फेस्टिवल में जुटे लोग

कानपुर। प्रामाणिक गुजराती व्यंजनों के समृद्ध और विविध स्वाद का जश्न मनाने के लिए गुजरात पर्यटन द्वारा आयोजित गुजराती फूड फेस्टिवल में कानपुर में मेहमानों ने गुजरात के समृद्ध स्वादों के माध्यम से एक स्वादिष्ट यात्रा शुरू की। विजय इंटरकॉन्टिनेंटल होटल में आयोजित फूड फेस्टिवल में मेहमानों को स्वादिष्ट गुजराती व्यंजन खिलाए गए।यह फूड फेस्टिवल वाकई में एक उल्लासपूर्ण उत्सव था, जो प्रामाणिक गुजराती रसोई के सुगंधित आनंद से भरा था। यहां पर आयोजन स्थल को गुजराती फूड कल्चर के वाइब्रन्ट डिस्प्ले से सजाया गया था, जिसने स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठाने के लिए भव्य मंच तैयार किया था। इस फूड फेस्टिवल में सम्मानित अतिथियों ने मिनी हांडवो, पात्रा, खांडवी, ढोकला, खमन, फुलवड़ी, बटाटा वडा और मेथिना गोटा सहित पारंपरिक गुजराती स्नैक्स की एक विस्तृत श्रृंखला का आनंद लिया। प्रत्येक बाइट स्वाद से भरपूर थी, जो गुजरात के हलचल भरे बाजारों और जीवंत सड़कों की याद दिलाती थी।

नई तकनीकि से रूबरू होंगे युवा

अयोध्या। रियलमी ने अपनी प्रीमियम नंबर सीरीज़ में सबसे नया स्मार्टफ़ोन, रियलमी 12 प्रो सीरीज़ 5जी पेश किया। रियलमी 12 प्रो सीरीज 5जी में दो असाधारण स्मार्टफोन, रियलमी 12 प्रो 5जी और रियलमी 12 प्रो 5जी लॉन्च किए गए हैं। ये नेक्स्ट-जेन इमेजिंग स्मार्टफोन हैं, जो रियलमी की पुनर्निर्मित 'मेक इट रियल' ब्रांड भावना की ओर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हैं, और युवाओं के अनुरूप ब्रांड की एक नई पहचान प्रस्तुत करते हैं। रियलमी 12 प्रो 5जी में अगली जनरेशन की इमेजिंग तकनीक है और इसमें फुल-फोकल-लेंथ, लॉसलेस जूम क्षमताओं और क्वालकॉम के सहयोग से विकसित प्रोप्राइटरी मास्टरशॉट एल्गोरिदम संभव बनाने के लिए अत्याधुनिक पेरिस्कोप टेलीफोटो टेक्नोलॉजी दी गई है। यह युवाओं के लिए फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी का अनुभव नए आयाम में ले जाने के लिए डिज़ाइन किया गया है। क्वालकॉम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के सौरभ अरोड़ा ने कहा यह उत्पाद हमारी प्रतिबद्धता पर बल देता है।

प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वीबीए महा विकास आघाडी में शामिल

मुंबई। कांग्रेस, राकांपा (शरद पवार गुट) और शिवसेना (यूबीटी) के महा विकास आघाडी (एमवीए) गठबंधन ने मंगलवार को आगामी लोकसभा चुनाव से पहले प्रकाश आंबेडकर के नेतृत्व वाली वंचित बहुजन आघाडी (वीबीए) 'धन में शामिल करने की घोषणा की। कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष नाना पटोले ने एक्स पर कहा, कांग्रेस, राकांपा और शिवसेना ने सर्वसम्मति से वीबीए को राजनीतिक सहयोगी के रूप में शामिल करने का निर्णय लिया है। हम निरंकुशता के खिलाफ लड़ने के आपके रुख के लिए आभारी है।

जदयू की महाराष्ट्र इकाई विपक्षी गठबंधन का हिस्सा बनी रहेगी : कपिल पाटिल

मुंबई। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) की महाराष्ट्र इकाई विपक्षी गठबंधन इंडिया का हिस्सा बनी रहेगी। राज्य इकाई के एक नेता ने मंगलवार को यह जानकारी दी।जदयू अध्यक्ष नीतीश कुमार ने रविवार को रिकॉर्ड नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। उन्होंने विपक्षी गठबंधन इंडिया को छोड़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के साथ राज्य में नई सरकार बनाई। नीतीश ने 18 महीने से भी कम समय पहले भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन से नाता तोड़ लिया था। पार्टी महासचिव और विधान परिषद के सदस्य कपिल पाटिल ने यहां कहा कि जदयू की राज्य इकाई विपक्षी गठबंधन इंडिया के साथ अपने संबंध जारी रखेगी।उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने शीर्ष नेतृत्व को अपने फैसले से अवगत करा दिया है।

न्युवोको ने तीसरी तिमाही में 31.03 करोड़ रुपये का लाभ कमाया

मुंबई। न्युवोको विस्टास कॉर्पोरेशन लिमिटेड, भारत की निर्माण सामग्री क्षेत्र में एक प्रमुख कंपनी, ने 31 दिसंबर 2023 को समाप्त तिमाही में 31.03 करोड़ रुपये का लाभ दर्ज किया है। बीते साल की समान तिमाही में न्युवोको ने 75.29 करोड़ रुपये का नुकसान दर्ज किया था। भारत में पांचवें सबसे बड़े सीमेंट समूह, न्युवोको ने लगातार मजबूत प्रदर्शन किया और न्युवोको ने बिक्री और आय में बढ़ोतरी के साथ लाभ भी कमाया है। तीसरी तिमाही में न्युवोको की कुल सीमेंट बिक्री 4.02 एमएमटी तक पहुंच गई और अपने पूरे संचालन से राजस्व 2,421 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। न्युवोको विस्टास कॉर्प लिमिटेड के प्रबंध निदेशक श्री जयकुमार कृष्णास्वामी ने न्युवोको के ऑपरेशंस में शानदार सफलता और लागत दक्षता पर प्रकाश डालते हुए चुनौतीपूर्ण मांग स्थितियों के बीच न्युवोको की मजबूत ग्रोथ की सराहना की। उन्होंने कहा कि हरियाणा सीमेंट प्लांट में अतिरिक्त क्षमता और गुणवत्ता और इनोवेशन पर निरंतर जोर के साथ, न्युवोको का लक्ष्य पूर्व में अपनी नेतृत्व स्थिति को बनाए रखते हुए उत्तर में एक बड़ा बाजार हिस्सेदारी हासिल करना है।

झारखंड के स्कूल में शिक्षक ने दो सहकर्मियों की गोली मारकर हत्या की

रांची। झारखंड के गोड्डा जिले में एक सरकारी स्कूल के एक शिक्षक ने अपने दो सहकर्मियों की गोली मारकर कथित तौर पर हत्या कर दी और बाद में खुद को भी गोली मारकर बुरी तरह जख्मी कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि घटना रांची से करीब 300 किलोमीटर दूर पोरेयाहाट के अपग्रेडेड हाई स्कूल में सुबह करीब 11 बजे घटी। गोड्डा के पुलिस अधीक्षक नाथू सिंह मीणा ने पीटीआई-भाषा को बताया, दो शिक्षकों के शव स्कूल के एक कमरे में खून से लथपथ मिले जिनमें एक महिला थी। वहीं आरोपी शिक्षक भी गंभीर रूप से घायल अवस्था में मिला है।

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक-कुलाधिपति सतनाम संधू राज्यसभा के लिए मनोनीत

भाषा। नई दिल्ली

चंडीगढ़ विश्वविद्यालय के संस्थापक-कुलाधिपति सतनाम सिंह संधू को मंगलवार को राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया।गृह मंत्रालय ने एक अधिसूचना में कहा कि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संधू को संसद के ऊपरी सदन के लिए नामित किया है।अधिसूचना में कहा गया है कि किसान के बेटे संधू भारत के प्रमुख शिक्षाविदों में से एक हैं।इसमें कहा गया है, संधू एक कृषक भी हैं और शिक्षा प्राप्त करने के लिए उन्होंने संघर्ष किया। उन्हें 2001 में मोहाली में चंडीगढ़ ग्रुप ऑफ कॉलेजेज (सीजीसी) की स्थापना और 2012 में चंडीगढ़ विश्वविद्यालय की स्थापना का श्रेय जाता है। बयान के अनुसार, वह अपने दो गैर सरकारी संगठनों इंडियन माइनॉरिटीज़ फाउंडेशन और न्यू इंडिया डेवलपमेंट फाउंडेशन के माध्यम से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार और सांप्रदायिक सद्भाव को आगे बढ़ाने के लिए बड़े पैमाने पर सामुदायिक प्रयासों में सक्रिय रूप से शामिल हैं। उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने संधू के राज्यसभा के लिए नामांकन का स्वागत किया।धनखड़ ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, सामुदायिक सेवा में उनका समृद्ध कार्य और शिक्षा, नवाचार और सीखने के प्रति उनका जुनून राज्यसभा के लिए ताकत का बड़ा स्रोत होगा।

जब तक जीवित हूं, बंगाल में सीएए लागू नहीं होने दूंगी: ममता

भाषा। रायगंज (पश्चिम बंगाल)

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने लोकसभा चुनाव से पहले सीएए का मुद्दा उठाने के लिए मंगलवार को भाजपा पर निशाना साधा और कहा कि वह अपने जीवनकाल में राज्य में इसे लागू नहीं होने देंगी। उत्तर दिनाजपुर जिले के रायगंज में सार्वजनिक वितरण कार्यक्रम के दौरान उन्होंने आरोप लगाया कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने लाभ लेने के लिए आगामी चुनावों से पहले नागरिकता (संशोधन) अधिनियम यानी सीएए का मुद्दा उठाया है। बनर्जी ने कहा, वे (भाजपा) चुनाव से पहले एनआरसी (राष्ट्रीय नागरिक पंजी),

सीएए और समान नागरिक संहिता के बारे में बात कर रहे हैं। यह राजनीति के अलावा कुछ नहीं है। हमने सभी को नागरिकता दी है (और) उन्हें (सीमावर्ती क्षेत्रों के लोगों) को सब कुछ मिल रहा है। वे नागरिक हैं, यही कारण है कि वे वोट देते हैं। बनर्जी ने कहा, मैं यह स्पष्ट कर दूं कि जब तक मैं जीवित हूं, पश्चिम बंगाल में इसे लागू नहीं होने दूंगी।बनर्जी ने केंद्रीय मंत्री और भाजपा नेता शांतनु ठाकुर के हालिया दावे पर प्रतिक्रिया देते हुए यह बात कही है। ठाकुर ने कहा था कि पूरे देश में एक सप्ताह के अंदर सीएए लागू किया जाएगा। रविवार को दक्षिण 24 परगना जिले के काकद्वीप में एक जनसभा के दौरान दिए गए ठाकुर के बयान ने विवादास्पद कानून को लागू किए जाने को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं।भाजपा के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने वर्ष 2019 में सीएए को मंजूरी दी थी। कानून में 31 दिसंबर 2014 से पहले बांग्लादेश, पाकिस्तान और अफगानिस्तान से हिंदू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और ईसाइयों सहित प्रताड़ित गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्रदान करने का प्रावधान है।

छत्तीसगढ़ में नक्सली हमले में सीआरपीएफ के तीन जवान शहीद

14 अन्य घायल हो गए

भाषा। रायपुर

छत्तीसगढ़ के बीजापुर और सुकमा जिलों की सीमा पर मंगलवार को नक्सलियों के साथ मुठभेड़ के दौरान दो कोबरा कमांडो समेत केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के कम से कम तीन जवानों की मौत हो गई और 14 अन्य घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि तीन शहीद जवानों में दो कोबरा की 201वीं बटालियन के और एक सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन का है। सीआरपीएफ की कमांडो बटालियन फॉर रिजॉल्यूट एक्शन (कोबरा) जंगल में युद्ध अभियान चलाने वाली इकाई है। पुलिस महानिदेशक (बस्तर रेंज) सुंदरराज पी. ने बताया कि यह घटना बीजापुर और सुकमा जिले की सीमा पर स्थित टेकलगुडेम गांव के समीप उस वक्त हुई, जब सुरक्षाकर्मियों का एक संयुक्त दल तलाश अभियान चला रहा था। उन्होंने बताया कि

सोमवार को राजधानी रायपुर से करीब 450 किलोमीटर दूर अंतर-जिला सीमा पर माओवादियों का गढ़ माने जाने वाले टेकलगुडेम में सुरक्षाकर्मियों का एक नया शिविर स्थापित किया गया था। उन्होंने बताया कि शिविर स्थापित करने के बाद विशेष कार्य बल, जिला रिजर्व बल और कोबरा के कर्मी जुनागुड़ा-अलीगुड़ा गांवों के समीप तलाश अभियान चला रहे थे तभी नक्सलियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी जवाबी कार्वाई की। सुंदरराज ने बताया कि नक्सलियों को जब पता चला कि सुरक्षा कर्मी उन्हें घेर रहे हैं तो वे घटनास्थल से फरार हो गए। उन्होंने कहा, घटना में तीन जवान शहीद हो गए और 14 अन्य घायल हो गए हैं। मृतकों में से दो कोबरा की 201वीं बटालियन के और एक सीआरपीएफ की 150वीं बटालियन के थे। उन्होंने बताया कि घायल जवानों को एक अस्पताल में ले जाया जा रहा है। अप्रैल 2021 में भी इसी टेकलगुडेम जंगल में नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में 23 सुरक्षाकर्मी मारे गए थे।

पी. सी. जॉर्ज की केरल जनपक्षम (सेक्युलर) की भाजपा में विलय की योजना

भाषा। कोट्टायम (केरल)

केरल के पूर्व विधायक पी. सी. जॉर्ज ने मंगलवार को संकेत दिया कि उनके नेतृत्व वाली केरल जनपक्षम (सेक्युलर) पार्टी का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय होने की संभावना है। जॉर्ज ने यहां समाचार चैनलों से बातचीत में कहा कि उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं की सामान्य भावनाएं भाजपा में शामिल होने के पक्ष में हैं और इस संबंध में निर्णय लोकसभा चुनाव से पहले किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा कोई निर्णय लिया जाता है तो यह विलय नहीं होगा क्योंकि हमारी पार्टी बहुत छोटी है और यह नदी में मिलने वाली एक छोटी धारा की तरह होगी। केरल विधानसभा में 30 साल से अधिक समय तक पूंजर सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले जॉर्ज ने नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की और कहा कि भारत को इतना कुशल प्रधानमंत्री कभी नहीं मिला और पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच यही राय है कि उनका (प्रधानमंत्री का) समर्थन किया जाए। यह पूछे जाने पर कि अगर वह भाजपा में शामिल होते हैं तो क्या वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे, उन्होंने कहा, अगर भाजपा मुझसे चुनाव लड़ने के लिए कहेगी तो मैं लड़ूंगा, अगर नहीं तो मैं नहीं लड़ूंगा। कोट्टायम जिले के पूंजर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले सात बार के पूर्व विधायक जॉर्ज ने 1982 से 1987 और 1996 से 2022 तक कुल 33 वर्षों तक केरल विधानसभा में प्रतिनिधित्व किया। 2016 के विधानसभा चुनावों के बाद अपनी खुद की पार्टी केरल जनपक्षम (सेक्युलर) बनाने से पहले वह केरल कांग्रेस, केरल कांग्रेस (जोसेफ), केरल कांग्रेस (मणि) और केरल कांग्रेस (सेक्युलर) जैसे विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े थे। अपने राजनीतिक करियर के दौरान जॉर्ज यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) सरकार के सत्ता में रहने पर 2011 से 2015 तक केरल विधानसभा के मुख्य सचेतक जैसे पदों पर रहे। बाद में उन्होंने 2017 में अपनी पार्टी की स्थापना की। जॉर्ज 2021 के विधानसभा चुनावों में त्रिकोणीय मुकाबले में वाम लोकतांत्रिक मोर्चा के उम्मीदवार से अपने गढ़ पूंजर क्षेत्र में चुनाव हार गए थे।

राष्ट्रीय महत्व के संस्थान में राष्ट्रीय संरचना झलकनी चाहिए: सरकार ने एएमयू मामले पर न्यायालय से कहा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय से कहा कि राष्ट्रीय महत्व के किसी संस्थान में राष्ट्रीय संरचना झलकनी चाहिए। केंद्र ने साथ ही यह भी कहा कि अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) में पढ़ने वाले करीब 70 से 80 प्रतिशत छात्र आरक्षण के बिना भी मुस्लिम हैं। प्रधान न्यायाधीश डी वाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जे बी पारदीवाला, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्त, न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की सात-न्यायाधीशों की संविधान पीठ एएमयू के अल्पसंख्यक दर्जा संबंधी जटिल मुद्दे पर दलीलें सुन रही है। केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने पीठ से कहा कि मामले का निर्णय करने में सामाजिक न्याय एक बहुत ही निर्णायक कारक होगा। मेहता ने पीठ से कहा, 'आपको इस बात को ध्यान में रखना होगा कि पक्षों के बीच यह लगभग स्वीकृत स्थिति है कि आरक्षण के बिना भी, लगभग 70 से 80 प्रतिशत छात्र मुस्लिम हैं। उन्होंने कहा, मैं धर्म पर बात नहीं कर रहा हूं। यह एक बहुत ही गंभीर विषय है। संविधान द्वारा घोषित राष्ट्रीय महत्व की संस्था को राष्ट्रीय संरचना को प्रतिबिंबित करना चाहिए। आरक्षण के बिना, यह स्थिति है। शीर्ष अदालत में दायर अपनी लिखित दलील में, मेहता ने कहा है कि एक अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थान को केंद्रीय शिक्षण संस्थान (प्रवेश में आरक्षण) अधिनियम, 2006 (2012 में संशोधित) की धारा 3 के तहत आरक्षण नीति लागू करने की आवश्यकता नहीं है। छठे दिन की सुनवाई के दौरान मेहता ने आरक्षण पहलू का जिक्र करते हुए कहा कि एएमयू बेहतरीन विश्वविद्यालयों में से एक है और इसे राष्ट्रीय महत्व के संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त है। उन्होंने कहा, इसलिए, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के योग्य उम्मीदवार या सामाजिक और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के व्यक्ति को आरक्षण नहीं मिलेगा, लेकिन आर्थिक रूप से साधन संपन्न व्यक्ति को महज धर्म के आधार पर आरक्षण मिलेगा...।

मालदीव में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या में भारतीय पांचवें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली। मालदीव आने वाले विदेशी पर्यटकों में पहले सर्वाधिक संख्या भारतीयों की होती थी जो नई दिल्ली और माले के बीच कूटनीतिक विवाद के बीच पिछले कुछ सप्ताह में कम होकर पांचवें स्थान पर आ गई है। मालदीव के पर्यटन मंत्रालय द्वारा जारी आधिकारिक आंकड़ों में इस द्वीपीय देश की यात्रा करने वाले भारतीय मुसाफिरों की संख्या में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है। आंकड़े बताते हैं कि पिछले तीन साल में हर साल दो लाख से अधिक भारतीयों ने मालदीव का भ्रमण किया जो कोविड-19 महामारी के बाद किसी देश के पर्यटकों की सर्वाधिक संख्या है। हालांकि, भारतीयों के लिए पसंदीदा गंतव्य रहे इस देश को अब आलोचना का सामना करना पड़ रहा है जिसके तीन कैबिनेट मंत्रियों ने इस महीने की शुरुआत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की लक्षद्वीप की यात्रा के बाद उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां की थीं। आंकड़ों के अनुसार मालदीव में इस साल 28 जनवरी तक 1.74 लाख से अधिक पर्यटक आए हैं।

हनुमान ध्वज विवाद : पंचायत विकास अधिकारी निलंबित

मुख्यमंत्री ने कहा शांति भंग कर रहे गोडसे के वंशज

भाषा। बेंगलुरु

मांड्या के एक गांव में हनुमान ध्वज हटाने को लेकर हुए विवाद के संबंध में पंचायत के एक अधिकारी को निलंबित कर दिया गया। वहीं मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने कहा कि राज्य में शांति भंग करने के लिए गोडसे के वंशज जिम्मेदार हैं। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि हनुमान ध्वज हटाने को लेकर केरागोडु गांव में तनाव फैल गया था लेकिन हालात अब सामान्य हो गए हैं। मांड्या में 108 फुट ऊंचे ध्वजस्तंभ से हनुमान ध्वज हटाए जाने के खिलाफ सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और जनता दल सेक्युलर ने व्यापक विरोध-प्रदर्शन किया। वहीं मुख्यमंत्री ने विपक्षी दलों पर राजनीतिक लाभ प्राप्त करने के लिए विरोध प्रदर्शन करने का आरोप लगाया। महात्मा गांधी की पुण्यतिथि पर यहां उन्हें श्रद्धांजलि देने के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सिद्धरमैया ने कहा, हमारे बीच ऐसे लोग भी हैं, जो (नाथूराम) गोडसे की पूजा करते हैं हालांकि वे महात्मा गांधी के बारे में भी बात करते हैं। मांड्या में तनावपूर्ण स्थिति के बारे में सिद्धरमैया ने कहा कि शांति भंग करने के प्रयास किए जा रहे हैं। महात्मा गांधी की हत्या के संदर्भ में उन्होंने कहा, जो शांति भंग कर रहे हैं, वे गोडसे के वंशज हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, लोगों को समाज में शांति के लिए प्यार और विश्वास से रहना चाहिए। किसी को भी सांप्रदायिक भावनाएं भड़काने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। सिद्धरमैया ने जोर देकर कहा कि केरागोडु पंचायत ने तिरंगा या फिर सिर्फ कर्नाटक का ध्वज फहराने की मंजूरी दी थी न कि कोई धार्मिक या राजनीतिक ध्वज। उन्होंने आरोप लगाया, वे (केरागोडु में कार्यक्रम के आयोजक जिन्होंने भगवा झंडा फहराया था) कार्यक्रम आयोजित करने की अनुमति के लिए अपने लिखित हलफनामे के खिलाफ क्यों गए? यह राजनीतिक लाभ प्राप्त करने और समाज में अशांति पैदा करने के लिए किया गया। अधिकारियों ने बाद में हनुमान ध्वज हटाकर राष्ट्रीय ध्वज लगा दिया। इस बीच, मांड्या जिला पंचायत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी शेख तनवीर आसिफ ने सोमवार को केरागोडु गांव के पंचायत विकास अधिकारी (पीडीओ) को निलंबित कर दिया। आसिफ द्वारा जारी आदेश में कहा गया कि गांव में केवल भारतीय ध्वज तिरंगा फहराने की अनुमति दी गई थी लेकिन पीडीओ ने न केवल लोगों को हनुमान ध्वज फहराने का मौका दिया बल्कि इसे हटाने के लिए भी कदम नहीं उठाया।

ओडिशा मंत्रिमंडल ने आदिवासी भूमि के हस्तांतरण पर फैसला वापस लिया

भाषा। भुवनेश्वर

लोकसभा और ओडिशा विधानसभा चुनावों से पहले राज्य सरकार ने आदिवासी भूमि हस्तांतरण को लेकर पूर्व में लिए गए अपने फैसले को वापस ले लिया है और एक नई योजना को भी मंजूरी दी है जिससे लगभग एक करोड़ आदिवासी आबादी को फायदा होगा। मुख्यमंत्री नवीन पटनायक की अध्यक्षता में सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में ए निर्णय लिए गए। बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार, मंत्रिमंडल ने ओडिशा अनुसूचित क्षेत्र अचल संपत्ति हस्तांतरण (अनुसूचित जनजातियों द्वारा) विनियमन में संशोधन करके आदिवासियों को अपनी जमीन गैर-आदिवासियों को सौंपने की अनुमति देने के 14 नवंबर 2023 के फैसले को वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। सरकार द्वारा पिछले साल नवंबर में लिए गए फैसले को विभिन्न हलकों से तीखी प्रतिक्रिया मिल रही थी। एक आधिकारिक टिप्पणी में कहा गया, आज मंत्रिमंडल ने पूर्व के फैसले को वापस लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी।

इजरायल का वेस्ट बैंक पर हमला, तीन आतंकी ढेर

अस्पताल में छिपे थे फलस्तीनी आतंकवादी

जेनिन। असैन्य महिलाओं और चिकित्सा कर्मियों के भेष में इजरायली बलों ने मंगलवार को वेस्ट बैंक में एक अस्पताल पर हमला किया, जिसमें एक नाटकीय हमले में तीन फलस्तीनी आतंकवादियों की मौत हो गई। इससे पता चलता है कि गाजा में युद्ध से क्षेत्र में कितनी घातक हिंसा फैल गई है। फलस्तीन के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि इजरायली बलों ने जेनिन कस्बे में स्थित इब्न सिना अस्पताल के वार्डों में गोलीबारी शुरू कर दी। मंत्रालय ने हमले की निंदा की और अंतरराष्ट्रीय समुदाय का आह्वान किया कि अस्पतालों में इस तरह के अभियानों पर रोक लगाने के लिए इजराइल की सेना पर दबाव बनाया जाए। अस्पताल के एक प्रवक्ता ने कहा कि दोनों तरफ से गोलीबारी नहीं हुई जिससे संकेत मिलता है कि यह निशाना साधकर लोगों को मारने का मामला है। सेना ने कहा कि आतंकवादी छिपने के लिए अस्पताल का इस्तेमाल कर रहे थे। हालांकि उसने इस बाबत सबूत पेश नहीं किए।

नेतान्याहू ने गाजा से हटने या हजारों आतंकवादियों की रिहाई से इनकार किया, हमास ने की थी मांग

यरुशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू ने मंगलवार को कहा कि गाजा से कोई सैन्य वापसी या जेल में बंद हजारों आतंकवादियों की रिहाई नहीं होगी। फिलहाल चल रही अप्रत्यक्ष संघर्ष विराम वार्ता में हमास की तरफ से रखी गई यह दो मांग प्रमुख है। कब्जे वाले पश्चिमी तट में एक कार्यक्रम के दौरान, उन्होंने एक बार फिर संकल्प जताया कि हमास पर पूर्ण विजय के बिना युद्ध समाप्त नहीं होगा। उन्होंने कहा, हम अपने सभी लक्ष्यों को हासिल किए बिना युद्ध खत्म नहीं करेंगे। प्रधानमंत्री ने कहा, हम गाजा पट्टी से इजरायली सेना को नहीं हटाएंगे और हजारों आतंकवादियों को रिहा नहीं करेंगे।

असमंजस में नेतान्याहू, एक ओर बंधकों की रिहाई की चुनौती तो दूसरी ओर युद्ध खत्म करने का दबाव

लॉस एंजिलिस। हमास-इजराइल युद्ध को चार महीने पूरे होने वाले है, ऐसे में कुछ इजराइली गाजा पट्टी से शेष 136 बंधकों को छुड़ाने में इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू और उनकी सरकार की विफलता को लेकर लगातार आक्रोश प्रकट कर रहे है। इजराइली प्रदर्शनकारियों ने नेतान्याहू के इस्तीफे की मांग की है जबकि बंधक बनाए गए लोगों के परिवारों के दर्जनों सदस्यों ने 22 जनवरी 2024 को इजराइली संसद पर धावा बोल दिया और बंधकों की रिहाई के लिए समझौता करने की मांग की। द कन्वरसेशन ने इजराइल में जनता की नब्ज को बेहतर ढंग से समझने के लिए इजराइली राजनीति और इजराइल-फलस्तीन विवाद के विशेषज्ञ डोव वैक्समैन से बात की। साथ ही वैक्समैन से यह जानने की भी कोशिश की कि वह और कुछ अन्य जानकार यह क्यों कह रहे है कि नेतान्याहू युद्ध खत्म नहीं करना चाहते। युद्ध को लेकर इजराइली जनता की राय कैसे बदल रही है? युद्ध के पहले तीन महीनों में, इजराइलियों, विशेष रूप से यहूदी इजराइलियों ने, युद्ध और हमास को हराने व नष्ट करने के सरकार के घोषित लक्ष्य का पुरजोर समर्थन किया था। यह सर्वसम्मति और एकता तेजी से कमजोर हो रही है।

पर्ड्यू विश्वविद्यालय में लापता हुए भारतीय छात्र की मौत की पुष्टि हुई

वाशिंगटन। अमेरिका के इंडियाना राज्य में स्थित प्रतिष्ठित पर्ड्यू विश्वविद्यालय के लापता भारतीय छात्र की मौत हो गई है। विश्वविद्यालय ने इसकी पुष्टि की। भारतीय छात्र नील आचार्य रविवार को लापता हो गया था। पर्ड्यू के परिसर में मौरिस जे. जुक्रो प्रयोगशाला के पास नील का शव मिलने के बाद टिप्पेकैनो काउंटी कोरोनर कार्यालय के अधिकारियों को इसकी जानकारी दी गई विश्वविद्यालय के कंप्यूटर विज्ञान विभाग के अंतरिम प्रमुख क्रिस क्लिफ्टन ने सोमवार को विभाग को भेजे एक ईमेल में कहा, बहुत दुख के साथ मैं आपको सूचित कर रहा हूं कि हमारे एक छात्र नील आचार्य का निधन हो गया है। कंप्यूटर विज्ञान विभाग उनके निधन पर गहरा दुख व्यक्त करता है। मैं उनके जाने से बहुत दुखी हूं। मेरी संवेदनाएं उनके दोस्तों, परिवार और सभी प्रभावित लोगों के साथ हैं।

पाकिस्तान में आम चुनाव के लिए मतपत्रों की छपाई शुक्रवार तक पूरी हो जाएगी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के चुनाव अधिकारियों ने कहा है कि आठ फरवरी को होने वाले आम चुनावों के लिए मतपत्रों की छपाई शुक्रवार तक पूरी हो जाएगी। मंगलवार को मीडिया में आई एक खबर में यह जानकारी दी गई है। पाकिस्तान में अगले बृहस्पतिवार को नेशनल असेंबली और चार प्रांतों की विधानसभाओं के चुनाव होने है और चुनाव प्रचार जोर-शोर से जारी है। द न्यूज इंटरनेशनल की खबर के अनुसार, पाकिस्तान निर्वाचन आयोग (ईसीपी) ने कहा कि चार प्रांतो मे एकसाथ सुरक्षा कर्मियों की मदद से मतपत्रो की आपूर्ति जारी है और मतपत्रों की छपाई दो फरवरी तक पूरी हो जाएगी। खबर मे कहा गया है कि तीन सरकारी प्रेस मे मतपत्रो की छपाई संतोषजनक ढंग से जारी है।

श्रीलंका में मछली पकड़ने के लिए 10 भारतीय मछुआरों को सजा

कोलंबो। श्रीलंका की एक अदालत ने देश के जलक्षेत्र मे मछली पकड़ने के लिए 10 भारतीय मछुआरो को दो वर्ष की निलंबित सजा सुनाई। उत्तरी जाफ्ना प्रायद्वीप के पॉइंट पेड्रो के मजिस्ट्रेट ने सोमवार को सजा सुनाते हुए नौका के मालिक को 24 अक्टूबर को अगली सुनवाई के दौरान अदालत मे पेश होने का आदेश भी दिया। अवैध रूप से मछली पकड़ने के मामले मे नौका जब्त की जा चुकी है। दो साल की जेल की सजा को पांच साल के लिए निलंबित करने का मतलब है कि मछुआरे वास्तव मे जेल नही जाएंगे बल्कि उनकी सजा पांच साल के लिए निलंबित कर दी गई है।

कनाडा : भारतीय मूल के युवक की हत्या के मामले में किशोर गिरफ्तार

ओटावा। कनाडा के एक शहर मे भारतीय मूल के एक युवक की हत्या के मामले मे उसके हमवतन किशोर को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मामले की जांच मे मदद के लिए अन्य जानकारियां जुटाने और वीडियो फुटेज खंगालने मे जुटी है।कनाडा के ओंटारियो प्रांत के ब्रैम्पटन शहर मे रहने वाले 18 वर्षीय निशान थिंड को पिछले वर्ष 19 दिसंबर को वहां के एक स्थानीय अस्पताल मे भर्ती कराया गया था।पुलिस को सूचना दी गई कि अस्पताल पहुंचने के बाद उसकी मौत हो गई। पील क्षेत्रीय पुलिस ने एक बयान मे बताया, ऐसा माना गया कि उसे (थिंड को) किसी अज्ञात स्थान व समय पर गोली मारी गई और बाद मे अस्पताल मे छोड़ दिया गया।

कनाडा में जानलेवा सड़क दुर्घटना में दोषी भारतीय को निर्वासित किया गया

ओटावा। कनाडा मे हुई एक सड़क दुर्घटना मे दोषी ठहराए जाने के बाद एक भारतीय व्यक्ति को निर्वासित कर दिया गया। व्यक्ति को वर्ष 2019 मे हुई दुर्घटना मे दोषी ठहराया गया था जिसमे देश के अल्बर्टा प्रांत मे दो महिलाओ की मौत हो गई थी। मीडिया की एक खबर मे कहा गया कि छात्र वीजा पर 2016 मे कनाडा पहुंचे विपिनजोत गिल ने 15 जनवरी को देश छोड़ दिया था। देश की एक संघीय अदालत के न्यायाधीश ने निर्वासन आदेश पर रोक लगाने के उसके प्रयासो को इस महीने की शुरुआत मे खारिज कर दिया था। गिल ने अपनी ह्युंडई कार को गति सीमा से दोगुनी रफ्तार से चलाते हुए 18 मई, 2019 को लाल बत्ती पार कर एक टोयोटा कोरोला कार को टक्कर मार दी थी।

सिडनी हार्बर में शार्क हमले में महिला गंभीर रूप से घायल

सिडनी। सिडनी हार्बर मे सोमवार को बुल शार्क के हमले मे एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पीड़ित महिला, जिसकी उम्र लगभग 20 वर्ष के आसपास बताई जा रही है, उसे शार्क ने सोमवार रात लगभग आठ बजे सिडनी के पूर्व मे एलिजाबेथ बे मे तैरते समय दाहिने पैर मे काट लिया था। एक

पाकिस्तान : इमरान खान, कुरैशी को गोपनीयता उल्लंघन मामले में 10 साल की सजा

भाषा। इस्लामाबाद

जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान और पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी को गोपनीयता का उल्लंघन करने के मामले में मंगलवार को 10-10 साल जेल की सजा सुनाई गई। इसके साथ ही आठ फरवरी को होने वाले आम चुनाव में सत्ता में लौटने के उनके प्रयास को झटका लगा है। शासकीय गोपनीयता अधिनियम के तहत रावलपिंडी की अडियाला जेल में स्थापित की गई विशेष अदालत में मामले की सुनवाई के बाद न्यायाधीश अबुल हसनत जुल्करनैन ने दोनों नेताओं को सजा सुनाई।भ्रष्टाचार के मामले में दोषी पाए जाने के बाद खान पहले ही तीन साल की जेल की सजा काट रहे हैं। इस मामले का संबंध गोपनीय राजनयिक दस्तावेज के खुलासे से हैं। खान ने 27 मार्च, 2022 को एक सार्वजनिक रैली में अमेरिका का नाम लेते हुए दावा किया था कि यह उनकी सरकार को गिराने की एक अंतरराष्ट्रीय साजिश का सबूत है। संघीय जांच एजेंसी ने पिछले साल 15 अगस्त को खान और कुरैशी के खिलाफ मामला दर्ज किया था। यह फैसला आठ

फरवरी को होने वाले आम चुनाव से नौ दिन पहले आया है। खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) अपने नेताओं पर कार्वाई और बिना चुनावी चिह्न के यह चुनाव लड़ रही है। डॉन की खबर के अनुसार, इमरान और कुरैशी दोनों जेल में हैं। इमरान की उम्मीदवारी खारिज कर दी गई है जबकि कुरैशी को थार से नेशनल असेंबली की सीट पर चुनाव लड़ने की मंजूरी दे दी गई है। लेकिन आज की सजा का मतलब है कि दोनों अगले पांच साल तक चुनाव लड़ने से अयोग्य हो गए हैं।खान की पार्टी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा कि यह एक झूठा मामला है। मीडिया या जनता को इससे दूर रखा गया। उनकी पार्टी ने व्हॉट्सएप संदेश में कहा, हमारी कानूनी टीम इस फैसले को उच्च अदालत में चुनौती देगी। इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने मामले की लचर सुनवाई के तहत दो बार कार्यवाही को रद्द कर दिया था, मीडिया तथा जनता की पहुंच का आदेश दिया था। फिर भी कानूनी टीम को जाने नहीं दिया गया, उसे अलग रखा गया और जल्दबाजी में निर्णय लिया गया। ऐसे में उम्मीद है कि उपरोक्त तथ्यों के मद्देनजर सजा को निलंबित कर दिया जाएगा। पीटीआई नेताओं को पहली बार अक्टूबर 2023 में दोषी ठहराया गया था, लेकिन इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इस फैसले को पलट दिया था। दिसंबर में उन्हें फिर से दोषी ठहराया गया। पीटीआई नेता गौहर खान ने कहा कि विशेष अदालत के न्यायाधीश ने जल्दबाजी में फैसला सुनाया। मुकदमे की सुनवाई कानून और संविधान के अनुसार नहीं की गई।

ह्यूस्टन में आसमान में लहराया जय श्री राम का बैनर

भाषा। ह्यूस्टन

अयोध्या में राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह के एक सप्ताह के बाद भी भारतीय अमेरिकियों के बीच उत्साह का माहौल है और अमेरिका के ह्यूस्टन शहर में हवाई जहाज से एक बैनर लहराया गया जिस पर लिखा था, यूनिवर्स चैंट्स जय श्री राम यानी ब्रह्मांड में गूंज रहा जय श्री राम का मंत्र। ह्यूस्टन में पिछले दिनों कंपकंपाती सर्दी और बारिश के बाद परंपरागत भारतीय परिधान पहने भारतवंशी लोग रविवार को गुजरात समाज और अन्य स्थानों पर जमा हुए। वे भगवा झंडे हाथ में लिए हुए जय श्री राम के नारे लगा रहे थे। जिस विमान पर यह बैनर लहराया गया, उसके पायलट का भी जय श्री राम के नारे लगाकर अभिनंदन किया गया। आयोजकों ने रविवार को दोपहर। से 3 बजे के बीच पूरे ह्यूस्टन में अपनी तरह के पहले हवाई बैनर के बारे में प्रचार किया। भारतीय मूल के लोग आसमान में निहारते रहे। इसके लिए प्रचार करने वाले फ्लायर पर लिखा था, आसमान पर नजर रखें और जब आप अपने इलाके में विमान को देखें तो जय श्री राम के नारे लगाएं। इस शो के आयोजक उमंग मेहता ने पीटीआई-भाषा से कहा, 500 साल के संघर्ष के बाद श्री राम मंदिर के उद्घाटन का उत्सव मनाने के लिए इस कार्यक्रम की कल्पना की गई और इस तरह का संदेश दिया गया जो हिंदुओं के बीच गूंजता रहे।

भारत एवं सिंगापुर खाद्य सुरक्षा, हरित विकास, उभरती तकनीक पर काम कर रहे हैंः भारतीय उच्चायुक्त

भाषा। सिंगापुर

सिंगापुर में भारत के उच्चायुक्त शिल्पक अंबुले ने यहां कहा कि भारत-सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन (आईएसएमआर) द्वारा चिह्नित किए गए नए क्षेत्रों में काम जारी है जिनमें खाद्य सुरक्षा, हरित विकास एवं उभरती तकनीक शामिल है। अंबुले ने 75वें गणतंत्र दिवस समारोह संबंधी एक कार्यक्रम में सोमवार रात कहा, आईएसएमआर ने सहयोग के विशिष्ट स्तंभों की पहचान की है और खाद्य सुरक्षा, डिजिटल परिवर्तन, हरित विकास, कौशल और उभरती प्रौद्योगिकियों के इन नए क्षेत्रों में काम जारी है। आईएसएमआर नेताओं के नेतृत्व वाला मंच है जो कोविड-19 महामारी से उबरने के चरण में तेजी से बदल रहे भू-राजनीतिक घटनाक्रम और आपूर्ति श्रृंखला में मौजूदा व्यवधानों को देखते हुए पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग के अवसरों का पता लगाता है। सिंगापुर की संचार और सूचना मंत्री, साइबर सुरक्षा एजेंसी और स्मार्ट नेशन इनिशिएटिव की प्रभारी मंत्री जोसेफाइन तियो इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि थे। अंबुले ने कहा कि इन क्षेत्रों की बात करें तो सिंगापुर एक अपरिहार्य भागीदार है और इन क्षेत्रों में सक्रिय सहयोग जारी है। उन्होंने कहा, भारत और सिंगापुर रणनीतिक साझेदार हैं और मधुर एवं मैत्रीपूर्ण ऐतिहासिक संबंध साझा करते हैं। उन्होंने कहा, सिंगापुर एफडीआई (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) का हमारा सबसे बड़ा स्रोत और आसियान (दक्षिण पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) क्षेत्र में हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है। उच्चायुक्त ने सिंगापुर और भारत के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग का भी जिक्र किया। पिछले साल एक भारतीय अंतरिक्ष यान के जरिए सिंगापुर निर्मित उपग्रह को कक्षा में स्थापित किया गया था।

मालदीव : जम्हूरी पार्टी ने राष्ट्रपति मुइज्जू से भारत से माफी मांगने को कहा

भाषा। माले

मालदीव में जम्हूरी पार्टी के नेता जसीम इब्राहिम ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू से भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से औपचारिक रूप से माफी मांगने और द्विपक्षीय संबंधों को सुधारने के लिए राजनयिक सुलह करने का अनुरोध किया है। इब्राहिम की यह मांग चीन समर्थक माने जाने वाले मुइज्जू की उन टिप्पणियों के संदर्भ में की गई है जिसमें इस महीने की शुरुआत में उन्होंने किसी देश का नाम लिए बगैर भारत को धमकाने वाला देश बताया था। राष्ट्रपति मुइज्जू ने मालदीव के तीन मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक टिप्पणियों को लेकर भारत के साथ राजनयिक विवाद के बीच 13 जनवरी को चीन की पांच दिवसीय हाई-प्रोफाइल यात्रा के बाद स्वदेश लौटने पर कहा था, हम छोटे (देश) हो सकते हैं लेकिन इससे उन्हें हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। जम्हूरी पार्टी ने यह मांग तब की है जब एक दिन पहले ही विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सोमवार को कहा कि उसकी मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव रखने की तैयारी है। मुइज्जू (45) ने पिछले साल सितंबर में राष्ट्रपति चुनाव में भारत से अच्छे संबंध रखने वाले निवर्तमान राष्ट्रपति इब्राहिम मोहम्मद सोलिह को हरा दिया था। वॉयस ऑफ मालदीव पोर्टल के अनुसार, जसीम ने जम्हूरी पार्टी (जेपी) की एक बैठक के बाद मीडिया से बातचीत में राष्ट्रपति मुइज्जू से हाल में एक साक्षात्कार के दौरान की गई विवादित टिप्पणियों के लिए भारत और प्रधानमंत्री मोदी से औपचारिक रूप से माफी मांगने को कहा।

राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग संबंधी संशोधित नियमों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय पहुंची सरकार

माले। मालदीव सरकार ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू पर महाभियोग चलाने की विपक्ष की योजना के मद्देनजर संसद के स्थाई आदेशों में हुए हालिया संशोधन को लेकर उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। मीडिया मे मंगलवार को आई खबरो मे यह जानकारी दी गई है। इन हालिया संशधोन के बाद महाभियोग की प्रक्रिया आसान हो गई है। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने रविवार याचिका दायर की थी। रविवार को सदन में मुइज्जू के मंत्रिमंडल के लिए चार सदस्यों को मंजूरी देने को लेकर मतभेदो के बाद सरकार समर्थक सांसदो और विपक्षी सांसदो के बीच हाथापाई हुई थी। मालदीव की संसद में बहुमत रखने वाले मुख्य विपक्षी दल मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) ने सोमवार को राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू के मंत्रिमंडल के तीन सदस्यो की मंजूरी रोक दी थी। इसके तुरंत बाद, एमडीपी ने घोषणा की थी कि उसने राष्ट्रपति मुइज्जू पर महाभियोग चलाने के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत करने की योजना बनाई है और उसने पहले ही इसके लिए हस्ताक्षर की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अमेरिकाः रो खन्ना ने बाइडन के लिए किया प्रचार, हेली को उनका अतीत याद दिलाया

भाषा। वाशिंगटन

भारतीय-अमेरिकी सांसद रो खन्ना ने अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति पद के चुनाव के मद्देनजर मौजूदा राष्ट्रपति जो बाइडन के लिए साउथ कैरोलाइना में प्रचार किया। साउथ कैरोलाइना राष्ट्रपति पद की रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की दावेदारी पेश कर रहीं भारतीय-अमेरिकी नेता निक्की हेली का गृह राज्य है। खन्ना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, साउथ कैरोलाइना में राष्ट्रपति बाइडन के लिए प्रचार करना मेरे लिए गर्व की बात है। साउथ कैरोलाइना में डेमोक्रेटिक पार्टी और रिपब्लिकन पार्टी के प्राइमरी चुनाव होने हैं। डेमोक्रेटिक पार्टी का प्राइमरी चुनाव तीन फरवरी और रिपब्लिकन पार्टी का प्राइमरी चुनाव 24 फरवरी को होना है। साउथ कैरोलाइना में डेमोक्रेटिक प्राइमरी के लिए केवल बाइडन मैदान में है जबकि रिपब्लिकन प्राइमरी में पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और हेली के बीच मुकाबला है। खन्ना ने कहा, अगर हेली ने पिछले कुछ वर्षों में नागरिक अधिकारों के इतिहास के बारे में जाना होता तो शायद वह पहली पीढ़ी के अमेरिकी के रूप में अपनी कहानी अधिक खुलकर साझा करतीं। उन्होंने कहा, देखिए, एक भारतीय-अमेरिकी के रूप में मेरे माता-पिता 1960 के दशक के अंत में यहां आए थे। उसी समय निक्की हेली के पिता यहां आए थे। क्या आपको पता है कि 1965 से पहले निक्की हेली के पिता या मेरे पिता को इस देश में आने की अनुमति मिलने की संभावना बहुत कम थी क्योंकि यह देश भारतीय प्रवासियों, चीनी प्रवासियों, एशियाई प्रवासियों को आने की अनुमति नहीं देता था। उन्होंने कहा कि नागरिक अधिकार आंदोलन के कारण आज वह और हेली समेत भारतीय अमेरिकी इस प्रभावशाली स्थिति में पहुंचे हैं। उन्होंने इस आंदोलन में महात्मा गांधी की महत्ता को भी रेखांकित किया।

अमेरिका के प्रवेश बिंदुओं पर अपने छात्रों से पूछताछ और देश वापस भेजने का चीन ने किया विरोध

बीजिंग। चीन की सरकार ने पढ़ाई के लिए अमेरिका जाने वाले चीनी नागरिकों के साथ हो रहे व्यवहार पर अमेरिका के समक्ष विरोध जताया और कहा है कि उसके कुछ नागरिकों से घंटों तक पूछताछ की गई, उनके इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की जांच की गई तथा कुछ मामलों में उन्हें जबरन देश से बाहर निकाल दिया गया।चीनी दूतावास की वेबसाइट पर एक पोस्ट के अनुसार, वाशिंगटन में चीनी राजदूत शी फेंग ने कहा कि वैध वीजा रखने वाले दर्जनों चीनी लोगों को पिछले कुछ महीनों में विदेश यात्रा या चीन में रिश्तेदारों से मिलकर स्कूल लौटने के दौरान अमेरिका में प्रवेश नहीं करने दिया गया।उन्होंने रविवार को दोनों देशों के बीच छात्रों की सुगम आवाजाही के विषय पर दूतावास में एक कार्यक्रम में कहा, जब वे हवाई अड्डे पर उतरे तो अधिकारियों ने उनसे आठ घंटे लंबी पूछताछ की। अधिकारियों ने छात्रों को उनके माता-पिता से संपर्क करने से रोका, उनके खिलाफ बेबुनियाद आरोप लगाए और यहां तक कि उन्हें जबरन वापस भेज दिया और उनके प्रवेश पर प्रतिबंध लगा दिया। उन्होंने कहा, यह बिल्कुल अस्वीकार्य है। चीन का यह विरोध ऐसे वक्त पर सामने आया है जब अमेरिका और चीन अपने संबंधों को मजबूत करने के लिए छात्र और अन्य आदान-प्रदान कार्यक्रमों को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहे हैं। हाल के वर्षों में दोनों देशों के बीच व्यापार, प्रौद्योगिकी, मानवाधिकार और दुनिया के भविष्य की दिशा को लेकर रिश्ते तनावपूर्ण हो गए थे।दूतावास की पोस्ट के अनुसार, लगभग 290,000 चीनी छात्र अमेरिका में हैं जो देश में विदेशी छात्रों का लगभग एक तिहाई हिस्सा है। पोस्ट में कहा गया है कि चीन के 13 लाख से अधिक छात्र विदेश में पढ़ रहे हैं और यह संख्या किसी भी अन्य देश में पढ़ने वाले चीनी छात्रों की संख्या से अधिक है।एक अलग ऑनलाइन बयान में चीनी दूतावास ने कहा कि उसने वाशिंगटन डी.सी. के डलेस हवाई अड्डे पर आने वाले छात्रों के साथ हुए व्यवहार के बारे में अमेरिकी सरकार को अवगत कराया है।

क्विक न्यूज

उत्तर कोरिया ने इस महीने में तीसरी बार दागी क्रूज मिसाइलः दक्षिण कोरिया

सियोल। उत्तर कोरिया ने मंगलवार को पश्चिमी तट के पास समुद्र में कई क्रूज मिसाइलें दागी जो इस महीने में उसका इस प्रकार का तीसरा परीक्षण है। दक्षिण कोरिया ने यह जानकारी दी। यह परीक्षण ऐसे समय में किया गया है जब क्षेत्र में तनाव पहले से बढ़ा हुआ है। उत्तर कोरिया द्वारा हथियारों का प्रदर्शन और अमेरिका, दक्षिण कोरिया एवं जापान के संयुक्त सैन्य अभ्यास बढ़ गए हैं। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने कहा कि दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी सेनाएं इन प्रक्षेपणों का विश्लेषण कर रही हैं। अभी यह जानकारी नहीं दी गई है कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या वे कितनी दूर तक पहुंचीं इससे पहले उत्तर कोरिया ने 24 जनवरी और 28 जनवरी को भी इसी प्रकार के परीक्षण किए थे।

अमेरिका, चीन के अधिकारियों ने बैंकॉक में 12 घंटे से अधिक समय तक बैठक कीः व्हाइट हाउस

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और उनके चीनी समकक्ष वांग ई ने बैंकॉक में 12 घंटे से अधिक समय तक बैठक की। अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस ने सोमवार को यह जानकारी दी। व्हाइट हाउस में रणनीतिक संचार के लिए एनएससी (राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद) समन्वयक जॉन किर्बी ने संवाददाताओं से कहा, सप्ताहांत में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन ने चीन के अपने समकक्ष वांग ई के साथ बैंकॉक में 12 घंटे से अधिक समय तक बैठकें की। किर्बी ने कहा, सुलिवन और वांग ने नवंबर में (अमेरिका के) राष्ट्रपति (जो) बाइडन और (चीन के) राष्ट्रपति शी (चिनफिंग) के बीच बैठक के बाद प्रमुख मुद्दों पर प्रगति का जायजा लिया। इसमें सैन्य-से-सैन्य संचार को फिर से शुरू करने के प्रयास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से जुड़े सुरक्षा के मुद्दो और जोखिमो से निपटना और द्विपक्षीय नशीले पदार्थ रोधी सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की गई।

सरकारी डेटा चुराने की साजिश में दो भारतीय अमेरिकी नागरिकों को जेल की सजा

वाशिंगटन। अमेरिका की एक अदालत ने सरकार के संवदेनशील डेटा चुराने की साजिश रचने मे संलिप्तता के लिए दो भारतीय अमेरिकी नागरिकों समेत तीन पूर्व संघीय कर्मचारियो को सजा सुनाई है। न्याय विभाग ने बताया कि तीनों को शुक्रवार को एक वाणिज्यिक उद्यम में उपयोग के लिए सरकार के एक सॉफ्टवेयर और संवेदनशील कानून-प्रवर्तन डेटाबेस को चुराने के लिए सजा सुनाई गई। वाशिंगटन डीसी के वर्जीनिया उपनगर के मुरली वाई वेंकट (58) को चार महीने जबकि वर्जीनिया की ही सोनल पटेल (49) दो साल की सजा सुनाई गई है जिनमे से एक साल घर मे नजरबंद रहना होगा। मैरीलैंड के चार्ल्स एडवर्ड (63) को 18 महीने की जेल की सजा सुनाई गई है। अदालत के दस्तावेजो के अनुसार, वेंकट, पटेल और एडवर्ड तीनो अमेरिकी डाक सेवा के महानिरीक्षक के कार्यालय मे नौकरी करते थे। उन्होंने संवेदनशील सूचना वाले डेटाबेस और अमेरिकी सॉफ्टवेयर को चुराने की साजिश रची थी।

दुनिया में बढ़ेगी देशी फोन की धूम

ग्लोबल। स्मार्टफोन ब्रैंड, टेक्नो ने अपने स्लोगन स्टॉप एट नथिंग को वास्तविकता में बदलते हुए, 30 जनवरी, 2024 को अपनी ऑल-राउंडर स्पार्क सीरीज के नवीनतम एडिशन- स्पार्क 20 को लॉन्च किया है। दुनिया भर के भारतीयों के लिए प्रीमियम हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर तकनीक बेहद सुलभ हो गई है। इसे विस्तार से जानने के लिए, अमेज़ॅन और टेक्नो के सोशल हैंडल्स पर स्मार्टफोन का आकर्षक टीज़र प्रस्तुत किया गया है, जिसमें दीपिका पादुकोण के हाथों में यह प्रीमियम डिवाइस दिखाया गया है। वर्ष 2024 में बदलाव को अपनाते हुए, अपने गतिशील ब्रैंड एंबेसेडर के साथ टेक्नो नवाचार को और भी अधिक स्टाइलिश बनाने और आज के यूजर्स की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए दृढ़ता से काम कर रहा है। टेक्नो की स्पार्क सीरीज़ ने ऑल-इन-वन स्मार्टफोन के रूप में लगातार यूजर्स का दिल जीता है। इस सीरीज को विशेष रूप से यूजर्स को संपूर्ण अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है।

भारतीय मूल के युगल को ऑस्ट्रेलिया में कोकीन भेजने के आरोप में दोषी ठहराया गया

लंदन। ब्रिटेन मे भारतीय मूल के युगल को ऑस्ट्रेलिया मे आधे टन से अधिक कोकीन भेजने का दोषी ठहराया गया है। जांच के बाद पता चला कि वे एक कंपनी से जुड़े थे। उन्होंने कंपनी के नाम पर धातु के टूलबॉक्स की आड़ मे छिपाकर कोकीन विमान से ऑस्ट्रेलिया भेजी थी। भारत ने आरोपियो के प्रत्यर्पण की मांग की है। जांच एजेंसी ने सोमवार को एक बयान में कहा कि मई 2021 में सिडनी पहुंचने पर ऑस्ट्रेलियाई सीमा बल ने 5.7 करोड़ पाउंड की कोकीन पकड़ी और राष्ट्रीय अपराध एजेंसी (एनसीए) के जांचकर्ताओ ने इसे भेजने वाले की पहचान ईलिंग के हनवेल की 59 वर्षीय आरती धीर और 35 वर्षीय कवलजीत सिंह रायजादा के रूप मे की। धीर और रायजादा ने ऑस्ट्रेलिया मे कोकीन भेजने और धन शोधन के आरोपों से इनकार किया है। सोमवार को साउथवार्क क्राउन कोर्ट मे सुनवाई के बाद न्यायाधीशों की जूरी ने उन्हे निर्यात के 12 मामलो और धन शोधन के 18 मामलो मे दोषी ठहराया। उन्हे मंगलवार को इसी अदालत मे सजा सुनाई जाएगी।

इंडियावुड वैश्विक शिखर सम्मेलन भारत में

बेंगलुरू। वुडवर्किंग और फर्नीचर उत्पादन प्रौद्योगिकी हेतु एक वैश्विक शिखर सम्मेलन का 13वां संस्करण बैंगलोर अंतर्राष्ट्रीय प्रदर्शनी केंद्र, बेंगलुरू में व्यापक रूप से लकड़ी और फर्नीचर उत्पादन प्रौद्योगिकियों का प्रदर्शन करेगा। 75,000 वर्गमीटर तक फैले प्रदर्शनी क्षेत्र के इस कार्यक्रम में 50 से अधिक देशों की 950 से अधिक कंपनियां और 75,000 से अधिक व्यापार आगंतुक भाग लेंगे। यह कार्यक्रम नवीनतम नवाचारों और प्रौद्योगिकी की झलक पेश करने के साथ अद्वितीय नेटवर्किंग का अवसर प्रदान करेगा। आयोजन के प्रभाव को लेकर न्यूर्नबर्गमेस्से इंडिया के समूह निदेशक शिवकुमार वेणुगोपाल ने संक्षेप में कहा, इंडियावुड, उद्योग के विकास के लिए उत्प्रेरक के रूप में वुडवर्किंग और फर्नीचर उत्पादन के परिदृश्य को अधिक प्रभावशाली बनाता है। इसका प्रभाव तकनीकी प्रगति, सहयोगात्मक प्रगति और उद्योग के भविष्य को आकार देने के लिए निरंतर प्रतिबद्धत है। इंडियावुड 2024, आयोजन के इतिहास में सबसे बड़ा, यह कार्यक्रम दुनिया भर से उद्योग जगत के नेताओं, प्रौद्योगिकी आपूर्तिकर्ताओं और खरीदारों को एक साथ लाएगा। इसमें विशेषज्ञों और विचारकों के नेतृत्व में सेमिनारों, कार्यशालाओं और पैनल चर्चाओं की एक विस्तृत श्रृंखला भी शामिल रहेगी। इस आयोजन में विशेषज्ञों और विचारकों के नेतृत्व में सेमिनारों, कार्यशालाओं और पैनल चर्चाओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल होगी।

हांगकांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू करने के लिए लोगों से मशविरा लेना शुरू किया

हांगकांग। हांगकांग ने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को लागू करने की प्रक्रिया के तहत मंगलवार को सार्वजनिक रूप से लोगो से सलाह-मशविरा लेना शुरू कर दिया है। नागरिक स्वतंत्रता का हनन होने के डर से स्थानीय लोग कई वर्षो से इस कानून का विरोध करते आ रहे है। चीन ने 2020 मे हांगकांग मे एक राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था और इसके बाद विरोधियो के खिलाफ कड़ी कार्वाई की गई थी। विरोध के दौरान शहर के कई प्रमुख लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ताओ को गिरफ्तार किया गया, खामोश करा दिया गया या स्वनिर्वासन के लिए मजबूर किया गया।इतना ही नही, कई नागरिक समाज समूहो को भंग कर दिया गया और एप्पल डेली और स्टैंड न्यूज जैसे मुखर मीडिया प्रतिष्ठानो को बंद करने के लिए मजबूर किया गया।

पर्यावरण अनुकूल व्यापार की मांग बढ़ी

ग्लोबल। पर्यावरण-अनुकूल पेंट्स और 23 बिलियन अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन वाले जेएसडब्ल्यू ग्रुप की सहायक कंपनी, जेएसडब्ल्यू पेंट्स ने 5 वर्ष पहले अपनी स्थापना के बाद से इंडस्ट्री की तुलना में अपने व्यवसाय में 5 गुना अधिक वृद्धि दर्ज की है। वित्त वर्ष 22 में 1,000 करोड़ रुपए का अभूतपूर्व आँकड़ा पार करने के बाद, जेएसडब्ल्यू पेंट्स अब 15 महीनों के भीतर 2,000 करोड़ रुपए के रन-रेट की महारत हासिल कर चुका है। कंपनी वित्त वर्ष 24 में 2,000 करोड़ रुपए से अधिक के टर्नओवर को प्राप्त करने की ओर अग्रसर है। कंपनी को दृढ़ विश्वास है कि यह इससे भी कम समय में अपना अगला राजस्व 1,000 करोड़ रुपए हासिल करेगी, जो चालू वित्त वर्ष में 9 महीनों के भीतर पहले ही 1,500 करोड़ रुपए का आँकड़ा पार कर चुकी है। ये उपलब्धियाँ जेएसडब्ल्यू पेंट्स को न सिर्फ एक अद्वितीय कंपनी के रूप में पहचान दिलाती हैं, बल्कि इसे देश में छठी सबसे बड़ी पेंट्स कंपनी के अपने वर्तमान स्थान से ऊपर उठाकर कुछ ही वर्षों में सबसे बड़ी चौथी कंपनियों में से एक बनने के लिए भी तैयार करती हैं। पार्थ जिंदल, मैनेजिंग डायरेक्टर, जेएसडब्ल्यू पेंट्स, ने कहा, हमारा प्रयास शुरू से ही एक मजबूत समग्र जल-आधारित पेंट्स पोर्टफोलियो बनाने का रहा है, जिसने हमें भारतीय उपभोक्ताओं की तेजी से विकसित हो रही प्राथमिकताओं को पूरा करने के लिए एक प्रभावशाली स्थिति प्रदान की है।

फिलीपीन और वियतनाम ने विवादित दक्षिण चीन सागर को लेकर समझौता किया

हनोई (वियतनाम)। विवादित दक्षिण चीन सागर में टकराव को रोकने के लिए फिलीपीन और वियतनाम के बीच मंगलवार को एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता फिलीपीन के राष्ट्रपति फर्डिनांडो मार्कोस जूनियर की हनोई यात्रा के दौरान हुआ। दक्षिण चीन महासागर नौवहन के लिए सबसे महत्वपूर्ण जलमार्गों में से एक है। इसको लेकर फिलीपीन और वियतनाम सहित कई देशों का चीन के साथ समुद्री विवाद जारी है। चीन लगभग पूरे दक्षिण चीन सागर पर संप्रभुता का दावा करता है। इतना ही नही, चीन और फिलीपीन के जहाजों के बीच पिछले एक साल से विवादित जल क्षेत्र में टकराव देखने को मिल रहा है, जिससे तनाव के व्यापक होने की आशंका भी बढ़ गई है। फिलीपीन सरकार ने एक बयान में कहा कि वह और वियतनाम समुद्री मुद्दों पर समन्वय को बढ़ाने और विश्वास तथा भरोसे के साथ काम करने के लिए मंगलवार को सहमत हो गए है।

राहुल-जडेजा की चोटों से बढ़ी मुश्किल

भाषा। नई दिल्ली

रविंद्र जडेजा और केएल राहुल को अचानक लगी चोटों से भारतीय टीम के सामने चयन की दुविधा पैदा हो गई है जिसे इंग्लैंड के हाथों पहले टेस्ट में मिली हार के बाद श्रृंखला में वापसी करनी है। जडेजा और राहुल ने हैदराबाद टेस्ट में पहली पारी में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन इंग्लैंड ने दूसरी पारी में शानदार खेल दिखाकर वापसी की। जडेजा को हैमस्ट्रिंग की चोट लगी है जबकि राहुल को दाहिने जांघ की मांसपेशी में दर्द है। हरफनमौला जडेजा की कमी पूरी कर पाना किसी के लिए भी मुश्किल है और राहुल सितंबर में सर्जरी के बाद वापसी से वनडे और टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजी की धुरी रहे हैं। विराट कोहली निजी कारणों से पहले दो टेस्ट से वैसे भी बाहर हैं लिहाजा शुक्रवार से विशाखापत्तनम में शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में भारत के सामने कई चुनौतियां होंगी। चयनकर्ताओं ने सरफराज खान, सौरभ कुमार और वॉशिंगटन सुंदर को टीम में शामिल किया है। रजत पाटीदार हैदराबाद में भारत की 15 सदस्यीय टीम में थे। वह मध्यक्रम में राहुल की जगह ले सकते हैं जबकि जडेजा की जगह कुलदीप यादव को उतारा जा सकता है। भारतीय टीम चार स्पिनर और एक तेज गेंदबाज के साथ भी उतर सकती है जैसा इंग्लैंड ने पहले टेस्ट में किया था। ऐसे में मोहम्मद सिराज पर कुलदीप को तरजीह मिलेगी ताकि सरफराज या वॉशिंगटन को मध्यक्रम में उतारा जा सके। जडेजा की ही तरह सौरभ बाएं हाथ के स्पिनर हैं और प्रथम श्रेणी क्रिकेट में शतक भी लगा चुके हैं। हैदराबाद के एसीए वीडीसीए स्टेडियम पर अब तक दो टेस्ट खेले गए हैं और पिच बल्लेबाजों की मददगार रहती है। भारत ने 2019 में इस मैदान पर पहले बल्लेबाजी करते हुए पहली पारी में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 502 रन बनाए थे। रोहित ने सलामी बल्लेबाज के तौर पर पहली पारी में 176 रन जोड़े थे। महान स्पिनर अनिल कुंबले का मानना है कि अंतिम एकादश में कुलदीप को जगह मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा , अगर भारत को लगता है कि सिर्फ एक तेज गेंदबाज से काम चल जाएगा तो कुलदीप को टीम में रखना चाहिए। उसके पास विविधता है और विकेट टर्न ले सकता है। चार टेस्ट के अपने कैरियर में अपनी प्रतिभा की बानगी दे चुके आफ स्पिनर वॉशिंगटन सुंदर भी चयन के दावेदार हैं। उन्होंने पांच पारियों में नाबाद 85 और नाबाद 95 रन बनाए हैं और दो विकेट भी लिए हैं। पूर्व चयनकर्ता शरणदीप सिंह ने कहा कि हरफनमौला उपयोगी होता है लेकिन अंतिम एकादश में ज्यादा छेड़छाड़ नहीं की जानी चाहिए। रजत पाटीदार को राहुल की जगह और जडेजा की जगह कुलदीप को उतारा जा सकता है। हमें इंग्लैंड की नकल करके चार स्पिनरो को उतारने की जरूरत नहीं है। अपनी धरती पर दो तेज गेंदबाज और तीन स्पिनर हमारी ताकत रहे हैं। हमें उसी पर अडिग रहना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि पारी की शुरूआत शुभमन गिल और यशस्वी जायसवाल को करनी चाहिए और रोहित शर्मा को तीसरे नंबर पर उतरना चाहिए।

मुशीर के शानदार शतक से भारत ने न्यूजीलैंड को 214 रन से रौंदा

● आईसीसी अंडर-19 विश्व कप

भाषा। ब्लोमफोंटेन

मुशीर खान के दूसरे शतक के बाद स्वामी पांडे की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने आईसीसी अंडर-19 विश्व कप के सुपर सिक्स चरण के मुकाबले में मंगलवार को यहां न्यूजीलैंड को 214 रन से रौंद दिया। भारत ने मुशीर की 131 और सलामी बल्लेबाज आदर्श सिंह की 52 रन की पारी की बदौलत आठ विकेट पर 295 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। न्यूजीलैंड की टीम इसके जवाब में बाएं हाथ के स्पिनरों पांडे (19 रन पर चार विकेट) और मुशीर (10 रन पर दो विकेट) के अलावा तेज गेंदबाज राज लिमबानी (17 रन पर दो विकेट) की धारदार गेंदबाजी के सामने 28.1 ओवर में सिर्फ 81 रन पर सिमट गई। लिमबानी ने न्यूजीलैंड की पारी की पहली और पांचवीं गेंद पर क्रमशः टॉम जोन्स (00) और स्नेहित रेड्डी (00) को आउट किया जिसके बाद पांडे ने लैकलेन स्टैकपोल (05) और जेम्स नेल्सन (10) को पवेलियन भेजकर न्यूजीलैंड का स्कोर 22 रन पर चार विकेट किया और टीम कभी इन झटकों से नहीं उबर पाई। कप्तान ऑस्कर जैकसन 19 रन बनाकर टीम के शीर्ष स्कोर रहे। भारत एक बार फिर इस प्रतियोगिता में खिताब का प्रबल दावेदार नजर आ रहा है। रनों के लिहाज से यह न्यूजीलैंड की तीसरे सबसे बड़ी हार और तीसरा सबसे कम स्कोर है। इससे पहले मेनगॉन्ग ओवल की बल्लेबाजी की अनुकूल पिच पर मुशीर ने न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण की धज्जियां उड़ाई और मौजूदा प्रतियोगिता में 300 रन के आंकड़े को पार करने वाले पहले बल्लेबाज बने। मुशीर ने 126 गेंद में 13 चौकों और तीन छक्कों की मदद से 131 रन की पारी खेली। मुशीर ने विकेट के चारों तरफ शॉट लगाए और दौड़कर भी ढेरों रन बटोरे। वह अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करने में भी सफल रहे। भारत की शुरुआत हालांकि अच्छी नहीं रही। पिछले मैच में शतक जड़ने वाले अर्शिन कुलकर्णी (09) का विकेट टीम ने जल्दी गंवा दिया। मुशीर और आदर्श ने इसके बाद दूसरे विकेट के लिए 77 रन जोड़कर पारी को संवारा।

ईराक को हराकर जोर्डन एशियाई कप क्वार्टर फाइनल में

अल रेयान (कतर)। ऐमैन हुसैन को आखिरी क्षणों में मैदान से जाना पड़ा और दस खिलाड़ियों तक सिमटे ईराक को 3-2 से हराकर जोर्डन ने एशियाई कप फुटबॉल के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। हुसैन को दूसरा गोल करने के बाद अति उत्साहित होकर जश्न मनाने के कारण दूसरा पीला कार्ड दिखाया गया। हुसैन ने 76वें मिनट में गोल दागा। अतिरिक्त समय के पांचवें मिनट में याजान अल अरब ने बराबरी का गोल किया और निजार अल रशदान ने दो मिनट बाद विजई गोल दागा। जोर्डन के लिए पहले हाफ के स्टॉपेज टाइम में याजान अल नेमत ने गोल किया था। ईराक के लिए 68वें मिनट में सउद नातिक ने बराबरी का गोल दागा। ईराक ने खिताब की प्रबल दावेदार जापान को हराकर नॉकआउट चरण में प्रवेश किया था। एक अन्य मैच में गत चैम्पियन कतर ने फलस्तीन को 2 .। से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। अब उसका सामना उजबेकिस्तान या थाईलैंड से होगा।

कर्नाटक के कप्तान मयंक अस्पताल में भर्ती

अगरतला। कर्नाटक के कप्तान और लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल को नई दिल्ली के लिए उड़ान भरने को तैयार विमान में बीमार पड़ने के बाद यहां स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। राज्य क्रिकेट संघ के सूत्रों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि वह विमान में चढ़ चुके थे लेकिन उड़ान भरने से पहले ही उनकी तबीयत खराब हो गई। बत्तीस साल के मयंक ने भारत के लिए 21 टेस्ट खेले हैं।

सानिध्य ने गणतंत्र टेनिस में जीते दोहरे खिताब

लखनऊ। सानिध्य द्विवेदी ने एसडीएस टेनिस अकादमी में आयोजित गणतंत्र दिवस टेनिस टूर्नामेंट में दोहरे खिताब जीत लिए। पुरुष एकल के फाइनल में सानिध्य द्विवेदी ने पार्थ का 7-6,8-6 से और बालक अंडर-16 में अनिरुद्ध को 9-4 से हराया। एसडीएस टेनिस अकादमी के टेनिस कोच गोपाल सिंह बिष्ट ने बताया कि अन्य वर्गो के पाइनल में बालक अंडर-12 में अणर्व श्रीवास्तव ने विवान श्रीवास्तव को 9-5 से , बालिका अंडर-12 में आलिया सिंह ने रशेल वीर को 9-3 से बालक अंडर-14 में हसन अनीश ने रोहिन राज को 9-5 से, बालिका अंडर-14 में भव्या ने दिव्यानी को 9-3 से, अंडर-16 बालिका में आशी शमशेरी ने भव्या को 9-4 से और पुरुष वर्ग में एकलव्य व वंशराज ने शनीश मणि मिश्रा व ओम को 9-5 से हराया। समापन समारोह में शैलेंद्र द्विवेदी ने पुरस्कार बांटे।

सिनेर की जीत पर पोप ने दी इटली को बधाई

वेटिकन सिटी। पिछले करीब पचास साल में ग्रैंडस्लैम जीतने वाले इटली के पहले टेनिस खिलाड़ी बने यानिक सिनेर के आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन बनने पर पोप फ्रांसिस ने देश को बधाई दी है। सिनेर ने रविवार को दानिल मेदवेदेव को हराकर आस्ट्रेलियाई ओपन जीता था। पोप ने रीयाल क्लब डे टेनिस बार्सीलोना से बातचीत मे कहा , हम आज इटली को बधार्द देते है क्योंकि उसने आस्ट्रेलिया मे जीत दर्ज की हे। उन्होने कहा , जीवन की तरह ही टेनिस मे भी हम हमेशा जीत नही सकते लेकिन खेलभावना से खेलना जरूरी है।

भानवाला 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में 10वें, सिद्धू 11वें स्थान पर

नई दिल्ली। भारत के अनीष भानवाला और विजयवीर सिद्धू मिस्र के काहिरा में चल रहे आईएसएसएफ विश्व कप चरण एक की पुरुष 25 मीटर रेपिड फायर पिस्टल स्पर्धा के क्वालीफिकेशन दौर मे 579 के समान स्कोर के साथ क्रमशः 10वे और 11वे स्थान पर रहते हुए फाइनल मे जगह बनाने मे नाकाम रहे। स्पर्धा मे हिस्सा ले रहे तीसरे भारतीय अभिनव चौधरी मिस्र अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक सिटी निशानेबाजी रेंज मे 569 अंक के साथ 22वे स्थान पर रहे। शीर्ष छह निशानेबाजो ने फाइनल मे जगह बनाई। महिला 50 मीटर राइफल थ्री पोजीशन में अंजुम मोदगिल, प्रिया ब्रिजपाल सिंह और आशी चौकसी एलिमिनेशन दौर से आगे बढ़ने मे सफल रहे ।

मुंबई ओपन टेनिस पांच से 11 फरवरी तक

मुंबई। मुंबई ओपन टेनिस चैंपियनशिप मे 31 देशो के खिलाड़ी चुनौती पेश करेंगे जिसका आयोजन छह साल के अंतराल के बाद यहां पांच से 11 फरवरी तक होगा। इसका आयोजन क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (ब्रेबॉर्न स्टेडियम) में नव-निर्मित टेनिस कोर्ट में होगा। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया, महाराष्ट्र राज्य लॉन टेनिस संघ (एमएसएलटीए) के साथ इस कार्यक्रम का सह-आयोजक है।

सभी स्पिनरों के साथ उतरने से पीछे नहीं हटेंगे: मैकुलम

विशाखापत्तनम। टॉम हार्टले ने पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में शानदार स्पिन गेंदबाजी कर भारतीय बल्लेबाजों की मानसिकता को ठेस पहुंचाई है, जिसके बाद इंग्लैंड शुक्रवार से शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट मैच में सभी स्पिन गेंदबाजों के साथ उतर सकता है। पदार्पण कर रहे हार्टले ने दूसरी पारी में सात विकेट लेकर इंग्लैंड को 28 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। इंग्लैंड के कोच ब्रैंडन मैकुलम अब दूसरे टेस्ट मैच की पिच को देखने का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। विशाखापत्तनम के मैदान को आम तौर पर बड़े स्कोर के लिए जाना जाता है लेकिन पिछले कुछ समय से यहां स्पिनरों का दबदबा रहा है। मैकुलम ने कहा कि अगर परिस्थितियां पूरी तरह से स्पिनरों की मुफीद हुई तो उनकी टीम गेंदबाजी विभाग में सभी स्पिनरों के साथ उतरने से पीछे नहीं हटेगी। इस मैच में शोएब बशीर को पदार्पण का मौका मिल सकता है जबकि अनुभवी स्पिनर जैक लीच की चोट की स्थिति के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। लीच अगर फिट रहते है तो बशीर पहले टेस्ट में खेलने वाले इकलौते तेज गेंदबाज मार्क वुड की जगह ले सकते हैं। न्यूजीलैंड के इस पूर्व कप्तान ने कहा, अगर श्रृंखला के आगे बढ़ने पर विकेट उसी तरह से टर्न लेते रहे जैसा हमने पहले टेस्ट में देखा था, तो हम सभी स्पिनरों के साथ खेलने से पीछे नहीं हटेंगे। बशीर हमारे साथ अबू धाबी में शिविर में था और उसने अपने कौशल से हमें प्रभावित किया। वह सहजता से इस समूह का हिस्सा बना गया। कम उम्र और प्रथम श्रेणी में के कम अनुभव के बावजूद वह ऐसा खिलाड़ी है जिसमें उत्साह की कोई कमी नहीं है। मैकुलम ने अनुभवहीन गेंदबाजों का शानदार तरीके से इस्तेमाल करने पर कप्तान बेन स्टोक्स की तारीफ की। हार्टले के खिलाफ पहली पारी में भारतीय बल्लेबाजों ने खुल कर रन बनाए थे लेकिन उन्होंने दूसरी पारी में सात विकेट चटका कर मैच का पासा पलट दिया।उसे प्रथम श्रेणी का ज्यादा अनुभव नहीं है और चयन के लिहाज से शायद वह थोड़ा कमजोर था। लेकिन हमने उसमें कुछ ऐसा देखा जो यहां प्रभावी होता। वह एक मजबूत जज्बे वाला खिलाड़ी है। कप्तान ने जिस तरह से उसे संभाला वह काफी उल्लेखनीय था, और उसने साफ तौर पर हमें टेस्ट में जीत दिलाई। यह शानदार कप्तानी का एक नमूना था। यह सिर्फ हार्टले के लिए नहीं बल्कि सभी के लिए एक संदेश है कि मैदान में स्वच्छंद होकर खेलने की पूरी आजादी दी जाएगी।

हमने जिन स्पिनरों को चुना है वह हमें भारत को हराने का सर्वश्रेष्ठ मौका देते है: स्टोक्स

विशाखापत्तनम। भारत को पांच मैचों की श्रृंखला के पहले मुकाबले में 28 रन से हराने वाले इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने इस दौरे से पहले ही कहा था कि टीम मे जिन खिलाड़ियों का चयन हुआ है, वे भारत को उसकी धरती पर मात देने का हमें सर्वश्रेष्ठ मौका देने मे सक्षम है। टॉम हार्टले ने अपने पहले टेस्ट मे ही भारत की दूसरी पारी मे सात विकेट लेकर इंग्लैंड को 28 रन से यादगार जीत दिलाने मे अहम भूमिका निभाई। इंग्लैंड की टीम हैदराबाद में खेले गए पहले टेस्ट मे सिर्फ एक तेज गेंदबाज मार्क वुड के साथ मैदान मे उतरी और उसकी यह रणनीति कामयाब रही। स्टोक्स ने भारत के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले से पहले जियो सिनेमा को दिए साक्षात्कार में कहा था, मुझे लगता है कि कभी-कभी अनुभवहीनता को ज्यादा बढ़ा-चढ़ा कर पेश किया जाता है। इसमे हालांकि कोई संदेह नही है कि अनुभवी खिलाड़ी खास कर इन परिस्थितियो मे अधिक सहज महसूस करता है। इस दौरे के लिए हमने जिन स्पिनरों को चुना है, हमें लगता है कि वे हमें भारत को हराने का सबसे अच्छा मौका देंगे। मेरे लिए, यह सिर्फ स्पिनरो के बारे मे नही है। यह उनके पास मौजूद प्रतिभा को समझना और उन्हे वहां जाकर उस प्रतिभा को व्यक्त करने की छूट देने के बारे मे है। हम चाहते है कि वे परिणाम के बारे में ज्यादा चिंता किए बिना अपने खेल पर ध्यान केंद्रित करें। इस श्रृंखला से पहले इंग्लैड के खेमे मे स्पिन गेदबाजो की अनुभवहीनता की चर्चा हो रही थी लेकिन स्टोक्स ने कहा कि वह ऐसी बातों को ज्यादा तवज्जो नही देते है। एक गेंदबाज के तौर पर आपका का विकेट लेना होता है। एक बल्लेबाज के तौर पर आपका काम रन बनाना होता है।

रोहित का सर्वश्रेष्ठ समय निकल गया, कोहली की कमी खली: बॉयकॉट

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व सलामी बल्लेबाज ज्योफ्री बॉयकॉट का मानना है कि भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपना सर्वश्रेष्ठ क्रिकेट खेल लिया है और हैदराबाद टेस्ट में टीम को दिग्गज विराट कोहली की कमी खली। भारतीय टीम पांच मैचों की श्रृंखला के शुरुआती मुकाबले की पहली पारी में मजबूत स्थिति में थी लेकिन इंग्लैंड ने बल्ले और गेंद से दूसरी पारी में पलटवार करते हुए 28 रन से जीत दर्ज की। कोहली की गैरमौजूदगी में भारतीय बल्लेबाजी को मजबूत करने की जिम्मेदारी रोहित शर्मा के कंधों पर थी। भारतीय कप्तान दोनों पारियों में महज 24 और 39 रन ही बना सके। भारतीय टीम जीत के लिए 231 रन का पीछा करते हुए मैच के चौथे दिन 202 रन पर आउट हो गई। बॉयकॉट का मानना है कि इंग्लैंड के पास भारतीय सरजमीं पर 12 साल बाद जीत दर्ज करने का सुनहरा मौका है। उन्होंने द डेली टेलीग्राफ के अपने कॉलम में लिखा , इंग्लैंड के पास पिछले 12 साल में भारत को उन्हीं की धरती पर हराने वाली पहली टीम बनने का सुनहरा मौका है।

दीप्ति टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में संयुक्त दूसरे स्थान पर

दुबई। भारत की दीप्ति शर्मा एक पायदान चढकर आईसीसी महिला टी20 गेंदबाजी रैंकिंग में मंगलवार को संयुक्त दूसरे स्थान पर पहुंच गई जबकि उनकी हमवतन रेणुका सिंह भी दसवे स्थान पर पहुंच गई है। दक्षिण अफ्रीका की स्पिनर नोंकुलुलेको एमलाबा तीन पायदान गिरकर दूसरे से पांचवें स्थान पर खिसक गई। दीप्ति के साथ पाकिस्तान की सादिया इकबाल दूसरे स्थान पर है जबकि इंग्लैड की सारा ग्लेन चौथे स्थान पर है। इंग्लैड की स्पिनर सोफी एक्सेलेटन शीर्ष पर बनी हुई है। हरफनमौलाओं की सूची मे शीर्ष दस मे कोई बदलाव नही है। इसमे दीप्ति चौथे स्थान पर बनी हुई है। बल्लेबाजों मे भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना चौथे, जेमिमा रौड्रिग्स 13वे, शेफाली वर्मा 16वे और हरमनप्रीत कौर 17वे स्थान पर है। आस्ट्रेलिया की बेथ मूनी शीर्ष पर है जबकि उनकी हमवतन ताहलिया मैक्ग्रा दूसरे स्थान पर है।

खेल का आनंद ले सकते है खिलाड़ी

नई दिल्ली। मोटोरोला ने जी सीरीज फ्रेंचाइजी में अपने नवीनतम एंट्री-लेवल स्मार्टफोन मोटो जी24 पावर को लॉन्च किया। यह अपने सेगमेंट का एक अग्रणी किफायती स्मार्टफोन है जिसमें प्रीमियम डिजाइन, एक विशाल 6000एमएएच बैटरी और टर्बो पॉवर 33 वॉट चार्जर दिया गया है। केवल 8.99 मिमी मोटाई और 197 ग्राम वजन वाला यह पतला स्मार्टफोन वॉटर रेपेलेंट डिजाइन और आईपी 52 रेटिंग के साथ आता है, और दो आश्चर्यजनक और सुरुचिपूर्ण रंगों- इंक ब्लू और ग्लेशियर ब्लू में उपलब्ध है। मोटो जी24 पावर एक विशाल 6000 एमएएच की बैटरी के साथ उपयोगकर्ताओं को अपने पसंदीदा कंटेंट का आनंद लेने, गेम खेलने और लंबी अवधि तक वीडियो कॉल करने में सक्षम बनाता है। यह डिवाइस एक असाधारण और स्थायी स्मार्टफोन अनुभव सुनिश्चित करता है, जो इसे जी सीरीज फ्रैंचाइज के लिए एक एक उत्कृष्ट योगदान बनाता है। मोटो जी24 पावर का लुक बेहद खूबसूरत है, इसमें 3डी ऐक्रेलिक ग्लास (पीएमएमए) फिनिश है, साथ ही यह 6000 एमएएच बैटरी के साथ सेगमेंट में सबसे पतले और सबसे हल्का डिवाइसों में से एक है। यह नवीनतम एंड्रायड 14 के साथ आता है और एक उन्नत 50 एमपी क्वाड पिक्सेल कैमरा सिस्टम को प्रदर्शित करता है, साथ ही इसमें सेगमेंट का अग्रणी 16एमपी सेल्फी कैमरा भी दिया गया है जो विभिन्न प्रकार की प्रकाश परिस्थितियों में असाधारण फोटो को कैप्चर करता है।

ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके रेसवॉकर अक्षदीप ने अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा

चंडीगढ। पेरिस ओलंपिक के लिए पहले ही क्वालीफाई कर चुके पंजाब के अक्षदीप सिंह ने राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा में मंगलवार को यहां पुरुषो के 20 किलोमीटर वर्ग में अपना ही राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ा। रांची में राष्ट्रीय ओपन पैदल चाल स्पर्धा 2023 जीतकर ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले अक्षदीप ने एक घंटे 19 मिनट 38 सेकेंड का समय निकालकर एक घंटे 19 मिनट 55 सेकेंड का अपना ही रिकॉर्ड तोड़ा। उत्तराखंड के सूरज पंवार दूसरे स्थान पर रहे जिन्होने पेरिस ओलंपिक का एक घंटे 20 मिनट 10 सेकेंड का क्वालीफाइंग स्तर पार किया। उन्होंने एक घंटे 19 मिनट 43 सेकेंड का समय निकाला। तीसरे स्थान पर रहे तमिलनाडु के सर्विन सबेस्टियन (एक घंटा 20 मिनट तीन सेकेंड) और चौथे स्थान पर रहे पंजाब के अर्शप्रीत सिंह (एक घंटा 20 मिनट चार सेकेंड) भी पेरिस ओलंपिक के क्वालीफाइंग स्तर को हासिल करने में सफल रहे। भारत के छह खिलाड़ियो ने पेरिस ओलंपिक मे पुरुषो की 20 किमी पैदल चाल के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

यह ऐतिहासिक मुकाबला है, भारतीय टीम के दौरे से फायदा मिलेगा : पाकिस्तानी टेनिस जगत

इस्लामाबाद। पिछले एक दशक मे अंतरराष्ट्रीय खेलो की मेजबानी नही मिलना का पाकिस्तान को काफी नुकसान हुआ है और अब टेनिस जगत को उम्मीद है कि भारतीय डेविस कप टीम के इस ऐतिहासिक मुकाबले के लिए आने से देश मे खेलो को बढावा मिलेगा और दर्शको की रूचि जगेगी। आखिरी बार भारतीय डेविस कप टीम 1964 मे पाकिस्तान आई थी। अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) इस साल भी टीम भेजना नही चाहता था लेकिन आईटीएफ ने उसकी अपील खारिज करके साफ तौर पर कहा कि यह मानने का कोई कारण नही है कि भारतीय खिलाड़ियों को पाकिस्तान मे सुरक्षा संबंधी कोई मसला होगा। लाहौर मे मार्च 2009 मे श्रीलंकाई क्रिकेट टीम की बस पर हमले के बाद से पाकिस्तान मे खेल गतिविधियां बाधित है। पाकिस्तान को विश्व स्तरीय टूर्नामेंटो की मेजबानी नही मिल रही है। पाकिस्तानी टेनिस महासंघ जूनियर आईटीएफ या सीनियर पुरुष फ्यूचर टूर्नामेंटो की भी मेजबानी नही कर सका है। महिला टीम का कोई टूर्नामेंट नही हुआ और 2017 के बाद से डेविस कप टीम भी यहां नही आई है।

राजपाल की गैरमौजूदगी में डेविस कप कप्तान बने जीशान

इस्लामाबाद। इसे नियति कहे या संयोग। पिछली बार 1964 मे पाकिस्तान दौरे पर गई भारत की डेविस कप टीम मे अख्तर अली अहम खिलाड़ी थे। छह दशक बाद दोनो पड़ोसी देश एक बार फिर पाकिस्तान पर सरजमी पर टेनिस मुकाबले के लिए आमने-सामने होंगे और इस बार अख्तर के बेटे जीशान अली भारतीय टीम के कप्तान की भूमिका निभाएंगे। जीशान को हालांकि अस्थाई तौर पर यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। तब अख्तर अली ने पांच मे से तीन मैच खेले थे। उन्होंने पहला एकल मुकाबला जीतने के अलावा प्रेमजीत लाल के साथ मिलकर युगल मुकाबला जीता था। मुनव्वर इकबाल के खिलाफ उनका तीसरा मैच पूरा नही हो सका था और भारत ने 4-0 से जीत दर्ज की थी। अख्तर और प्रेमजीत दोनो का निधन हो चुका है। नियमित कप्तान रोहित राजपाल घर मे चिकित्सा समस्या के कारण इस्लामाबाद नही आ सके जिसके बाद जीशान को कोच और कप्तान की दोहरी जिम्मेदारी सौंपी गई है। अखिल भारतीय टेनिस महासंघ (एआईटीए) के सचिव अनिल धूपर ने मंगलवार को यहां पीटीआई से कहा, हमारे गैर खिलाड़ी कप्तान रोहित राजपाल निजी कारणों से टीम के साथ यात्रा नही कर पाए। मुझे यह सूचित करते हुए खुशी हो रही है कि हमने बेहद सीनियर खिलाड़ी जीशान अली को आज टीम का कप्तान नियुक्त किया है। वह (जीशान) इस मुकाबले के लिए कप्तान होंगे और हमें विश्वास है कि भारत उनकी कप्तानी मे पाकिस्तान मे ठोस प्रदर्शन करेगा। जीशान के लिए यह भावुक लम्हा है जो 2013 से भारत के कोच है।

खेल मंत्रालय ने निलंबित डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष के खिलाफ कानूनी कार्वाई की चेतावनी दी

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय ने सरकारी मान्यता के संबंध मे पूर्ण निराधार और हानिकारक दावा करने पर मंगलवार को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष संजय सिंह के खिलाफ कानूनी कार्वाई की चेतावनी दी। मंत्रालय ने फिर से कहा कि इस निकाय के द्वारा किसी भी टूर्नामेंट के आयोजन को अस्वीकृत माना जाएगा। संजय सिंह ने बीते शनिवार को दावा किया था कि लगभग 700 पहलवान 29 से 31 जनवरी तक पुणे मे सीनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप मे भाग लेंगे। मंत्रालय ने संजय सिंह को लिखे पत्र मे कहा, आपके द्वारा डब्ल्यूएफआई की वर्तमान मे निलंबित कार्यकारी समिति की मान्यता और पुणे मे आपके द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओ के बारे मे कुछ दावे किए जा रहे है, जो पूरी तरह से निराधार और हानिकारक है। मंत्रालय ने पहले ही सात जनवरी 2024 को पत्र के माध्यम से, आपको संबोधित किया है और जिनकी प्रतियां डब्ल्यूएफआई और राज्य सरकारोकेंद्र शासित प्रदेशों की संबद्ध इकाइयो को दी गई है। इस पत्र मे इस पूरे मुद्दे को स्पष्ट कर दिया गया था। एक बार फिर सूचित किया जाता है कि डब्ल्यूएफआई की निलंबित कार्यकारी समिति के सदस्यों द्वारा आयोजित किसी भी चैंपियनशिप या प्रतियोगिता को अस्वीकृत और गैर-मान्यता प्राप्त प्रतियोगिता माना जाएगा।

थाईलैंड मास्टर्स: त्रीशा-गायत्री दूसरे दौर में

अश्विनी-तनीषा से होगी भिड़ंत

भाषा। बैंकॉक

त्रीशा जॉली और गायत्री गोपीचंद की भारतीय जोड़ी ने मंगलवर को यहां थाईलैंड मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले में लोक लोक लुइ और विंग युंग एनजी की हांगकांग की जोड़ी को हराकर महिला युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

छठी वरीय भारतीय जोड़ी ने पहले दौर के मुकाबले में एक घंटे और 14 मिनट में 16-21 21-10 21-18 से जीत दर्ज की।त्रीशा और गायत्री अगले दौर में तनीषा क्रास्टो और अश्विनी पोनप्पा की हमवतन गैरवरीय जोड़ी से भिड़ेंगे। तनीषा और अश्विनी ने लिंग फैंग हू और शियाओ मिन लिन की चीनी ताइपे की जोड़ी को 21-13 21-17 से हराया। पुरुष एकल में भारत के समीर वर्मा और एस शंकर मुथुस्वामी सुब्रमण्यम दो क्वालीफाइंग मैच जीतकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाने में सफल रहे। वर्मा ने अमेरिका के होवार्ड शू को पुरुष एकल क्वालीफिकेशन के पहले दौर में 21-9 21-16 से हराने के बाद चीनी ताइपे के कुआन लिन कुओ को 16-21 21-16 21-15 से हराकर मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। मुथुस्वामी ने इंडोनेशिया के अनुभवी टॉमी सुगियार्तो को 9-21 21-17 21-12 से हराने के बाद थाईलैंड के कोराकृत लाओत्राकुल को 20-22 21-10 21-14 से हराकर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। वर्मा पहले दौर में हांगकांग के एनजी का लोंग एंगस जबकि मुथुस्वामी मलेशिया के जुन हाओ लियोंग से भिड़ेंगे।

एआईएफएफ ने दूसरी बार अपने महासचिव को बर्खास्त किया, भूटिया ने अध्यक्ष चौबे का इस्तीफा मांगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय कप्तान बाईचुंग भूटिया ने देश में फुटबॉल के प्रशासन में मौजूदा अव्यवस्था के लिए अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अध्यक्ष कल्याण चौबे को जिम्मेदार ठहराते हुए मंगलवार को उनके इस्तीफे की मांग की जबकि शाजी प्रभाकरन को महासचिव के रूप में दूसरी बार बर्खास्त किया गया। एआईएफएफ की कार्यकारी समिति ने मंगलवार को प्रभाकरन को महासचिव पद से हटा दिया जबकि इससे दो महीने से अधिक समय पहले सात नवंबर को विश्वास के उल्लंघन के लिए आपात समिति ने ऐसा ही किया था। आठ दिसंबर को दिल्ली उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने प्रभाकरन की बर्खास्तगी पर रोक लगा दी थी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने 19 जनवरी को अपने नवीनतम आदेश में कहा था कि प्रभाकरन को एआईएफएफ की आपात समिति ने बर्खास्त किया था जबकि महासंघ का संविधान केवल कार्यकारी समिति को यह अधिकार देता है। उच्च न्यायालय ने हालांकि कहा था कि उसका आठ दिसंबर का आदेश याचिकाकर्ता (प्रभाकरन) का कार्यकाल रद्द करने के लिए एआईएफएफ को कार्यकारी समिति की बैठक करने से नहीं रोकता। एक सूत्र ने पीटीआई को बताया, हां, शाजी प्रभाकरन को मंगलवार को बैठक मे कार्यकारी समिति ने महासचिव के रूप में बर्खास्त किया। भूटिया ने मंगलवार को एआईएफएफ की कार्यकारी समिति की बैठक में हिस्सा लिया जिसे सात नवंबर को प्रभाकरन की बर्खास्तगी पर चर्चा करने के लिए बुलाया गया था।

एफआईएच हॉकी-5 विश्व कप क्वार्टर फाइनल में नीदरलैंड से हारा भारत

मस्कट। मोहम्मद राहील की हैट्रिक के बावजूद भारत को एफआईएच हॉकी5 पुरुष विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में मंगलवार को नीदरलैंड ने 7 . 4 से हरा दिया। राहील (पहला, सातवां और 25वां मिनट) के अलावा मनदीप मोर (11वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। नीदरलैंड के लिए सैंडर डे विज्न (चौथा और 15वां) और अलेक्जेंडर शॉप (10वां और 26वां) ने दो गाल किए जबकि लुकास मिडेनडोर्प (12वां), जैमी वान आर्ट (13वां) और पेपिन रेएंगा (20वां) ने एक एक गोल किया। मैच की शुरूआत काफी अच्छी रही और भारत के लिए राहील ने पहले ही मिनट में गोल दागा। इसके बाद नीदरलैंड को सैंडर ने बराबरी दिलाई। भारत ने जवाबी हमले तेज किए और सातवें मिनट में राहील ने दूसरा गोल दाग दिया। इसे शॉप ने दसवें मिनट में उतारा। मनदीप ने अगले मिनट भारत को फिर बढत दिलाई। नीदरलैंड ने तेजी से मिले बोलना जारी रखा जिसमें मिडेनडोर्प और वान आर्ट ने गोल दाग दिए। हाफटाइम से ठीक पहले सैंडर ने दूसरा गोल करके नीदरलैंड को अच्छी बढत दिला दी। दूसरे हाफ में रेएंगा और शॉप ने बढत में इजाफा किया। राहील ने 25वें मिनट में हैट्रिक पूरी की लेकिन भारत को जीत नहीं दिला सके। अब भारत का सामना पांचवें से आठवें स्थान के मुकाबले में कीनिया से होगा।

नीलगिरि, एचएफबी व रायल अंतिम आठ में

● बाबू सब जूनियर बालक हॉकी

लखनऊ। नवल टाटा ओडिशाए राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमीए रायल हॉकी अकादमी और घुमनेहरा हॉकी अकादमी दिल्ली ने 34वीं आल इंडिया केडी सिंह बाबू सब जूनियर बालक-अंडर.14 प्राइजमनी हॉकी टूर्नामेंट में लीग दौर के मुकाबलों के अंतिम दिन अपने-अपने मैच जीत लिए। इसी के साथ नीलगिरि तमिलनाडु, एचएफबी सोनीपत, घुमनेहरा हॉकी अकादमी और रायल हॉकी अकादमी पंजाब ने भी अंतिम आठ में जगह बना ली। केडी सिंह बाबू स्मारक सोसायटी के तत्वावधान में गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज के मेजर ध्यानचंद सिंथेटिक टर्फ स्टेडियम पर खेले जा रहे टूर्नामेंट में मंगलवार को यूपी करम को नवल टाटा ओडिशा ने 5.2 से पराजित किया। नवल टाटा ओडिशा से दूसरे क्वार्टर में अरमान मिंज ने 18वें मिनट में मैच का पहला गोल दागा। जवाब में यूपी करम से आयुष यादव ने 19वें मिनट में बराबरी का गोल दागा। फिर टीम से जानसन ही 38वें मिनट में विरोधी के डिफेंस को भेद सके। नवल टाटा ओडिशा से अरमान मिंज ने 22वेंए बिबे लुगान ने 39वें, अभिषेक सोरंग ने 49वें व छबीला ने 57वें मिनट में गोल दागा। दूसरी ओर पिछली उपविजेता राउंडग्लास पंजाब हॉकी अकादमी ने एमएमएस अकादमी के खिलाफ 7-2 से जीत दर्ज की। टीम की जीत में मानवीर सिंह ने हैट.ट्रिक सहित चार गोल दागे। सुलेमान ने चौथे व अर्शदीप ने 17वें मिनट में गोल दागे। वहीं मानवीर सिंह ने 10वें मिनट में पेनाल्टी कार्नर पर गोल दागने के बाद 32वें मिनट में मैदानी गोलए 38वें मिनट में पेनाल्टी और फिर 40वें मिनट में मैदानी गोल दागते हुए हैट.ट्रिक जड़ी। प्रभिंदर ने 55वें मिनट में गोल किया। एमएमएस अकादमी से गुरुमानवदीप सिंह और धैर्य ने एक.एक गोल किए। घुमनेहरा हॉकी अकादमी दिल्ली ने ओबीएचए तमिलनाडु को 11.0 से और रायल हॉकी अकादमी पंजाब ने ध्यान चंद हॉकी अकादमी आंध्र प्रदेश को 7.0 से हराया।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शोबोरी गाँगुली द्वारा 100के, मिलाप भवन, 8/ए, बहादुर शाह ज़फ़र मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। प्रधान संपादक : शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879900।